@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 19 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 9 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री पद के लिए शशिकला के पैर पर गिरे एआईडीएमके नेता: उदयनिधि

सेलम (तमिलनाडु), 18 नवंबर। अन्नाद्रमुक (एआईडीएमके) नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि पर इसलिए भड़क गए, क्योंकि दोनों नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना की थी। अपनी आलोचना के खिलाफ पलानीस्वामी ने दोनों नेताओं को अपनी जुबान पर नियंत्रण रखने की सलाह दी। विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने कहा कि वे दोनों सत्ता में हैं, क्योंकि वे दिवंगत डीएमके नेता एम करुणानिधि के परिवार से आते हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि उनकी सफलता केवल परिवार के नाम पर नहीं, बल्कि उनकी अपनी मेहनत के कारण है। एआईएडीएमके के शीर्ष नेता ने कहा कि पिता बेटे की प्रशंसा करता है और बेटा पिता की प्रशंसा करता है, जो एक प्रहसन था जो द्रमुक शासन के तहत मामलों की खेदजनक स्थिति को दर्शाता है। इस दौरान पलानीस्वामी ने उदयनिधि पर निशाना साधते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह एक जहरीला मशरूम है जो कल की बारिश के बाद आज उग आया है। पलानीस्वामी ने कहा कि वह जानना चाहते थे कि उदयनिधि को किस आधार पर उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। उन्होंने पूछा कि उपमुख्यमंत्री बनने के लिए उसे क्या आधार मिला। साथ ही, पलानीस्वामी ने यह भी आरोप लगाया कि डीएमके में करुणानिधि की बेटियों को कभी सत्ता में आने का मौका नहीं मिला, जबकि उनके बेटों को हमेशा आगे बढ़ाया गया। उन्होंने आगे कहा, मैंने कड़ी मेहनत से अपना रास्ता बनाया है, मैं किसी परिवार के नाम के कारण सत्ता में नहीं आया। इससे पहले, द्रमुक के शीर्ष नेताओं ने हाल ही में आरोप लगाया था कि पलानीस्वामी 2017 में मुख्यमंत्री बनने के लिए अन्नाद्रमुक की पूर्व अंतरिम प्रमुख वीके शशिकला (बाद में निष्कासित) के सामने कॉकरोच की तरह रेंग रहे थे। डीएमके नेताओं की ओर से पलानीस्वामी पर की जा रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए उन्होंने पिता-पुत्र की जोड़ी पर निशाना साधा। पलानीस्वामी ने कहा कि उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और लंबे संघर्ष पर गर्व है।

पीएम मोदी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर राहुल का हमला

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 18 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को धारावी परियोजना को लेकर पीएम मोदी और महाराष्ट्र सरकार को जमकर घेरा। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राहुल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक तिजोरी सबके सामने रखी। उस पर लिखा था, एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने तिजोरी के अंदर से दो पोस्टर निकाले। इसमें से एक पर उद्योगपति गौतम अदाणी और पीएम मोदी की तस्वीर थी और दूसरे पर धारावी परियोजना की। इसे दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यही है- पीएम मोदी का एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आपको एक हैं तो सेफ हैं के नारे को अच्छे समझाया है। एक कौन हैं- वह नरेंद्र मोदी जी हैं, अदाणी हैं, अमित शाह जी है। सेफ हैं तो कौन हैं- अदाणी जी सेफ हैं। कष्ट किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। नुकसान किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। हिंदुस्तान की छोटी और मध्यम उद्योग, जिसका प्रतीक धारावी है, उसे एक व्यक्ति के लिए खत्म किया जा रहा है। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र का चुनाव विचारधाराओं का चुनाव है। यह एक-दो अरबपतियों और गरीबों के बीच का चुनाव है। अरबपति चाहते हैं कि मुंबई की जमीन उनके हाथ में जाए। एक लाख करोड़ रुपये एक अरबपति को दिए जाने की योजना है। हमारी सोच है कि महाराष्ट्र, महाराष्ट्र के किसानों, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को मदद की जरूरत है। हम हर महिला के बैंक खाते में 3000 रुपये जमा करेंगे, महिलाओं और किसानों के लिए फ्री बस यात्रा होगी, तीन लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए जाएंगे, सोयाबीन के लिए 7,000 रुपये प्रति क्विंटल का एलान हमने किया है। जाति जनगणना जो हम तेलंगाना, कर्नाटक में करवा रहे हैं, हम इसे महाराष्ट्र में भी करवाएंगे। दरअसल, अदाणी समूह ने नवंबर 2022 में धारावी के पुनर्विकास के लिए बोली जीती थी, यह परियोजना लगभग दो दशकों से पाइपलाइन में अटकी हुई है। मुंबई में जमीन की कमी और अधिक महंगा रियल एस्टेट बाजार होने की वजह से अभी तक इस परियोजना के लिए जमीन नहीं मिली थी। इस परियोजना पर लगभग 20,000 करोड़ रुपये से

अधिक खर्च होने का अनुमान बताया जा रहा है। यह वैश्विक निविदा के माध्यम से भारत में किसी सरकारी एजेंसी द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है। जानकारी के अनुसार 240 हेक्टयर के विशाल क्षेत्र में फैली धारावी में लगभग 8 से 10 लाख निवासी हैं और 13,000 से अधिक छोटे व्यवसाय यहां पर चलते हैं। जब से धारावी पुनर्विकास परियोजना की शुरुआत हुई है, तभी से यहां रहने वाले लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। यह के लोगों का कहना है कि पुनर्विकास परियोजना के नाम पर अभी तक कुछ नहीं हुआ है। इसके अलावा वे हमें कहां शिफ्ट करेंगे यह भी बड़ी परेशानी है। इससे हमारे कामकाज पर काफी बुरा असर होगा। इससे हमारे छोटे-मोटे कारोबार को काफी नुकसान पहुंचेगा। धारावी मूल रूप से मछुवारों की बस्ती थी, जहां बाद में कुम्भार, चमडे का काम करने वाले, कढाई बुनाई करने वाले आकर रहने लगे और धीरे धीरे यह बस्ती बढ़ती चली गई। धारावी मुंबई के बीच स्थित एक घनी आबादी वाला शहरी इलाका है। कहा जाता है कि धारावी की आबादी ग्रीनलैंड और फिजी से अधिक है और इसमें 30 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम, 6 प्रतिशह ईसाई और 63 प्रतिशत हिंदू रहते हैं।

इसका मतलब है प्रधानमंत्री ने हार मान ली है: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

मुंबई, 18 नवंबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र चुनाव में हार मान ली है। रेड्डी ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे पर गए हैं, उससे तो यही पता चलता है कि भाजपा ने हार मान ली है। महाराष्ट्र में सोमवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। ऐसे में सभी राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। इसी के तहत कांग्रेस के प्रचार के लिए तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी भी महाराष्ट्र पहुंचे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेलंगाना सीएम ने कहा कि आज महाराष्ट्र चुनाव के लिए प्रचार का आखिरी दिन है और आखिरी दिन से ठीक पहले पीएम मोदी देश छोड़कर विदेश चले गए। इससे पता चलता है कि भाजपा और मोदीजी ने हार मान ली है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि उन्होंने अखबारों में भाजपा के विज्ञापन देखे, उन्हें देखकर ऐसा लगा कि वे चुनाव जीतने के लिए देश को भी तोड़ सकते हैं। तेलंगाना सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा से पूछा कि पिछले 11 सालों में उन्होंने क्या किया है? रेवंत रेड्डी ने कहा कि 2014 में भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने और सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। साथ ही 2020 तक देश के हर गरीब व्यक्ति को घर देने की बात कही थी। उन्होंने कहा, किसानों की आय दोगुनी करना भूल जाइए। वे तीन काले कृषि कानून लेकर आए, जिसके चलते किसानों को दिल्ली के आसपास आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा और 700 से अधिक किसान बलिदान हो गए।

दिल्ली में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का सुप्रीम आदेश

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 नवंबर। देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने एनसीआर के राज्यों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में 12वीं तक से सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर के राज्यों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस दौरान दिल्ली सरकार से भी सवाल किया है कि उन्होंने बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए क्या किया है? मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है, उच्चतम न्यायालय ने कहा, प्रदूषण स्तर में खतरनाक बढ़ोत्तरी को देखते हुए सीएक्यूएम ने ग्रैप के तमाम चरणों को लागू करने के बजाय मौसम की स्थिति में सुधार का इंतजार किया। उच्चतम न्यायालय ने ग्रैप के तहत प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से कहा कि कुछ तत्परता की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान सख्त निर्देश दिया कि बिना कोर्ट से पूछे ग्रैप-4 के प्रतिबंध न हटाएं जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर के

सभी राज्यों को ग्रैप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के चरण 4 को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, कोर्ट ने एनसीआर के सभी राज्यों को तुरंत टीमें गठित करने का आदेश दिया है जो ग्रैप चरण 4 के तहत आवश्यक कार्यों की निगरानी करेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनसीआर के सभी राज्यों से कहा है कि वे ग्रैप-4 में बताए गए कदमों पर तुरंत फैसला लें और इसे अगली सुनवाई से पहले अदालत के सामने प्रस्तुत करें। इसके अलावा, दिल्ली और एनसीआर के राज्यों को एक शिकायत निवारण तंत्र बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि ग्रैप-4 के नियमों के उल्लंघन की रिपोर्ट दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि ग्रैप-4 तब तक जारी रहेगा, जब तक कोर्ट आगे कोई आदेश न दे, भले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से नीचे आ जाए। राज्य और केंद्र सरकारों को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह सरकारों का संवैधानिक दायित्व है कि नागरिक प्रदूषण-मुक्त वातावरण में रहें। शीर्ष न्यायालय ने ग्रैप-3 और ग्रैप-4 के सभी प्रावधानों के अलावा सरकार को निर्देश दिया है कि स्थिति सामान्य करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को अभी भी अन्य कक्षाओं के विपरीत स्कूलों में उपस्थित होना पड़ रहा है और अनुरोध किया कि इन कक्षाओं को भी बंद किया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीआर के सभी राज्य तत्काल निर्णय लें कि 12वीं कक्षा तक के सभी छात्रों की कक्षाएं बंद की जाएं।

झारखंड में जनता के लिए दी गई रकम की जो लूट हुई, उसका हिसाब होगा: योगी

कौमी संवाददाता

रांची, 18 नवंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड की हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। योगी ने कहा कि इस सरकार के अंतर्गत राज्य के कई इलाके रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवैध गतिविधियों के केंद्र बन गए हैं। योगी ने साहिबगंज के राजमहल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 23 नवंबर को चुनाव के नतीजों के बाद इन घुसपैठियों को झारखंड से भगा दिया जाएगा और झामुमो के नेतृत्व में गठबंधन के नेताओं ने लोगों के लिए दी गई रकम की जो लूट की है, उसके लिए जिम्मेदारी तय होगी। उन्होंने कहा, राजमहल और साहिबगंज जैसे क्षेत्र अब बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के लिए अवैध गतिविधियों का केंद्र बन गए हैं। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन, जो कि उनके रहनुमा बने हैं, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। झारखंड

में एनडीए की सरकार बनते ही घुसपैठियों को निकाल दिया जाएगा। रैली के दौरान आदित्यनाथ ने लोगों से अपील की कि वह ऐसे नेताओं से सावधान रहें, जो समाज को जाति के आधार पर बांटने की बातें करते हैं। योगी ने उन्हें देश और समाज का दुश्मन करार दिया। यूपी सीएम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने फलते-फूलते झारखंड का सपना देखा था। लेकिन झामुमो-कांग्रेस और राजद के गठबंधन ने उनके सपने की अनदेखी की योगी ने आगे कहा, झारखंड में समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद गरीबी है। उन्होंने वादा किया कि एनडीए सरकार के तहत कम से कम डेढ़ लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। भारत के विभाजन का जिक्र करते हुए यूपी सीएम ने कहा, ''जब हिंदू विभाजित थे, तब उन्हें अयोध्या, काशी और मथुरा में गुलामी और अपमान का सामना करना पड़ा था। अब यह समय है- एक रहेंगे, सेफ रहेंगे, न बंटेंगे, न कटेंगे।'' उन्होंने कहा कि रुझानों से संकेत मिल रहे हैं कि झारखंड में एनडीए दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। आदित्यनाथ ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की तरह केवल डबल इंजन वाली सरकार ही झारखंड में घुसपैठ, गोहत्या और महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों का समाधान कर सकती है।'' दूसरी तरफ असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी झारखंड की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य के यह चुनाव गरीबों, युवाओं, महिलाओं और हिंदू गौरव के लिए हैं। उन्होंने झामुमो सरकार पर कथित तौर पर 2019 के चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। सरमा ने हजारीबाग के मांडू में रैली को संबोधित करते हुए कहा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी के बारे में बात करने में व्यस्त हैं, जबकि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन कहती हैं- एक ही नारा हेमंत दोबारा।

राजोआना की दया याचिका पर दो हफ्ते में विचार किया जाए: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के सचिव को बेअंत हत्याकांड के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि राजोआना की दया याचिका पर आज से दो सप्ताह के अंदर विचार किया जाए। दरअसल, मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सचिव को निर्देश दिया कि वह 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा पाने वाले बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका को राष्ट्रपति के सामने विचार के लिए रखें। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने राष्ट्रपति से दो सप्ताह के भीतर याचिका पर विचार करने का अनुरोध किया। पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई के लिए विशेष रूप से आज का दिन तय किए जाने के बावजूद भारत संघ की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। पीठ केवल इसी मामले की सुनवाई के लिए बैठी थी। सुनवाई की इससे पहले की तारीख में मामले को स्थगित कर दिया गया था, ताकि केंद्र सरकार राष्ट्रपति कार्यालय से यह निर्देश ले सके कि दया याचिका पर कब तक निर्णय लिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता मृत्युदंड

का सामना कर रहा है, हम भारत के राष्ट्रपति के सचिव को निर्देश देते हैं कि वह मामले को राष्ट्रपति के समक्ष रखें और उनसे अनुरोध करें कि वह आज से दो सप्ताह के भीतर इस पर विचार करें। मामले में अगली सुनवाई पांच दिसंबर को होगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 25 सितंबर को राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था। राजोआना को 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में पंजाब सिविल सचिवालय के बाहर हुए विस्फोट मामले में दोषी पाया गया था। इस घटना में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह तथा 16 अन्य लोग मारे गए थे। विशेष अदालत ने राजोआना को जुलाई, 2007 में मौत की सजा सुनाई थी। राजोआना ने अपनी याचिका में कहा है कि मार्च 2012 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने उसकी ओर से क्षमादान का अनुरोध करते हुए संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत एक दया याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल तीन मई को राजोआना को सुनाई गई मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार को मणिपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले और न्यायमूर्ति बीआर गवई और सूर्यकांत की मौजूदगी वाले कॉलेजियम ने सोमवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया। 21 नवंबर, 2024 को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल की सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप मणिपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर एक रिक्ति उत्पन्न होगी। इसलिए उस पद पर नियुक्ति की जानी आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत के मामले की जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत हर चीज का समाधान नहीं है। सरकार चलाना अदालत का काम नहीं है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि याचिका में उन नेताओं के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक और गैरजिम्मेदाराना आरोप लगाए गए हैं जो अब जीवित नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ों की अवैध कटाई से जुड़ी याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले में तत्कालीन और सेवानिवृत्त हो चुके सीजेआई चंद्रचूड़ ने मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से हलफनामा मांगा था।

गठबंधन के साथी भी आपके साथ नहीं: जेपी नड्डा

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 18 नवंबर। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को महाराष्ट्र में रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। नड्डा ने राहुल की तरफ से एक हैं तो सेफ हैं नारे का मखौल उड़ाए जाने को लेकर गुस्सा जताया और कहा कि एक हैं तो सेफ हैं का मतलब यह है कि अगर एकता है, तो हम सुरक्षित रहते हैं। नड्डा ने कहा, पीएम मोदी जब कहते हैं कि एक हैं तो सेफ हैं, तो इसका मतलब होता है कि जब आप एक साथ रहेंगे तो सभी सुरक्षित रहेंगे। राहुल के एक हैं तो सेफ हैं का मतलब मैं आपको बताता हूं। राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महा विकास अघाड़ी का एक साथी मौजूद नहीं था। इनके एक का मतलब है कि अकेले हैं तभी सुरक्षित हैं। भाजपा प्रमुख ने आगे कहा कि राहुल गांधी हमेशा अकेले रहते हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि वह सुरक्षित हैं। नड्डा ने राहुल पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि उन्हें पहले कांग्रेस के नेताओं को एकजुट करना चाहिए, तभी वे देश की एकता और सुरक्षा की बात कर सकते हैं। नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संविधान को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया और उनकी आलोचना करते हुए कहा, ''आज राहुल गांधी संविधान की किताब लेकर घूमते हैं। उन्होंने संविधान की किताब पढ़ी तक नहीं है। वह बस, इसे लेकर घूमते हैं।'' उन्होंने कहा, ''डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान में लिखा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता, लेकिन आज कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में निजी ठेकेदारों को निविदा देने में अल्पसंख्यकों को चार प्रतिशत आरक्षण दे रही है।'' नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति और एनडीए ने महाराष्ट्र में राजनीति की एक नई संस्कृति और परिभाषा गढ़ी है। नड्डा ने नवी मुंबई में रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हम ऐसी सरकार दे रहे हैं जो लोगों के प्रति

जवाबदेह है।'' उन्होंने कहा, आज हमारी सरकार में जो कहा गया वह भी किया और जो नहीं कहा वह भी किया की राजनीति की रही है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आर्थिक नीति के मोर्चे पर दुनिया को प्रधानमंत्री मोदी में उम्मीद की किरण नजर आ रही है। उन्होंने कहा, ''10 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, पर पीएम मोदी ने इसे 5वें पायदान पर ला दिया। आप महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनवाइए और मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।'' भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति एक उगता सूरज है जो महाराष्ट्र को रोशनी देगा, जबकि महाविकास आघाडी महाराष्ट्र को अंधकार में धकेलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि महायुति महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है जबकि महाविकास आघाडी आपकी परेशानियों को और बढ़ाएगी। भाजपा अध्यक्ष ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा, ''बालासाहेब ठाकरे ने कहा था कि वह अपनी पार्टी खत्म कर देंगे, लेकिन कांग्रेस के साथ समझौता नहीं करेंगे। लेकिन आज उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में बैठे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को आगे बढ़ाया है।'' नड्डा ने कहा, ''सत्ता की खातिर जिस तरह से आपने (उद्धव ठाकरे ने) अपने पिता के विचारों को दरकिनार कर कांग्रेस के साथ समझौता किया है उसके लिए महाराष्ट्र आपको कभी माफ नहीं करेगा।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने धारावी परियोजना को लेकर पीएम मोदी और महाराष्ट्र सरकार को जमकर घेरा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राहुल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक तिजोरी सबके सामने रखी। उस पर लिखा था, एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने तिजोरी के अंदर से दो पोस्टर निकाले। इसमें से एक पर उद्योगपति गौतम अदाणी और पीएम मोदी की तस्वीर थी और दूसरे पर धारावी परियोजना की। इसे दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यही है- पीएम मोदी का एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आपको एक हैं तो सेफ हैं के नारे को अच्छे समझाया है। एक कौन हैं- वह नरेंद्र मोदी जी हैं, अदाणी हैं, अमित शाह जी है। सेफ हैं तो कौन हैं- अदाणी जी सेफ हैं। कष्ट किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। नुकसान किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा।

राजधानी इंफाल में कर्फ्यू के बीच स्कूल-कॉलेज 19 नवंबर तक बंद

इंफाल, 18 नवंबर। इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगाए जाने के बीच, मणिपुर सरकार, सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग ने इन जिलों में राज्य विश्वविद्यालयों समेत संस्थानों, कॉलेजों को मंगलवार तक बंद करने की घोषणा की है। यह निर्णय मणिपुर सरकार के गृह विभाग के परामर्श से लिया गया है। सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है, कई जिलों में जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से लगाए गए कर्फ्यू के मद्देनजर और छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह आदेश दिया जाता है कि मणिपुर सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत सभी सरकारी संस्थान/सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज, जिनमें राज्य विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिन जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, वे 18 नवंबर से 19 नवंबर तक दो दिनों के लिए बंद रहेंगे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में मणिपुर में हुई हालिया हिंसा से जुड़े तीन प्रमुख मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है, जिसके कारण जानमाल का नुकसान हुआ और सार्वजनिक व्यवस्था में व्यापक व्यवधान हुआ। एजेंसी ने गृह मंत्रालय (एमएचए) की तरफ से हाल ही में जारी निर्देश के बाद मणिपुर पुलिस से ये मामले अपने हाथ में ले लिए क्योंकि तीनों मामलों से जुड़ी हिंसक गतिविधियों के कारण पहाड़ी राज्य में घटनाएं बढ़ गई थीं, जिससे मौतें हुईं और महत्वपूर्ण सामाजिक अशांति हुई। पहला मामला 8 नवंबर, 2024 को जिरीबाम पुलिस स्टेशन में सशस्त्र उग्रवादियों की तरफ से जिरीबाम क्षेत्र में एक महिला की हत्या के संबंध में दर्ज किया गया था।

एर्दोआन ब्राजील में जी-20 बैठक में उठायेंगे यूक्रेन का मुद्दा

एजेंसी

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ब्राजील में होने वाली जी-20 बैठकों में यूक्रेन का मुद्दा उठाएंगे। यहां एक राजनयिक सूत्र ने आरआईए नोवोस्ती को बताया कि तुर्की युद्ध विराम चाहता है। इससे पहले दिन की शुरुआत में ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि श्री एर्दोगान आज ब्राजील में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में यूक्रेनी संघर्ष को रोकने के लिए एक प्रस्ताव पेश करने वाले हैं। उन्होंने कहा, तुर्की के राष्ट्रपति की ब्राजील में जी-20 बैठक के दौरान सभी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बैठकों में विश्व नेताओं के समक्ष यूक्रेन में हो रक्तपात को रोकना और युद्धविराम समझौते पर बातचीत करना है।

अंगोला में एमपॉक्स का पहला मामला- मंत्रालय

लुआंडा । अंगोला की राजधानी लुआंडा में देश का पहला एमपॉक्स का मामला सामने आया है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह घोषणा की।मंत्रालय के बयान के अनुसार रोगी, कांगोली राष्ट्रीयता की 28 वर्षीय महिला स्वास्थ्य अधिकारियों की निगरानी में अपने करीबी संपर्कों के साथ अलगाव में है। मंत्रालय ने कहा कि वह प्रभावित क्षेत्रों को कीटाणुरहित करने, संपर्कों की पहचान करने और उनका पता लगाने तथा गहन महामारी विज्ञान जांच करने के उपायों को लागू कर रहा है। अंगोला के अधिकारियों ने जनता से स्वच्छता प्रथाओं को सुदृढ़ करने तथा बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में दर्द, लिम्फैडेनोपैथी या व्यापक त्वचा पर चकत्ते या म्यूकोसल घाव जैसे लक्षण होने पर चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने महामारी विज्ञान की स्थिति के बारे में जनता को सूचित रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की है तथा समुदाय के भीतर शांति और संयम का आह्वान किया है। उल्लेखनीय है कि एमपॉक्स एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से शरीर के तरल पदार्थ, श्वसन बूंदों और दूषित पदार्थों के माध्यम से फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अगस्त में एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। यह दो वर्षों में दूसरी बार अलर्ट का उच्चतम स्तर था।

अफगानिस्तान सरकार ने बड़े बजट की 27 परियोजनाओं को दी मंजूरी

काबुल। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने 27 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लागत करीब सात करोड़ 30 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग पांच अरब अफगानी) है। राष्ट्रीय खरीद आयोग के आर्थिक मामलों के कार्यवाहक उप प्रधान मंत्री के कार्यालय के अनुसार इन परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजधानी काबुल और देश के विभिन्न प्रांतों में जल बांध, आवासीय अपार्टमेंट, सड़कें और विद्युत उपकरण शामिल हैं। ये परियोजनाएं हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान कर सकती हैं और देश की आर्थिक चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती हैं। सरकार आर्थिक चुनौतियों से निपटने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए युद्धग्रस्त देश में अपने घरेलू बजट पर अधिक विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। भारत ने भी अफगानिस्तान में विभिन्न विकास परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें 218 किमी लंबी सड़क का निर्माण, 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण और विभिन्न प्रांतों में बिजली संयंत्रों का निर्माण शामिल है।

इराकी सेना ने आईएस के चार आतंकवादियों को मार गिराया

बगदाद। इराक की सेना ने किरकुक प्रांत में एक हवाई हमले में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादियों को मार गिराया है। इराकी सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। इराकी संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार खुफिया रिपोर्टों पर कार्रवाई करते हुए इराकी बलों ने किरकुक प्रांत के पश्चिमी भाग में एक बीहड़ क्षेत्र में आईएस के एक ठिकाने पर शाम 6:50 बजे हवाई हमला किया। हमले में ठिकाने को नष्ट कर दिया गया और अंदर मौजूद चार आतंकवादियों को मार गिराया गया। इराक में 2017 में आईएस की हार के बाद से सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि आईएस के बचे हुए लोग शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ क्षेत्रों में घुस आए हैं और सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

ट्रंप की 'कैबिनेट पसंद' बनी पाकिस्तान की टेंशन, शरीफ सरकार की उड़ी 'नींद'

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान आगामी ट्रंप कैबिनेट के नामों की घोषणा से खासा परेशान है। पाकिस्तानी नीति निर्माता ट्रंप की पसंद पर कड़ी नजर रख रहे हैं, जो अमेरिकी प्रशासन की भावी विदेश नीति का संकेत है। जिन नामों का ऐलान हुआ है, उससे यह स्पष्ट संदेश जाता है कि ट्रंप सरकार के लिए भारत प्राथमिकता सूची में काफी ऊपर है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी विदेश नीति की प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं है।

सीनेटर मार्को रुबियो को अगले अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने भारत का समर्थन करने वाला एक विधेयक पेश किया था, जिससे रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में खतरे की घंटी बज गई थी। रुबियो की तरफ से सीनेट में पेश किए गए अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग अधिनियम में क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए भारत के

साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने की अपील की गई। विधेयक में प्रस्तावित किया गया कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के मामले में भारत को जापान, इजरायल, दक्षिण कोरिया और नाटो जैसे सहयोगियों के बराबर माना जाना चाहिए। इसमें यह भी सुझाव दिया गया कि नई दिल्ली को रक्षा, प्रौद्योगिकी, आर्थिक निवेश और नागरिक अंतरिक्ष में सहयोग के माध्यम से सुरक्षा मदद प्रदान की जानी चाहिए। रुबियो के प्रस्तावित विधेयक में विभिन्न प्रॉक्सी समूहों के जरिए भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने में पाकिस्तान की संलिप्तता का भी उल्लेख किया गया था। इसमें सुझाव दिया गया कि इस्लामाबाद को कोई भी अमेरिकी सुरक्षा सहायता प्रदान नहीं की जानी चाहिए। ट्रंप ने यूएस नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर के महत्वपूर्ण पद के लिए तुलसी गबार्ड को नामित किया है। तुलसी ने न केवल फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत का समर्थन किया था। वहीं वह इस्लामाबाद की ओर से अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पनाह देने के बारे में भी मुखर रही हैं, जिसे 2011 में एबटाबाद में अमेरिकी नौसेना के जवानों ने एक ऑपरेशन में मार गिराया था। जॉन रैटक्लिफ, जो सीआईए का नेतृत्व करेंगे, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं।

बाइडेन की मंजूरी के बाद जेलेंस्की ने रूस को धमकाया

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर ज़ेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से उनके देश को रूस के अंदर तक हमला करने के लिए लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करने की अनुमति देने के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसी बातों की घोषणा नहीं की जाती।

श्री जेलेंस्की ने कहा आज, मीडिया में बहुत कुछ कहा जा रहा है कि हमें उचित कार्रवाई करने की अनुमति मिल गई है। लेकिन हमले शब्दों से नहीं किए जाते हैं। ऐसी बातें घोषित नहीं की जाती हैं। मिसाइलें खुद ही बोलती हैं। जैसा कि कई अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने 17 नवंबर को बताया कि बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को रूसी क्षेत्र में गहरी हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दी थी। फ्रांस के ले फिगारो ने यह भी दावा किया कि अमेरिका का अनुसरण करते हुए फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम ने भी कथित तौर पर यूक्रेन को अपने लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करके रूसी क्षेत्र में हमला करने की अनुमति दी थी। रूस का मानना है कि यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति समझौते में बाधा

डालती है, जिससे संघर्ष में सीधे तौर पर नाटो देश शामिल हो जाते हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन के लिए हथियार युक्त कोई भी माल रूस के लिए वैध लक्ष्य होगा। क्रेमलिन ने कहा कि पश्चिम द्वारा यूक्रेन में हथियार भेजना वार्ता में योगदान नहीं देगा और इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

बेरूत पर इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के मीडिया प्रमुख मोहम्मद अफीफ की मौत

एजेंसी

बेरूत। मध्य बेरूत में सीरिया की बाथ पार्टी के कार्यालय को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के मीडिया प्रमुख मोहम्मद अफीफ और तीन अन्य लोगों की मौत हो गई।

स्थानीय टीवी चैनल अल-जदीद के अनुसार, इजरायली लड़ाकू विमानों ने रस अल-नबा क्षेत्र और सोडेको स्क्वायर कमर्शियल सेंटर के बीच स्थित कार्यालय पर दो हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों से हमला किया। इससे पहले इजरायली सेना ने इस इमारत को खाली करने के लिए बाथ पार्टी को चेतावनी दी थी। समाचार एजेंसी ने अल-जदीद के हवाले से बताया कि हवाई हमले के दौरान लक्षित इमारत का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया। मलबे को हटाने और पीड़ितों की

तलाश के लिए एम्बुलेंस को इलाके में भेज दिया गया। इजरायली सेना ने 23 सितंबर के बाद से हिजबुल्लाह के साथ संघर्ष को बढ़ाते हुए लेबनान पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अक्टूबर की शुरुआत में, इजरायल ने अपनी उत्तरी सीमा पार करके लेबनान में जमीनी कार्रवाई शुरू की।लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 8 अक्टूबर 2023 को युद्ध की शुरुआत के बाद से लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 3,452 तक पहुंच गई है, और 14,664 लोग घायल हुए हैं।

आपकी उपलब्धियों पर हमें गर्व, प्रवासी भारतीयों से बोले पीएम मोदी

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया की यात्रा पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय नाइजीरिया के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और भारत के लोगों को अपने प्रवासियों की उपलब्धियों पर गर्व है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों देश लोकतंत्र, विविधता और जनसांख्यिकीय में मिलते-जुलते हैं। नाइजीरिया के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, आज भारत की अनेक कंपनियां नाइजीरिया की पूरी इकोनॉमी को ताकत दे रही हैं। भारतीय कम्युनिटी, नाइजीरिया के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है और यह भारत के लोगों की बहुत बड़ी ताकत है। हम दूसरे देश में भले आ

जाएं, लेकिन सर्वहित के अपने संस्कार नहीं भूलते। हमारे लिए पूरा विश्व एक परिवार है। आप लोग भारत की प्रगति से खुश होते हैं और हर भारतीय आपकी प्रगति पर गर्व करता है। मेरा तो सीना गर्व से 56 इंच का हो जाता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी लंबे समय तक अफ्रीका में रहे थे। उन्होंने अफ्रीका के लोगों का सुख-दुख साझा किया। गुलामी के उस दौर में भारत और नाइजीरिया के लोगों ने आजादी के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी और जब भारत आजाद हुआ तो उसने नाइजीरिया की आजादी के आंदोलन को भी प्रेरित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत और नाइजीरिया संघर्ष के दिनों के साथी की तरह एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, बीते वर्षों में अफ्रीका की आवाज को वैश्विक मंच पर उठाने के लिए भारत ने हरसंभव प्रयास किया है। जब भारत को पहली बार जी-20 की अध्यक्षता मिली, तो हमने अफ्रीकन यूनियन को स्थाई सदस्य बनाने के लिए पूरा जोर लगा दिया और भारत को इसमें सफलता भी मिली।

7,000 कचरे से भरे गुब्बारे, उत्तर कोरिया ने पार की 'हद' : सोल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरियाई सेना ने सोमवार को कहा कि प्योंगयांग लगातार कचरे से भरे गुब्बारे भेज रहा है। बयान में कहा गया कि उत्तर कोरिया ने हद पार कर दी है और उसे हमारी धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के उप प्रवक्ता कर्नल नाम गी-सू ने एक बयान में कहा, ÷उत्तर कोरिया की गतिविधियां हद पार कर रही हैं। हम एक बार फिर सख्त चेतावनी देते हैं कि आने वाली परिस्थितियों की सारी जिम्मेदारी उत्तर कोरिया की ही होगी।' उन्होंने कहा, 'हमारी सेना के धैर्य की और परीक्षा मत लीजिए।'यह बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया ने मई के अंत से अब तक सीमा पार कचरे से भरे 7,000 से अधिक गुब्बारे भेजे हैं। दक्षिण कोरिया में कार्यकर्ताओं की सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में उत्तर कोरिया ने गुब्बारे भेजने शुरू किए थे। उत्तर

कोरिया ने तीन सप्ताह के अंतराल के बाद सोमवार की सुबह गुब्बारा अभियान फिर से शुरू किया। पिछले महीने कुछ गुब्बारे, जिनमें राष्ट्रपति यूं सुक येओल और प्रथम महिला किम कौन ही की आलोचना करने वाले पत्र शामिल थे, प्रेसिडेंशियल कंपाउंड में उतरे थे।इस बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने कहा कि देश की परमाणु ताकत बढ़ाने के लिए कोई सीमा तय नहीं है, इसके साथ ही हमें युद्ध की तैयारियां पूरी करने की जरुरत है। उनका कहना है कि देश के दुश्मनों ने उत्तर कोरिया के साथ 'उन्मादी' सैन्य टकराव बढ़ा दिया है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि किम ने यह टिप्पणी शुक्रवार को कोरियाई पीपुल्स आर्मी (केपीए) के बटालियन कमांडरों और राजनीतिक प्रशिक्षकों के चौथे सम्मेलन के दौरान की। केसीएनए ने रिपोर्ट दी कि उत्तर कोरिया के नेता ने 'एक उग्र नारा दिया है', जिसे डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के सशस्त्र बलों की तरफ से सभी स्तरों पर बुलंद रखा

जाना चाहिए, ताकि क्रांति की जरुरतों और मौजूदा हालात के मुताबिक युद्ध की तैयारियों को पूरा करने के लिए सभी प्रयासों को केंद्रित किया जा सके। डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। किंग का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है। जब दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के नेताओं ने त्रिपक्षीय सहयोग के तहत एक सचिवालय की स्थापना की घोषणा की। यह घोषणा पेरू में एक बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान की गई। तीनों देशों ने यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध को %खतरनाक रूप से विस्तारित' करने के उत्तर कोरिया और रूस के गठजोड़ की निंदा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान लीमा में एक त्रिपक्षीय बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया।नेताओं ने त्रिपक्षीय साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उनके मुताबिक यह क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। तीनों नेताओं ने बैठक में यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के लिए अपनी सेना भेजने की निंदा की।

ऑस्ट्रेलिया: तूफान से बड़े पैमाने पर नुकसान, उड़ानें रद्द, सिडनी हार्बर ब्रिज का एक हिस्सा उड़ा

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में आए तूफान की वजह से बड़े पैमाने पर संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। सिडनी हार्बर ब्रिज का एक हिस्सा उड़ गया। वहीं 20 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सिडनी और न्यू साउथ वेल्स के अधिकांश हिस्सों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से हवाएं चलीं। भारी बारिश हुई और पूरे राज्य में व्यापक ब्लैकआउट से लोग प्रभावित हुए। मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने सोमवार को पूर्वोत्तर एनएसडब्लू में अधिक भयंकर तूफान का पूर्वानुमान लगाया है। एनएसडब्ल्यू राज्य आपातकालीन सेवा (एसईएस) ने सोमवार को बताया कि उसे राज्य भर में 278 घटनाओं की सूचना मिली, जिनमें से 81 सिडनी में हुई। सिडनी से लगभग

500 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित 93 लोगों की आबादी वाले एक छोटे से शहर कारिंडा में 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से हवाएं चलीं। इसके कारण तीन व्यावसायिक संपत्तियां नष्ट हो गई और उनकी छतें उड़ गई। स्थानीय समयानुसार रात 8 बजे के बाद आए तूफान के कारण सिडनी हार्बर ब्रिज से एक वर्ग मीटर की कंक्रीट और स्टील रोड प्लेट उखड़ गई, जिससे 25 कारें क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी वजह से पुल पर यातायात व्यवस्था बाधित हुई। एनएसडब्लू के परिवहन सचिव जोश मरे ने कहा कि राज्य सरकार वाहनों की मरम्मत का खर्च वहन करेगी। मरे ने सोमवार को नाइन रेडियो से कहा, यह एक बुरा सपने जैसा था।

परमाणु शक्ति बढ़ाने के लिए कोई सीमा तय नहीं, युद्ध की तैयारियां पूरी करने की जरुरत: किम जोंग उन

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने कहा कि देश की परमाणु ताकत बढ़ाने के लिए कोई सीमा तय नहीं है, इसके साथ ही हमें युद्ध की तैयारियां पूरी करने की जरुरत है। उनका कहना है कि देश के दुश्मनों ने उत्तर कोरिया के साथ 'उन्मादी' सैन्य टकराव बढ़ा दिया है।योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि किम ने यह टिप्पणी शुक्रवार को कोरियाई पीपुल्स आर्मी (केपीए) के बटालियन कमांडरों और राजनीतिक प्रशिक्षकों के चौथे सम्मेलन के दौरान की। केसीएनए ने रिपोर्ट दी कि उत्तर कोरिया के नेता ने 'एक उग्र नारा दिया है', जिसे डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के सशस्त्र बलों की तरफ से सभी स्तरों पर बुलंद रखा

जाना चाहिए, ताकि क्रांति की जरुरतों और मौजूदा हालात के मुताबिक युद्ध की तैयारियों को पूरा करने के लिए सभी प्रयासों को केंद्रित किया जा सके। डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। किंग का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है। जब दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के नेताओं ने त्रिपक्षीय सहयोग के तहत एक सचिवालय की स्थापना की घोषणा की। यह घोषणा पेरू में एक बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान की गई। तीनों देशों ने यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध को %खतरनाक रूप से विस्तारित' करने के उत्तर कोरिया और रूस के गठजोड़ की निंदा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान लीमा में एक त्रिपक्षीय बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया।नेताओं ने त्रिपक्षीय साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उनके मुताबिक यह क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। तीनों नेताओं ने बैठक में यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के लिए अपनी सेना भेजने की निंदा की।

यूक्रेन अब लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों से रूस पर सकेगा हमला, बाइडेन ने दी अनुमति

एजेंसी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी है। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की 'कथित' तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि अपील करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी

जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कई एक्सपर्ट मानते हैं कि अमेरिका का यह फैसला कीव के लिए बड़ी मदद साबित हो सकता है क्योंकि रूसी सेनाएं लगातार बढ़त हासिल कर रही हैं। अमेरिकी लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल से कीव को फायदा हो सकता है और युद्धविराम समझौते में वह बेहतर स्थिति में रह सकता है। हालांकि यही एक संभावना नहीं है अमेरिकी फैसले पर रूस कैसी प्रतिक्रिया देगा यह बड़ा सवाल है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अल फशेर में भीषण लड़ाई, एसएएफ का दावा- आरएसएफ के 150 लड़कों की मौत

एजेंसी

पोर्ट सूडान । सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) ने दावा किया है कि एक भीषण लड़ाई में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के 150 लड़ाके मारे गए। एसएएफ के मुताबिक पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी अल फशेर में यह लड़ाई हुई है। समाचार एजेंसी के अनुसार, अल फशेर में एसएएफ की 6वीं इन्फैंट्री डिवीजन की कमान ने एक बयान में कहा, हमारे बल एल फशेर के दक्षिण-पूर्व में लगातार लड़ाई में लगे हुए हैं। बयान में कहा गया, अब तक कई मिलिशिया ठिकानों पर कब्जा कर लिया गया है, जिसमें दुश्मन के 150 से अधिक हताहत होने का अनुमान है, साथ ही यह भी कहा गया कि एसएएफ यूनिट महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल

कर रही है। आरएसएफ ने अभी तक संघर्ष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और आरएसएफ के बीच विनाशकारी संघर्ष में उलझा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुमान के अनुसार, इस घातक संघर्ष की वजह से 24,850 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्मियों ने चेतावनी दी है कि सूडान में बढ़ती हिंसा के कारण हजारों लोग खतरे में हैं। यह हिंसा मानवीय संकट को और गंभीर बना रही है इंटरनेशनल माइग्रेशन ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, एक महीने से भी कम समय में, सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में अज जजीरा राज्य में 3,43,000 से अधिक सूडान के नागरिक विस्थापित हो गए हैं। ये नागरिक लगातार बढ़ रही लड़ाई और असुरक्षा के बीच मौजूद हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार उनमें से अधिकांश पड़ोसी राज्यों 'गेदारेफ' और 'कसाला' में भाग गए हैं, जहां संयुक्त राष्ट्र और उनसे साझेदार, मेजबान लोगों के साथ मिलकर भोजन, शेल्टर, हेल्थ केयर, मनोवैज्ञानिक सेवाएं, पानी और स्वच्छता समेत इमरजेंसी सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं।ध कड़वाहट भरे रहे।

ईरान में क्लोरीन गैस रिसाव की चपेट में आए 60 लोग

एजेंसी

तेहरान । ईरान के इस्फ़हान प्रांत में क्लोरीन गैस लीक होने से 60 लोग जहरीली गैस के संपर्क में आ गए। आधिकारिक न्यूज एजेंसी आईआरएन से इस बात की जानकारी दी।समाचार एजेंसी के अनुसार, यह घटना रविवार दोपहर 1:40 बजे हुई, जब शाहरेजा काउंटी में एक ट्रक पलट गया, जो क्लोरीन गैस सिलेंडर ले जा रहा था। यह स्थान प्रांत की राजधानी इस्फ़हान से 80 किलोमीटर दक्षिण में है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे। प्रांतीय संकट प्रबंधन विभाग के प्रमुख, मंसूर शिशेहफोरूश ने बताया कि सिलेंडरों में से एक से क्लोरीन गैस का रिसाव होने के कारण आसपास के क्षेत्र के 60 लोग गैस से प्रभावित हुए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि संकट प्रबंधन विभाग, रेड क्रेसेंट सोसाइटी, ट्रैफिक पुलिस और अन्य एजेंसियों ने मिलकर स्थिति को नियंत्रित किया और क्षेत्र को सुरक्षित बनाया।

इसके बाद सड़क को फिर से खोल दिया गया।क्लोरीन गैस के रिसाव के चलते लोगों को सांस लेने में दिक्कत के साथ ही आंखों में जलन की शिकायत होती है। भारत में भी इस तरह के मामले तब देखे गए थे जब इसी साल की शुरुआत में देहरादून के झांजरा क्षेत्र में 2 सिलेंडरों से अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव होने लगा था।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव धर्म युद्धः अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चांदनी चौक और नई दिल्ली के सभी मंडल प्रभारियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मंडल प्रभारियों को दिल्ली की सभी 70 सीटों को जीतने का मंत्र देते हुए चुनाव की तैयारियों में जी-जान से जुटने का आह्वान किया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव एक धर्म युद्ध है। विपक्ष की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास कौरवों की तरह अथाह पैसा और पावर है, जबकि हमारे साथ पांडवों की तरह भगवान और जनता हैं। हम दिल्ली की जनता को मुफ्त की छह रेवड़ी बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, तीर्थ यात्रा और महिलाओं को बस यात्रा दे रहे हैं। भाजपा को हर कीमत पर दिल्ली की सत्ता इसलिए चाहिए, क्योंकि वह जनता को मिल रही इन रेवड़ियों को बंद करना चाहती है। इस दौरान वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ संदीप पाठक, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

दिल्ली सरकार की विफलताओं पर आरोप पत्र तैयार करेगी भाजपा, समिति का गठन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार की विफलताओं के खिलाफ आरोप पत्र तैयार करने के लिए समिति का गठन किया है। इस समिति में विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता संयोजक की भूमिका में होंगे। इसके अलावा समिति में पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, पार्टी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा, सरदार आरपी सिंह, आरती मेहरा, राजा इकबाल सिंह, सुनीता कांगड़ा, कपिल मिश्रा, हरीश खुराना, रिचा मिश्रा और गुलशन विरमानी का नाम शामिल हैं।

सीबीआई ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के अधिपेम्मासानी करेंगे सरस आजीविका पवेलिनय का उद्घाटन

नयी दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी यहां के भारत मंडपम में आयोजित 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय विश्व व्यापार मेला 2024 में परंपरा, शिल्प, कला एवं संस्कृति से सराबोर सरस आजीविका पवेलियन का उद्घाटन करेंगे। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित सरस आजीविका पवेलियन के उद्घाटन के मौके पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह भी मौजूद रहेंगे। साथ ही इस मौके पर मंत्रालय के अन्य गणमान्य लोग तथा अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

राजनीति में जहर फैलाना कोई खड़गे से सीखें, मोहब्बत की दुकान में जहरीला सामान : आरपी सिंह

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और आरएसएस की तुलना 'जहर' से की और उन्हें भारत में राजनीतिक रूप से सबसे खतरनाक बताया। जिस पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने पलटवार किया है। आरपी सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि राजनीति में जहर फैलाना कोई मल्लिकार्जुन खड़गे से सीखें। कांग्रेस पार्टी ने कई बार जहर फैलाना की कोशिश की लेकिन हर बार वो विफल साबित हुए हैं। वह लोगों को दंगा और हिंसा करने के लिए उकसा रहे हैं। मैं अपेक्षा करूंगा कि चुनाव आयोग इसका संज्ञान ले और तुरंत मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी करें। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र और झारखंड की जनता उनके इस बयान का जवाब देने वाली है। कल तक जो मोहब्बत की दुकान की बात करते थे, वहां जहरीला सामान और हिंसा का सामान बेचा जा रहा है। मैं मानता हूं कि इस तरह की भाषा राजनीति में ठीक नहीं है और किसी भी राजनीतिक संदर्भ में इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। कांग्रेस का चेहरा जनता के सामने बेनकाब हो चुका है। कांग्रेस पार्टी का हर कदम मुस्लिमों को खुश करने के लिए उठाया जाता है। मेरा मानना है कि महाराष्ट्र और झारखंड की जनता उनको माकूल जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, अगर भारत में राजनीतिक रूप से सबसे खतरनाक कोई चीज है तो वह है भाजपा और आरएसएस। वे जहर की तरह हैं। अगर सांप काटता है तो वह व्यक्ति (जिसे काटा गया है) मर जाता है। ऐसे जहरीले सांप को मार देना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि यह विधानसभा का चुनाव है, देश के प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं। इसके बावजूद पीएम मोदी लगातार चुनावी रैली करने में व्यस्त है।

शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान करेंगे दिल्ली कूच

चंडीगढ़, 18 नवंबर। 13 फरवरी से शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान सभी फसलों पर एमएसपी दिए जाने की मांग को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से चंडीगढ़ में हुई बैठक के बाद आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए किसान जत्थेबंदियों ने यह फैसला किया है कि 6 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से किसान दिल्ली की ओर कूच करेंगे। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 6 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से किसान एकजुट होकर दिल्ली की ओर पैदल मार्च करेंगे।

डीटीसी की महिला कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में पुरुष कर्मचारियों का प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के महिला कर्मचारियों का प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। महिला कर्मचारियों के समर्थन में अब पुरुष कर्मचारी भी आ गए हैं। कर्मचारियों ने समान काम के लिए समान वेतन, पक्की नौकरी और निजीकरण की प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। महिला कर्मचारियों के समर्थन में डीटीसी के पुरुष कर्मचारियों ने भी सरोजनी नगर डिपो में बैठक की। इसमें दिल्ली के विभिन्न डिपो के कर्मचारियों ने भारी संख्या में भाग लिया। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो वे हड़ताल करने पर मजबूर होंगे। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष

ललित चौधरी ने आईएएनएस से कहा, ÷हमारी माताओं और बहनों ने जो प्रदर्शन शुरू किया था, हम उनके समर्थन में यहां इकट्ठे हुए हैं। हमारी मांग है कि हमें समान काम के लिए समान वेतन मिले, और हमें पक्की नौकरी दी जाए। हम चाहते हैं कि हमें 60 साल की उम्र तक रोजगार की गारंटी मिले, जैसा कि दिल्ली सरकार ने कुछ साल पहले वादा किया था। हमारे साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए, हमें सम्मानजनक वेतन मिलना चाहिए। हमारी मांग है कि डीटीसी का निजीकरण तुरंत बंद किया जाए, क्योंकि निजी बस ऑपरेटरों को डीटीसी की बसों की सेवा देने से दिल्ली की जनता को कोई फायदा नहीं होगा। ललित चौधरी ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने उनकी मांगों का समाधान नहीं किया, तो कर्मचारी आंदोलन और तेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले ही 13 नवंबर को अल्टीमेटम दिया गया था कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो हम हड़ताल, धरना-प्रदर्शन या चक्का जाम जैसे कदम उठा सकते हैं। हमें उम्मीद थी कि सरकार हमारी समस्याओं को गंभीरता से लेगी, लेकिन ऐसा लगता है कि वह हमें नजरअंदाज कर रही है।

कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर भाजपा ने आआपा पर बोला हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले राजकुमार आनंद और अब कैलाश गहलोत के बाद यह पार्टी के टूटने का संकेत है।

गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) के अपने ही नेता और मंत्री पार्टी के रहनुमाओं की कार्यप्रणाली से खुश नहीं हैं और अंदर ही अंदर घुटन महसूस कर रहे हैं। विजेंद्र गुप्ता ने आआपा को डूबता हुआ जहाज बताया और कहा कि अब पार्टी के मंत्री तक समझ चुके हैं कि पार्टी के कुछ बड़े नेताओं के निजी स्वार्थ पार्टी के उद्देश्यों पर भारी पड़ने लगे हैं। उन्होंने गहलोत के इस्तीफे में उठाये गए मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत खुद ही अब महसूस कर रहे हैं कि पार्टी द्वारा दिल्ली की जनता से किये गए वादे पूरे नहीं किये गए हैं।

आगे विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आआपा का झूठ और भ्रष्टाचार अब ज्यादा दिन चलने वाला नहीं है। अरविंद केजरीवाल की सरकार ने केवल दिल्ली की जनता को धोखा देने, लूटने और ठगने का काम किया है।

आज दिल्ली की जनता आआपा की हकीकत को समझ चुकी है। फ्री सुविधाओं के नाम पर भारी भ्रष्टाचार, जनता के टैक्स के पैसों का दुरुपयोग और वादों से पलट जाना ही आआपा सरकार की पहचान बन चुकी है। अंत में विजेंद्र गुप्ता ने आशंका जताई कि आने वाले दिनों में कुछ और बड़े नेता भी गहलोत के रास्ते पर चल सकते हैं।

प्रदूषण के चलते दिल्ली में स्कूल बंद

कक्षा 10 व 12 के अलावा सभी छात्रों के लिए चलेंगी ऑनलाइन कक्षाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार, 18 नवंबर से ग्रैप-4 (GRAP-4) लागू होने जा रहा है। इसी वजह से राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा 10 और 12 के छात्रों को छोड़ सभी के लिए शारीरिक कक्षाएं बंद कर दी गई हैं। अगले आदेश तक सभी कक्षाओं की ऑनलाइन क्लास चलाने के निर्देश सरकार की ओर से जारी किए गए हैं।

केंद्रीय प्रदूषण पैनल द्वारा दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप के चौथे चरण के तहत प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कक्षा नौ तक के सभी स्कूलों को बंद करने तथा कक्षाओं को ऑनलाइन तौर पर चलाए जाने की घोषणा दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने की है। हालांकि, 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को भौतिक कक्षाओं में उपस्थित होना होगा। मुख्यमंत्री आतिशा ने एक्स पर लिखा, कल से GRAP-4 लागू होने के बाद, 10वीं और 12वीं कक्षा को

छोड़कर, सभी विद्यार्थियों के लिए भौतिक कक्षाएं बंद कर दी जाएंगी। सभी स्कूल आगे के आदेश तक ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करेंगे। दरअसल, राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता लगातार गंभीर श्रेणी में बनी हुई है, जिसके कारण अधिकारियों ने कड़े प्रदूषण विरोधी उपाय लागू किए हैं। दिल्ली-NCR क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता खराब होने के कारण सोमवार सुबह से अतिरिक्त प्रतिबंध लागू किए जाएंगे, यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा लिया गया है।

भाजपा के पास मुद्दा नहीं, ईडी-सीबीआई पर लड़ रही चुनावः आम आदमी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी का कहना है कि वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे से एक बार फिर साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी के पास दिल्ली की जनता को देने के लिए कुछ नहीं है और वह केवल ईडी-सीबीआई के भरोसे चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक ने एक पत्रकार वार्ता में मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहे, हालांकि उन्होंने इस विषय पर कुछ नहीं कहा। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से हम लगातार देख रहे थे कि कैलाश गहलोत पर इनकम टैक्स और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे पड़ रहे थे। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें आम आदमी पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है

और वह केवल एजेंसियों के माध्यम से चुनाव लड़ रही है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि कैलाश गहलोत के इस्तीफे से साफ है कि जिन मुद्दों पर भाजपा लड़ रही है उनको लेकर आम आदमी पार्टी के अंदर भी असंतोष है। सचदेवा ने कहा कि कैलाश गहलोत ने अपने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीश महल जैसे मुद्दे उठाए हैं। इन्हीं मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी लगातार आम आदमी पार्टी सरकार को घेर रही है। साफ है कि पार्टी अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही है। वह सिर्फ और सिर्फ अपने राजनीतिक हित साथ रही है।

दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू संगठन होगा मजबूत

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू समुदाय ने देश की शासन व्यवस्था के सभी अंगों में हिन्दू प्रतिनिधित्व मजबूत करने, हिन्दू छात्रवृत्ति शुरू करने के साथ ही राजनीतिक फंड एवं मीडिया टीम के गठन करने का संकल्प लिया है

दक्षिण अफ्रीका के विश्व हिंदू परिषद द्वारा संयुक्त समुदाय; मजबूत दक्षिण अफ्रीका विषय के तहत आयोजित ऐतिहासिक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन, 9-10 नवंबर को डरबन, क्वाजुलु-नताल के संस्कृति केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें संन्यास परिषद के सम्मानित संन्यासियों के साथ-साथ 42 संगठनों के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डरबन में 1995 के विश्व हिंदू सम्मेलन के 29 साल बाद आयोजित इस सभा ने दक्षिण अफ्रीका में हिंदुओं और व्यापक समाज दोनों को लाभ पहुंचाने वाले प्रस्तावों को लागू करने के लिए हिंदू समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया।

अस्पताल से 45 दिन का बच्चा अपहरण कर ट्रेन से भाग रहे थे, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की पुलिस ने बच्चे के अपहरण के मामले को सुलझा कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 45 दिन के अपहृत बच्चे को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन उप्र से सुरक्षित बरामद किया। यह ऑपरेशन भारतीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे स्टाफ के साथ मिलकर किया गया। जिसमें दो अपहरणकर्ता, एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में महिला माही सिंह और पुरुष रोहित कुमार (32 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक सफदरजंग अस्पताल से 15 नवंबर की रात करीब 1.45 बजे एक महिला ने एक अन्य महिला से मुलाकात की और उसकी नवजात बच्ची को गोद में लेकर फरार हो गई। चोरी की इस घटना में महिला के साथ एक युवक भी शामिल था। इसके बाद से ही दिल्ली पुलिस उनकी तलाश में जुट गई थी। इस बीच सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिससे पुलिस के लिए उन्हें तलाश करना आसान हो गया। पुलिस को पता चला कि आनंद विहार से रक्सौल जाने वाली सद्भावना एक्सप्रेस

में युवक-युवती नवजात को लेकर सवार हुए थे। तब तक ट्रेन रवाना हो चुकी थी। जिसके बाद सफदरजंग थाने की पुलिस ने मामले की जानकारी बरेली जीआरपी थाने के प्रभारी अजीत प्रताप को दी। उस वक्त ट्रेन बरेली के चनेहटी स्टेशन के पास थी। इसके बाद ट्रेन में मौजूद जीआरपी टीम ने दिल्ली पुलिस द्वारा भेजे गए सीसीटीवी के आधार पर चेकिंग शुरू की तो युवक और युवती ट्रेन की एसी कोच में सवार मिले। उनके पास नवजात भी था। जीआरपी ने उन्हें अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि 45 दिन का नवजात बच्चा दिल्ली के अस्पताल के चोरी किया गया था। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद जानकारी सफदरजंग थाने की पुलिस को दी गई। नवजात सहित युवक और युवती को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। वहीं जांच में पता चला कि आरोपी महिला को बच्चा नहीं हो रहा था। बच्चा पाने की चाहत में महिला ने वारदात को अंजाम दिया।

पूर्वोत्तर महोत्सव मोदी के अष्टलक्ष्मी दृष्टिकोण का पूरकः सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पूर्वोत्तर महोत्सव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अष्टलक्ष्मी दृष्टिकोण का पूरक बताया।

श्री सोनोवाल ने 12वें पूर्वोत्तर महोत्सव के समापन के अवसर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पूर्वोत्तर के लिए एक दृष्टिकोण है। वह पूर्वोत्तर राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं। पूर्वोत्तर महोत्सव पूर्वोत्तर क्षेत्र की परिवर्तनकारी क्षमता का उदाहरण है। पूर्वोत्तर महोत्सव अष्टलक्ष्मी के लिए श्री मोदी के दृष्टिकोण का पूरक है। यह असम और हमारे अन्य 07 राज्यों की अद्वितीय सुंदरता, समृद्ध परंपराओं और पर्यटन, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में उभरते अवसरों पर प्रकाश डालने के लिए उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है। उन्नत सड़क मार्गों, हवाई अड्डों और शेष भारत तथा दुनिया के साथ निर्बाध संपर्क के साथ, यह क्षेत्र यात्रियों, निवेशकों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों के लिए एक आकर्षण बनता जा रहा है।

यह महोत्सव न केवल हमारी जीवंत परंपराओं और प्रतिभाओं का जश्न मनाता है, बल्कि पूर्वोत्तर को आर्थिक महत्व के उभरते केंद्र के

रूप में भी स्थापित करता है। इस तरह के आयोजन क्षेत्र की वैश्विक अपील को बढ़ाते हैं, साझेदारी को बढ़ावा देते हैं, निवेश को बढ़ावा देते हैं और विकास के एक नए युग को प्रेरित करते हैं जिससे पूर्वोत्तर में सभी समुदायों को लाभ होता है।

NAME CHANGE

I, MUBASHIRA W/O MOHAMMAD TAYYAB residing at 313/85-B 4TH FLOOR TULSI NAGAR DELHI - 110035 have changed my name to MUBSHERA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, RUMANA W/O MOHD KHALID residing at 313/85-B 4TH FLOOR TULSI NAGAR INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to RUMANA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE

I AZADKHAN S/O SALEEM KHAN R/O 226.4TH FLOOR SWAYAM SIDHA COLONY,WEST PUNJABI BAGH, DELHI-110026. HAVE CHANGED MY NAME TO AZAD ALI KHAN

NAME CHANGE

I, MOHD SLEEM AHMAD S/O TAYYAB residing at A-6/47-C DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to SALIM AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MAHRAJUDDIN S/O JAMALUDDIN residing at 313/45C, DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MEHRAJUDDIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Prem Lal S/o Ram Sevak R/o Flat No-B 502, 5th Floor, Block-B, Plot No-8, Durga Pooja Apartment, Sector-13, Dwarka, Delhi-110075 Have Changed My Name To Prem Lal Verma S/o Ram Sevak Verma For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, hitherto known as KHUSHI D/o LAKSHMAN R/o RZ-110, BLOCK-RZ, MAHINDRA PARK, UTTAM NAGAR, D K MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as BABY.

NAME CHANGE

I, DIVYA PRAJAPATI Wife of No. 15715296A LNK ASHOK KUMAR PRAJAPATI Presently residing at VILL-JIGANI, PO-PIPRA BITTHAL, TEH-BHATPAR RANI, DIST-DEORIA, UTTAR PRADESH-274701 have changed my name from DIVYA PRAJAPATI to DIVYA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 18/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. JC-473701M Rank- NB SUB CLK (SD), Name- SHYAMA NAND CHAUHAN R/o VILL-BIJAHARI, PO-ORASAN, DIST-GHAZIPUR, (UP)-275203 have changed my Minor son name from ANKUR SINGH CHOUHAN to ANKUR SINGH CHAUHAN. Vide Affidavit Dated 18/11/2024 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, FOOLASRA Mother of No JC-303223F, Rank-SUB, Name-KULDEEP YADAV residing at VILL-CHAURAHIYA SAMANTHA, PO-TANDAULI SAMANTHA, DIST- AYODHYA (FAIZABAD), UP-224161 have changed my name from FOOLASRA to FULESAR for all future purposes vide Affidavit Dated 18/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, LALCHAND VERMA S/o JAIBHAGWAN, R/o House No. 10435, Gali Pathshala, Manak Pura, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi – 110005 declare that name of mine, my wife and my minor son have been wrongly written as LALCHAND, BABITA and ROHAN in my minor son namely ROHAN VERMA aged 13 years in his School Record. The actual name of mine, my wife and my minor son are LALCHAND VERMA, BABITA VERMA and ROHAN VERMA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAJNI W/o RAJESH KUMAR, R/o Flat No. 202 D, 3rd Floor, Pocket - 12, DDA Flats Jasola Vihar, New Friends Colony, South Delhi, Delhi - 110025 have changed the name of my minor daughter KHUSHI KUMAR SONI alias KHUSHI SONI, aged 14 years and she shall hereafter be known as KHUSHI KUMAR SONI.

NAME CHANGE

I, RAJESH KUMAR S/o RAM CHANDRA, R/o Flat No. 202 D, 3rd Floor, Pocket - 12, DDA Flats Jasola Vihar, New Friends Colony, South Delhi, Delhi - 110025 have changed the name of my minor Son MOKSH KUMAR SONI alias MOKSH SONI, aged 14 years and he shall hereafter be known as MOKSH KUMAR SONI.

सार्वजनिक सूचना

यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मैं, मधुसूदन साहू पुत्र रामसेवक साहू निवासी 15/1ए, शिव एन्क्लेव, पार्ट-1, इस्माइलपुर, सेक्टर-91, फरीदाबाद हरियाणा-121013, घोषित करता हूँ कि मेरे नाबालिग बेटे पीयूष कुमार उम्र 17 वर्ष के स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम गलती से अस्मिता साहू लिखा गया है। मेरी पत्नी का वास्तविक नाम अस्मिता कुमारी प्रसाद है।

NAME CHANGE

I, 15689288F Rank-HAV Name-SANDEEP KUMAR CHATURVEDI father of SHATAKSHI R/O VILL-PARASRAMPUR, PO-LAMBHUA, DISTT-SULTANPUR, U.P-222302 have changed my minor daughter's name from SHATAKSHI to SHATAKSHI CHATURVEDI for all future purposes vide affidavit dated 18/11/2024 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NANDYALA RAMA SUBAMMA Mother of No. 15717585N LHAV NANDYALA CHHNDRA SEKHAR Presently residing at DOOR NO-14-50, VILL-KOTHAPALLI, PO-GHATTU, PS-B KOTHAKOTA, TEH-THAMBALLAPALLI, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517325 have changed my name from NANDYALA RAMA SUBAMMA to NANDHYALA RAMASUBBAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 18/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, N SWATHI Wife of No. 15717585N LHAV NANDYALA CHHNDRA SEKHAR Presently residing at DOOR NO-14-50, VILL-KOTHAPALLI, PO-GHATTU, PS-B KOTHAKOTA, TEH-THAMBALLAPALLI, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517325 have changed my name from N SWATHI to S SWATHI for all future purposes vide Affidavit dated 18/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DEMSAT KIPGEN S/O HEMJANGAM KIPGEN R/O H NO 79 FIRST FLOOR MUNIRKA VILLAGE MUNIRKA SOUTH WEST DELHI-110067 have changed my name to DEMKHOSAT KIPGEN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Archana W/O Anil Kumar Shukla R/O H. No-1, Sector -26, Rohini, North West Delhi, Delhi -110085, have changed the name of my minor Son namely Abhishek aged 08 years and he shall hereafter be known as Abhishek Shukla

NAME CHANGE

I, N KRISHNAMOORTHY Father of No. 15717585N LHAV NANDYALA CHHNDRA SEKHAR Presently residing at DOOR NO-14-50, VILL-KOTHAPALLI, PO-GHATTU, PS-B KOTHAKOTA, TEH-THAMBALLAPALLI, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517325 have changed my name from N KRISHNAMOORTHY to NANDYALA KRISHNAMURTHY for all future purposes vide Affidavit dated 18/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for General information that I, CHITRA SHARMA D/o BHARAT BHUSHAN residing at F-210, Karam Pura, Ramesh Nagar H.O, West Delhi, Delhi - 110015 declare that the name of my Father and Mother has been wrongly written as BHARAT BHUSHAN SHARMA and HEMWATI SHARMA in my 10th, 12th Class Educational Documents and Passport No. N8039884. And the name of my Father has been wrongly written as BHARAT BHUSHAN SHARMA in my B. Sc. Degree. The actual names of my Father and Mother are BHARAT BHUSHAN and HEMVATI SHARMA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Mamta D/O Vijay Singh Tanwar R/0 205 Ambika Vihar, Paschim vihar sunder Vihar, Delhi West Delhi have changed my name and shall hereafter be known as ANAYSAA.

NAME CHANGE

I, PRIYA PANDEY wife of No.15689288F Rank-HAV Name-SANDEEP KUMAR CHATURVEDI R/O VILL-PARASRAMPUR, PO-LAMBHUA, DISTT-SULTANPUR, U.P-222302 have changed my name from PRIYA PANDEY to PRIYA CHATURVEDI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 16/06/1988 instead of my correct date of birth as 03/07/1988 Vide Affidavit dated 18/11/2024 before Notary Public Delhi.

COURT NOTICE

IN THE COURT OF SH. SUDESH KUMAR, PO MACT (SOUTH DISTRICT). SAKET COURTS, NEW DELHI

ORDER 5 RULE 20

In Re:RAMESHWARI DEVI VS SACHIN KUMAR

MACT No.: 2141/2019

To,
RANJIT S/O ADHIR
R/O MORNA DISTRICT
GAUTAM BUDH NAGAR 201301

Whereas PETITIONER has filed an application under section 166 and 140 of the Motor Vehicle Act for grant of compensation. You are hereby summoned to appear in person or by the pleader on 30.11.2024 at 10:00 AM failing which the application will be disposed of Ex. Parte.

Given under my hand and seal of the court on 18.11.2024

(SUDESH KUMAR) PO, Mact (South DISTRICT) Saket,New Delhi

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mahavir Prasad S/O: Tilak Raj, R/O House no 6340-6341,gali no-39, 22 feet road, Sanjay colony sector-23, Faridabad Sector 22, Faridabad, Haryana-121005,declare that name of mine has been wrongly written as Mahaveer in my wife death certificate no D-2021:9-90002-006297, The actual name of mine is Mahavir Prasad ,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MATI DEVI Mother of No. JC-473701M Rank- NB SUB CLK (SD), Name-SHYAMA NAND CHAUHAN R/o VILL-BIJAHARI, PO-ORASAN, DIST-GHAZIPUR, (UP)-275203 have changed my name from MATI DEVI to MATIYA. Vide Affidavit Dated 18/11/2024 before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Mr. Ajay Arya and Mrs. Gayatri Arya Owner of the Residential Sub-Leasehold Flat/Dwelling Unite No. 606 on 6th floor in Block/Tower-A-2, area 1065 sq. ft., "NIRALA ASPIRE" situated at Plot No. GH-03, Sector-16, Greater Noida, G.B. Nagar, U.P., I have lost Original Allotment Letter dated 11.07.2015 issued by M/s Nirala Housing Pvt. Ltd., in favour of Mr. Ajay Arya and Mrs. Gayatri Arya, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced Allotment Letter aforesaid owners may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication. If any claim of anyone against this property then he/she is free to contact the undersigned within 15 days from today. After the expiry of 15 days, the subject property shall be deemed to be free from any kind of encumbrances, claim, right, mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Pradeep S/O Kishan Chand R/O 9526/1, Gali No-13, Multani Dhanda ,Pahar Ganj Central Delhi, Delhi - 110055, declare that name of my minor Son has been wrongly written as Laksh in my minor Son namely Lakshay aged 11 years in his Birth Certificate No. MCDOLIR-0113-005873886 the actual name of my minor Son is Lakshay

PUBLIC NOTICE

THROUGH THIS PUBLIC NOTICE, PUBLIC IN GENERAL IS INFORMED THAT MY CLIENTS SH. KUSHAL PAL SINGH CHAUHAN S/O LATE JAHARPAL SINGH CHAUHAN AND SMT.BEENA CHAUHAN W/O KUSHAL PAL SINGH CHAUHAN, R/O A-59, STREET NO-7, SURAKSHA VIHAR, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, D.K MOHAN GARDEN, NEW DELHI-59 HAVE DISOWNED AND DEBARRED THEIR DAUGHTERS NAMELY DIMPLE CHAUHAN MALHOTRA W/O GAUTAM MALHOTRA, SHALINI CHAUHAN W/O SANJAY GULATI, BHAWANA CHAUHAN D/O KUSHAL PAL SINGH CHAUHAN, POOJA CHAUHAN D/O KUSHAL PAL SINGH CHAUHAN FROM THEIR ALL MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES, AS THEY HAVE BECOME DISHONEST, DISOBEDIENT, ABUSIVE AND QUARRELSOME WITH MY CLIENTS. HENCEFORTH AND HAVE SERVED ALL THEIR RELATIONSHIP DUE TO THEIR CALLOUS BEHAVIOUR AND MY CLIENTS HAVE NO CONCERN WITH ANY LIABILITIES ON ANY TRANSACTION BELONGS TO THEM AND WILL NOT BE RESPONSIBLEFOR THEIR ACTS AND DEEDS DONE BY THEM, IN ANY MANNER THEY HAVE NO RIGHT, TITLE OR INTEREST IN THE ABOVE SAID PROPERTIES OF MY CLIENTS.

HARSH KUMAR BHASKAR
ADVOCATE CHAMBER NO.804, LAWYER'S CHAMBER BLOCK, SECTOR-10, DWARKA COURTS, NEW DELHI-110075

सोनीपत में ग्रेप थ्री लागू, 18 चालान किए

एजेंसी

सोनीपत। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त नरेश कुमार ने बढ़ते वायु प्रदूषण को गंभीर चिंता का विषय बतातेहुए इसके नियंत्रण के लिए सख्ती से ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप)-3 का पालन करने पर जोर दिया। नगर निगम द्वारा अब तक कूड़े में आग लगाने वाले छह तथा खुले में भवन निर्माण सामग्री को बिना ढक्के रखने वालों के भी 12 चालान किए गए हैं। उन्होंनेअधिकारियों को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निगम कार्यालय में आयोजित बैठक में सहायक अभियंता, भवन निरीक्षक और मुख्य सफाई निरीक्षकों सहित अन्य अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए। नरेश कुमार ने कहा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) को नियंत्रित करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कचरा जलाने और भवन निर्माण सामग्री को खुले में रखने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।प्रदूषण नियंत्रण उपायों की निगरानी के लिए नगर निगम ने वार्ड-वार चार टीमों का गठन किया है। ये टीमें प्रतिदिन निरीक्षण करेंगी और सीएक्यूएम के निर्देशों के उल्लंघन पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। प्रदूषण कम करने के लिए सभी आवासीय क्षेत्रों और सड़कों पर स्मॉग गन से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। नगर निगम ने इसके लिए पांच पानी के टैंकर और एक एंटी-स्मॉग मशीन तैनात की है।

संगठन को मजबूत करना ही सदस्यता अभियान का मकसदः मोहनलाल कौशिक

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक ने कहा है कि पार्टी की ओर से प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जनता का हर वर्ग पार्टी के सदस्यता अभियान में रूचि दिखाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहा है। प्रदेश के 20 हजार 600 से अधिक बूथों पर सदस्यता अभियान जोर-शोर से चल रहा है।प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक यहां के सुशीला भवन में सदस्यता अभियान बारे बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने की। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने गद्दा भेंट करके प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया, विधायक विनोद भ्याना व रणधीर पनिहार, अशोक गुर्जर, पूर्व मंत्री अनूप धानक ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नए सदस्य छह वर्ष के लिए बनाए जा रहे हैं। पार्टी ने सदस्यता फार्म के साथ पूरा ब्यौरा दिया है ताकि सदस्य बनने वाला पहले पूरी जानकारी लेकर सदस्यता ग्रहण करें। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान जो लोग पार्टी छोड़ गए थे, उन्हें हम पार्टी का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल नहीं कर रहे।

जींद के औद्योगिक विकास से युवाओं को मिलेगा रोजगारः डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष और जींद के विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि बाहरी क्षेत्रों के कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए जींद की जनता को बहका कर धरना व प्रदर्शन करवाते हैं। जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने आह्वान किया क जनता इन गतिविधियों से दूर रह कर अपने बच्चों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करें। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा अपने तीन दिवसीय धन्यवाद दौरे के अंतिम दिन गांव कंडेला, जीतगढ़, रूपगढ़, कैरखेड़ी और अहिरका में ग्रामीणों से रूबरू हो रहे थे। डा. मिड्ढा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई योजनाओं के माध्यम से हर गांव और हर युवा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जनता से विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की। जींद के औद्योगिक विकास की ओर कदम बढ़ा कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलें और उनका भविष्य उज्ज्वल हो। सरकार का यह वादा है कि जींद को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाएगा। डा. मिड्ढा ने कहा कि सरकार जींद के प्रत्येक गांव में पुस्तकालय स्थापित करेगी ताकि ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर न जाना पड़े। जींद में मेडिकल कॉलेज बन चुका है।

कैग ने भी माना, बीजेपी ने कर्ज में डूबो दिया प्रदेश, आज 4.50 लाख करोड़ का कर्जा : हुड्डा

चंडीगढ़। एक के बाद एक ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देने में जुटी बीजेपी ने स्वास्थ्य सेवाओं में भी जमकर घोटाले किए हैं। ना सिर्फ सरकार ने जनता का करोड़ों रुपया लूटा है, बल्कि लोगों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताजा रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट ने बीजेपी के घोटालों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं और डॉक्टर मुहैया करवाने की बजाय सरकार करोड़ों रुपए के घोटालों को अंजाम देने में लगी हुई है। रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि कई मात्र 42 से 209 किलोमीटर का सफर कई एंबुलेंस ने 1,05,000 से लेकर 5 लाख रुपए में तय किया। यानी लगभग 2500 रुपये प्रति किलोमीटर में एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दीं। इतना ही नहीं एंबुलेंस के मरीजों तक पहुंचने के समय में भी जमकर झोल किया गया है।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने बढ़ाया हमेशा तिरंगे का मान : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अमेरिका के कोलोराडो शहर में आयोजित यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अंडर-19 श्रेणी में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विजेता हेमंत सांगवान को वर्ष 2028 ओलंपिक की लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुरूग्राम के सिविल लाइन्स स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई इस मुलाकात में हेमंत के कोच हितेश देशवाल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हेमंत सांगवान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरियाणा में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की नीतियों का आज अन्य राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि

वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की खेल गतिविधियां हो, उनमें हरियाणा के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन हमेशा आकर्षण का मुख्य बिंदु रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमेशा तिरंगे का मान रखते हुए देश का मस्तक ऊंचा रखा है। उन्होंने कहा कि वे पूर्ण रूप से आश्वस्त है कि आगामी ओलंपिक खेलों में भी हरियाणा के खिलाड़ी और अधिक मेडल लाकर देश का मान बढ़ाएंगे।झज्जर के रामनगर निवासी विजेता खिलाड़ी हेमंत सांगवान ने मुख्यमंत्री को यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की जानकारी देते हुए बताया कि यह चैंपियनशिप 23 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच अमेरिका के शहर कोलोराडो में आयोजित की गई थी। जिसमें देश के 19 खिलाड़ियों सहित विभिन्न श्रेणी में विश्वभर के खिलाड़ी शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि फाइनल मैच में उनका मुकाबला अमेरिका के खिलाड़ी रिशों सिम्स था, जिसमें उन्होंने सिम्स को 4-1 के अंतर से हराकर अंडर 19 श्रेणी में वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

सरकार पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध :श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार पशुपालन से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसके अलावा पैट-हॉस्पिटल में सेवाओं का विस्तार किया जाएगा ताकि पालतू डॉग के लिए भी लोगों को बेहतर सेवाएं सुलभ हो सकें।पशुपालन मंत्री पंचकूला में डॉग-शो के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। राणा ने कहा कि सरकार स्ट्रे-डॉग के लिए भी व्यापक स्तर पर योजना बनाएगी ताकि इनका भी उचित प्रबंध किया जा सके। उन्होंने कहा कि पशुओं के कल्याण एवं स्वास्थ्य उत्थान के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। विभाग की मांग अनुसार राशि मुहैया करवाई जाएगी। मंत्री ने डॉग-शो से पहले पेट हॉस्पिटल में पेट्स-ऑपथलमोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया। अब हॉस्पिटल में पेट्स में आंखों की विभिन्न समस्याओं के लिए ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

होगी। उन्होंने डॉग के लिए चलाए जा रहे एक्स-रे सेंटर एवं डॉग हॉस्टल का भी अवलोकन किया। सेक्टर-तीन पंचकूला के पैट एनिमल मेडिकल सेंटर में आयोजित डॉग-शो में विभाग के महानिदेशक डॉ.लाल चंद रंगा और डॉ. आरएन चौधरी लुवास हिसार सर्जरी, विभागाध्यक्ष विशेष अथिति के तौर पर रहे।

दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सवः राज्यपाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं है अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव है। आप यहां से डिग्री लेने के बाद नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने, दुनिया में आपकी पहचान बने ऐसा विश्वास बनाना है।

महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के खेल परिसर में आयोजित 19वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में एनआईटी, कुरुक्षेत्र के पास अकादमिक उत्कृष्टता, अत्याधुनिक शोध और समग्र विकास की एक शानदार विरासत है। पिछले कुछ वर्षों में, इस संस्थान ने देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को पोषित किया है, जिन्होंने भारत की तकनीकी, औद्योगिक और सामाजिक उन्नति में योगदान दिया है। हमारे स्नातकों के लिए, यह जीवन के एक अध्याय का अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत है। दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं हैं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव हैं। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि आप सभी विकसित भारत का संकल्प ले तथा

देश को आगे बढ़ाने में पूरा योगदान दे। उन्होंने संस्थान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को अपनाकर पाठ्यक्रम को नया रूप दिया है। तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए संस्थान ने मैथेमैटिक्स एंड कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटिलजेंसी, मशीन लर्निंग, इंडिस्ट्रल इंटरनेट आफ थिंगस, एनर्जी टक्नलोजी, माइक्रो इक्रोमिक्स एंड वीएलएसआई इंजनियरिंग, रोबटिक्स एंड ऑटोमेशन एंड आर्टिफिशियल इंटलिजेंशी एंड डाटा साइंस जैसे कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जो कि बेहद सराहनीय कदम है। इसके अलावा, संस्थान ने आर्किटेक्चर का एक नया विभाग स्थापित किया है और वर्तमान सत्र से आर्किटेक्चर में बीटेक भी शुरू किया गया है। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों का होना बहुत जरूरी है, जिसमें हिम्मत और विश्वास होता है उसे कोई भी व्यक्ति आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि आप किसी देश का एंबेसडर बने, ऊंचा पद ग्रहण करे ऐसी मेरी कामना है। कृतज्ञता विनम्रता की नींव है और विनम्रता सच्चे नेतृत्व की पहचान है।

संघ ने रखी स्वदेशी अभियान की आधारशिलाः स्वामी रामदेव

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित किए गए त्रिदिवसीय अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन विविभा-2024 के अंतिम दिन योग गुरु स्वामी रामदेव ने शोधार्थियों को योगाभ्यास करवाया। उन्होंने दैनिक जीवन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक में योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वामी रामदेव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि जो लोग स्वदेशी अभियान को प्रारंभ करने का श्रेय लेते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि स्वदेशी अभियान की आधारशिला संघ ने बहुत पहले रख दी थी। मुझे भी इस अभियान को आगे बढ़ाने का मौका मिला। युवा शोधार्थियों को सम्बोधित करते हुए भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने भारत केंद्रित शोध को प्रोत्साहित कर युवाओं में शोध कार्य के प्रति जागरुकता लाने के भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम के इस प्रयास की सराहना की। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति के निर्माण में भारतीय शिक्षण मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विकसित भारत की संकल्पना देश के प्रत्येक नागरिक की

प्राथमिकता होनी चाहिए। 15 नवंबर से 17 नवंबर तक आयोजित हुए इस कार्यक्रम में देश भर से आए 1200 शोधार्थियों को देशभर से आए विषय विशेषज्ञों से मुक्त चर्चा का अवसर मिला।समापन समारोह में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष सच्चिदानंद जोशी, एवं भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सुहास पेडनेकर ने भी अपने विचार रखे। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. आर. शंकरानंद ने विजन 2047 के लक्ष्य को मूर्त रूप में लाने के लिए युवाओं की प्रमुख भूमिका बताई। उन्होंने कहा आध्यात्मिक शक्ति की नींव पर भारत को विकसित बनाना है, तभी वह एक श्रेष्ठ भारत बन पाता है। युवा अपने पांच मूल कार्यों पर केंद्रित होकर पूर्ण समर्थन और समर्पण भाव से कार्य करें। हमारा पहला काम है अनुसंधान। एक विद्यालय की वेशभूषा या पोशाक किस रंग की होनी चाहिए यह भी एक शोध का विषय है जिस पर भी शोध की आवश्यकता है। इसीलिए शोध, शिक्षण मंडल का प्रमुख कार्य है। दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है पाठ्यक्रम निर्माण। तीसरा महत्वपूर्ण कार्य है प्रकाशन और चौथा है शिक्षण विधि। हमारा अंतिम और पांचवां कार्य है शिक्षक शिक्षा और हमारे सभी पांच कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधनों पर हो ज्यादा फोकसः वी. उमाशंकर

एजेंसी

गुरुग्राम। पर्यावरण को अनुकूल, सुरक्षित तरीके से अनुपयुक्त और प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए कैसे एक बेहतर तंत्र स्थापित किया जाए। वाहन स्क्रैपिंग के अनौपचारिक व्यापार को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) के अंतर्गत लाकर इसे एक लाभकारी व्यावसायिक इकाई के रूप में कैसे संचालित किया जाए। इसे लेकर भारत सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी.उमाशंकर ने गुरुग्राम में आरवीएसएफ संचालकों के साथ बैठक की सिविल लाइन्स स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित इस बैठक में वाहनों के मैन्युअल टेस्टिंग स्टेशनों को ऑटोमेटेड टैस्टिंग स्टेशन (एटीएस) की ओर शिफ्ट करने के में मौजूदा एटीएस संचालकों संग भी वैचारिक मंथन किया गया। बैठक में सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अपर

सचिव महमूद अहमद, हरियाणा के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (ट्रांसपोर्ट) नवदीप सिंह विर्क, एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर मनीता मलिक भी मौजूद रहे। सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने की तरफ आगे बढ़ रहा है तो यहां के मोबिलिटी से जुड़े सभी सेक्टर को भी इसी मिशन में जुटना होगा। अनफिट वाहनों से होने वाला प्रदूषण देश के विकास की राह में एक बड़ी बाधा है। ऐसे में यह जरूरी है कि आमजन में भी इसको लेकर व्यापक जागरुकता आए। वहीं रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी यह एक प्रमुख स्टार्टअप सेक्टर बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि इस इकोसिस्टम को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। वी.उमाशंकर ने इस दौरान आरवीएसएफ को एक ऑर्गनाइज बिजनेस की तरह चलाने में मौजूदा संचालकों दिक्कतों व निवारण को लेकर आरवीएसएफ संचालकों से सुझाव भी मांगे। सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि एंड ऑफ लाइफ व्हीकल (ईएलवी) के ओनर व आरवीएसएफ के बीच संचार का मजबूत तंत्र स्थापित करने के लिए और अधिक बेहतर प्रयास करने होंगे।

बैठक में हरियाणा के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (ट्रांसपोर्ट) नवदीप सिंह विर्क ने हरियाणा में एटीएस संचालन की योजना की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि हरियाणा सरकार सार्वजनिक भागीदारी से राज्य के प्रत्येक जिले में ऑटोमेटेड टैस्टिंग स्टेशन स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

आईएनआई-सीईटी में डॉ.अलका यादव को मिला 356वां रैंक

एजेंसी

नारनौल। नारनौल के गांव नीरपुर निवासी डॉ अलका यादव ने देश की कठिनतम परीक्षाओं में से एक 'इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेशनल इम्पोर्टेंस कंबाइंड एंट्रेंस टेस्ट' (आईएनआई-सीईटी) में आल इंडिया 356वां रैंक प्राप्त करके नाम रोशन किया है। डॉ अलका वरिष्ठ साहित्यकार रघुविन्द्र यादव और सामाजिक कार्यकर्ता शील यादव की बेटी है।डॉ.अलका ने बताया कि यह परीक्षा दिल्ली एम्स द्वारा 10 नवंबर को देशभर में आयोजित की गई थी और 16 नवम्बर को परिणाम घोषित किया गया है। इसमें देश-विदेश के 66 हजार से अधिक डॉक्टर्स ने भाग लिया। इस परीक्षा के आधार पर दिल्ली सहित सभी एम्स, पीजीआई चंडीगढ़, जिपमर पुडुचेरी और निमहंस बेंगलुरु जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में एमडी/एमएस के दाखिले किये जाते हैं। डॉ.अलका ने बताया कि उन्होंने किसी संस्थान में कोचिंग नहीं ली तथा घर पर ही रहकर ऑनलाइन तैयारी की थी। रघुविन्द्र यादव ने बताया

कि अलका बचपन से ही मेधावी है। वह एसवीएन स्कूल नीरपुर की टॉपर रही है और दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से गत वर्ष एमबीबीएस किया है। उसका लक्ष्य विशेषज्ञ डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना है।

प्रेम व भक्ति भाव से मानवता को समर्पित रहते हैं भक्तः सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

एजेंसी

सोनीपत। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि मानवीय गुणों, भक्ति और सर्वव्यापी परमात्मा की भक्ति में भक्त समर्पित हैं। भक्ति को जीवन के हर पहलू में शामिल कर प्रेम और सेवा के माध्यम से मानवता के कल्याण में योगदान दे रहे हैं। गन्नौर-समालखा हल्दाना बॉर्डर पर आयोजित तीन दिवसीय समागम में लाखों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शनिवार रात मंगलकारी प्रवचनों की रसधारा प्रवाहित करते हुए सतगुरु माता जी ने प्रेम, सेवा और भक्ति भाव को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। दोपहर में सेवादल रैली हुई इसमें हजारों सेवादल के भाई बहन शामिल हुए।

सतगुरु माता जी ने कहा कि परमात्मा सर्वव्यापी और अजर-अमर हैं। भक्ति और ब्रह्मज्ञान के माध्यम से इस शक्ति को महसूस करते हैं। उन्होंने भक्ति को अलग से समय देने के बजाय जीवन के हर पल में समर्पित करने की प्रेरणा दी। संतों के संग और ध्यान (सुमिरन) को आत्मा की गहराई से जोड़ना माध्यम है।

प्रेरक कहानी के माध्यम से सतगुरु माता जी ने बताया कि हर व्यक्ति, चाहे अपरिचित ही क्यों न हो,

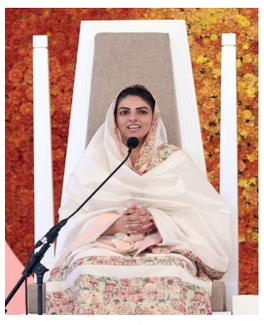

हमारे लिए पड़ोसी है। सेवा के कार्य केवल दायित्व नहीं, बल्कि प्रेमपूर्ण कर्तव्य का उदाहरण हैं। सतगुरु माता जी ने समुद्र की गहराई और शांति को सहनशीलता और विनम्रता का प्रतीक बताया। जैसे समुद्र सब कुछ समेट कर शांत रहता है, वैसे ही हमें अपने भीतर सहिष्णुता और विशालता विकसित करनी चाहिए। आयोजित सेवादल रैली में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि सेवा केवल कार्य नहीं, बल्कि यह जीवन का अनुशासन और संतुलन है। सेवादल की वर्दी को केवल बाहरी पहचान न मानें, भीतर के अहंकार को मिटाने और सेवा भाव को जागृत करना जानें सतगुरु माता जी ने कहा कि सेवा करते समय स्वार्थ या लालच नहीं होना चाहिए। चाहे लंगर सेवा हो, पार्किंग प्रबंधन, या सफाई कार्य, हर कार्य पूरी चेतना, सतर्कता और विनम्रता से किया जाना चाहिए। माता जी ने कहा कि सेवा, सिमरन और सत्संग का जज्बा समाज में अनुकरणीय योगदान देता है। सेवादल के सदस्य घर-परिवार और समाज के बीच सामंजस्य बनाकर आदर्श जीवन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इस समागम ने श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और आत्मचिंतन के माध्यम से जीवन को परमात्मा के प्रति समर्पित करने की प्रेरणा दी।

महिलाओं को 112 से जोड़कर उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाएगी पुलिस : सावन

एजेंसी

हिसार। महिलाओं को हरियाणा 112 से जोड़कर उनकी यात्रा को सुरक्षित करने के उद्देश्य से हरियाणा पुलिस ने ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा शुरू की है। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए महिलाओं को 112 पर कॉल करके वेब आधारित फॉर्म के माध्यम से अपनी यात्रा का पंजीकरण करवाना होगा। पुलिस अधीक्षक शंशाक कुमार सावन ने बताया कि पंजीकरण फॉर्म का लिंक आवेदक को एसएमएस के माध्यम से भेजा जाएगा। आवेदक को पंजीकरण फॉर्म में यात्रा विवरण के साथ साथ आपातकालीन नंबर भी भरना होगा।यात्री की निगरानी हरियाणा 112 द्वारा हर आधे घंटे के उपरांत आवेदक को कॉल करके की जाएगी। आपातकालीन स्थिति में आवश्यक सहायता के लिए निकटतम ईआरवी को भेजा जाएगा व यात्री द्वारा साझा किए गए आपातकालीन नंबर पर भी संपर्क किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि सफर करते समय युवतियां व महिलाएं टैक्सी व अन्य साधन में बैठते ही अपने घर पर अपने परिचितों से मोबाइल कॉल पर बात करती हैं लेकिन अब महिलाओं की ट्रिप को पुलिस भी मॉनिटर करेगी ताकि इस दौरान इनके साथ किसी भी प्रकार का कोई अपराध न हो। उन्होंने महिलाओं से अपील की

कि वे अपनी यात्रा के दौरान पुलिस द्वारा दी जा रही ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा का प्रयोग करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। महिला सुरक्षा को लेकर संवेदनशील स्थानों को हॉट स्पॉट चिन्हित किए गए है साथ ही हॉट रूट भी चिन्हित किए है। जहां पर लगातार पुलिस की गश्त और महिला पुलिस कर्मियों द्वारा निगरानी की जा रही है। पुलिस की महिला सुरक्षा समर्पित टीम महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति लगातार जागरूक कर रही है। साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भी निगरानी जारी है।

गुरुग्राम में 21 नवंबर को होगा राज्य स्तरीय सहकारिता दिवसः राजेश जोगपाल

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 21 नवंबर को गुरुग्राम के लेजर वैली मैदान में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय सहकारिता समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। इस समारोह में हरियाणा प्रांत के लगभग 10 हजार सहकार पुरुष व महिलाएं भाग लेंगी। समारोह की तैयारियों को लेकर हरियाणा सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल ने अधिकारियों के साथ लघु सचिवालय सभागार में मीटिंग की तथा प्रबंध व्यवस्था को लेकर उन्होंने दिशा-निर्देश दिए। रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल ने बताया कि सहकारिता क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में बड़े उत्साह के साथ सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसका समापन कार्यक्रम 21 नवंबर को लेजर वैली मैदान गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहेंगे। सहकारिता सप्ताह के समापन समारोह में राज्य के सभी जिलों से करीब 10 हजार सहकार, कॉपरेटिव सोसायटीज के प्रबंध

समिति सदस्य, कर्मचारी व अधिकारी आएंगे। सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लेजर वैली मैदान में इस आयोजन के लिए विशाल पंडाल लगाया जाएगा। समारोह में आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। वीआईपी पार्किंग को मंच के समीप बनाया जाए। रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल ने कहा कि सहकारिता समारोह में हरियाणा राज्य में सहकारिता क्षेत्र के विकास व योजनाओं को दर्शाती हुई शानदार प्रदर्शनी लगाई जाएगी। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति होगी। मंच के आसपास रंगोली व सुंदर गमले लगवाए जाएं। इस अवसर पर एडीसी हितेश कुमार मीणा, एसडीएम बादशाहपुर अंकित कुमार चौकसे, नगराधीश आदित्य विक्रम, रोहित यादव सहित सहकारिता विभाग के उच्च अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस झूठ का पुलिंदा: मोहन लाल बडौली

एजेंसी

सिरसा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली सिरसा पहुंचे और हिसार रोड स्थित पंजाब पैलेस में कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। इससे पूर्व उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। जिला अध्यक्ष शीशपाल के नेतृत्व में कार्यकताओं की बैठक संपन्न हुई। इस मोके पर ज़िला अध्यक्ष शीशपाल ने पगड़ी पहनाकर व गदा भेंट कर प्रदेशअध्यक्ष का स्वागत किया। मंच का संचालन ज़िला संयोजक यतिंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश की सभी विधानसभाओं का भ्रमण 100 दिनों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा हैं, जिसके माध्यम से लोगों को भाजपा से जुड़ने का मौका मिल रहा हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा हरियाणा में लगभग 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सिरसा ज़िला के अंदर लगभग 2 लाख पचास से ज़्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहला ऐसा संगठन है जो पारदर्शिता के साथ सदस्यता अभियान चला रहा है, लोग भी पारदर्शी तरीके से मिस कॉल कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर कदम पर तैयार रहती है। प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है और भाजपा के संख्यात्मक चुनाव को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य को गति देने के लिए मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश का भ्रमण कर रहे हैं इसी कड़ी में भी सिरसा भी पहुंचेंगे और विकास कार्य को गति देंगे।

प्रदेश में 24 हजार युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची नौकरी मिली हैं, ये अपने आप में बड़ी उपलब्धि हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के 16 जिलों का भ्रमण अब तक किया है और अन्य शेष जिलों का भी भ्रमण भी जल्द कर लेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने जितने भी वादे जनता के साथ किए हैं सभी को एक-एक कर पूरा किया जाएगा। इस मोके पर प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया, पूर्व राज्यपाल प्रोफ़ेसर गनेशी लाल,प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य, पूर्व ओएसड़ी जगदीश चोपड़ा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ज़िला संयोजक यतिंदर सिंह ,देव कुमार शर्मा कार्यकर्ता मोजूद रहे।

टमाटर के दाम एक महीने में 22 फीसदी घटे, फिर भी 52 रुपये किलो

नई दिल्ली। पूरे देश में आपूर्ति बढ़ने से खुदरा बाजार में टमाटर की कीमत एक महीने में 22.4 फीसदी घट गई है। 14 अक्तूबर को 67.50 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर अब 52.35 रुपये पर आ गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, एक माह में दिल्ली के आजादपुर मंडी में थोक भाव 50 फीसदी घटकर 2,969 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। 14 अक्तूबर को यह 5,883 रुपये था। महाराष्ट्र के पिंपलगांव, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की मंडियों में भी कीमतें गिरी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, हालांकि आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले और कर्नाटक के कोलार में प्रमुख टमाटर केंद्रों पर आवक कम हो गई है, लेकिन महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात से मौसमी आवक के कारण देश भर में आपूर्ति की कमी को पूरा करने के कारण कीमतें कम हो रही हैं। टमाटर उत्पादन चार फीसदी बढ़कर 213.20 लाख टन होने का अनुमान है। प्रमुख उत्पादक राज्यों में अक्तूबर और नवंबर मुख्य बुआई का समय है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कीमतों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से एक और प्याज एक्सप्रेस दिल्ली पहुंची है। नासिक से विशेष मालगाड़ी से करीब 1,341 टन प्याज दिल्ली पहुंचा है। इनको सीधे खेतों से निकटतम उपलब्ध रेलवे नेटवर्क तक ले जाया गया।

वर्क फ्रॉम होम के फायदे बहुत पर चुनौतियां भी कम नहीं

नई दिल्ली।घर से काम करने (डब्ल्यूएफएच) की प्रथा किराये की बचत, आने-जाने के तनाव को कम करने और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के मामले में फायदेमंद है, लेकिन यह प्रभावी संचार और टीम वर्क के मामले में नुकसान भी पहुंचाता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआ) और प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) की रिपोर्ट से पता चलता है कि वर्क फ्रॉम होम से काफी लाभ हुए हैं, लेकिन यह नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी पेश करता है। अध्ययन के अनुसार वर्क फ्रॉम होम से संगठनों और कर्मचारियों की लागत कमी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, वर्क फ्रॉम होम ने कर्मचारियों के आने-जाने के समय और लागत में बचत तो हुई ही है, उन्हें अधिक किफायती क्षेत्रों में रहने की सुविधा भी मिली है। रिपोर्ट में हालांकि वर्क फ्रॉम होम के नुकसान भी बताए गए हैं। इसके अनुसार भौतिक संपर्क के अभाव ने कर्मचारियों के बीच सहयोग में बाधा पैदा की है, जो विश्वास निर्माण और जटिल समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है। संगठनों के लिए, रिपोर्ट में कहा गया है कि रिमोट और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल ने ऑफिस के किराए की लागत और क्लाइंट मीटिंग से जुड़ी लागतों में थोड़ी बचत की है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारी के आने-जाने और रहने की लागत में कमी ने कर्मचारी मुआवजे की संरचनाओं में सीमित समायोजन को संभव किया है। ये लागत बचत सामूहिक रूप से नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को बेहतर वित्तीय स्थिति में लाती है। हालांकि अध्ययन ने यह चेतावनी भी दी है कि वर्क फ्रॉम हो किसी संगठन की संस्कृति को विकसित करने और बनाए रखने के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

निवेशकों को शेयर बाजार में घाटे के बाद बैंकों में बढ़ा जमा; 15 दिन में 2.35 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली।भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर के पहले पखवाड़े में बैंकों से 1.12 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह पैसे सीधे तौर पर इक्विटी बाजार में निवेश किए गए थे। अक्तूबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स करीब छह फीसदी टूट गया था। इससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ, जिससे वे सुरक्षित माने जाने वाले बैंक का सहारा लेने लगे। सितंबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 85,800 के पार अपने शीर्ष पर था। उस समय लगातार बाजार में निवेश आ रहा था। तब सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 478 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि सेंसेक्स के रिकॉर्ड से पहले अगस्त के अंतिम पखवाड़े में बैंकों का कुल जमा 215.50 लाख करोड़ रुपये था।आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के पहले पखवाड़े में जमा 45,000 करोड़ रुपये घटकर 215.05 लाख करोड़ रुपये रह गया। लेकिन जब सितंबर के अंत में बाजार में गिरावट शुरू हुई तो जमा और बढ़ गया। यह 4 अक्तूबर को 219 लाख करोड़ रुपये और 18 अक्तूबर को 218 लाख करोड़ रुपये रहा। अगस्त से लेकर 18 अक्तूबर तक बैंकों के कुल कर्ज में चार लाख करोड़ जबकि जमा में 5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

बोइंग ने 400 कर्मचारियों को भेजा छंटनी का नोटिस, लगातार हो रहे घाटे और हड़ताल के चलते लिया गया फैसला

न्यूयॉर्क । हवाई जहाज बनाने वाली कंपनी बोइंग के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। कंपनी ने अपने 400 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला लिया है। इन कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस भेजा है। माना जा रहा है कि कंपनी ने लगातार हो रहे घाटे और पिछले आठ सप्ताह से लगातार चल रही कर्मचारियों की हड़ताल के चलते यह फैसला लिया गया है। हालांकि कंपनी का कहना है कि जरूरत से ज्यादा कर्मचारियों की नियुक्ति के चलते छंटनी की जा रही है। बोइंग कंपनी ने अक्तूबर में एलान किया था कि वह अपने 10 प्रतिशत यानि 17 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी। मुख्य कार्यकारी केली ऑर्टबर्ग ने ईमेल के जरिये कहा था कि वैश्विक स्तर पर होने वाली इस छंटनी में हर स्तर के कर्मचारी, जिसमें एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और कर्मचारी सभी शामिल होंगे।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट, एचडीएफसी को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई उठापटक के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 कपनियों के मार्केट कैप में 1,65,180.04 करोड़ रुपये की कमी आ गई। इस दौरान निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 14,097.45 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। 11 से 14 नवंबर के बीच शेयर बाजार में हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी और एसबीआई के अलावा हिन्दुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में भी गिरावट आई। दूसरी ओर इंफोसिस और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर भाव में तेजी आने के कारण इनका

मार्केट कैप बढ़ गया। पिछले सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 46,729.51 करोड़ रुपये घट कर 12,94,025.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 34,984.51 करोड़ रुपये घट कर 7,17,584.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 27,830.91 करोड़ रुपये कम होकर 5,61,329.10 करोड़ रुपये के स्तर तक, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 22,057.77 करोड़ रुपये घट कर 17,15,498.91 करोड़ रुपये के स्तर तक, आईटीसी का मार्केट कैप 15,449.47 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,82,764.02 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 11,215.87 करोड़ रुपये घट कर 8,82,808.73 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 4,079.62 करोड़ रुपये घट कर 5,74,499.54 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,832.38 करोड़ रुपये घट कर 8,85,599.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, इंफोसिस का मार्केट कैप 13,681.37 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,73,962.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 416.08 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,00,113.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के मिश्रित रूख के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.55 प्रतिशत लुढ़ककर 66.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत उठकर 71.05 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, नवंबर में अभी तक 22,420 करोड़ निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली पिछले सप्ताह भी लगातार जारी रही। नवंबर के महीने में विदेशी निवेशक अभी तक स्टॉक मार्केट से 22,420 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन, डॉलर इंडेक्स में आई तेजी, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में हुई बढ़ोतरी और चीन में बढ़ रहे एलोकेशन की वजह से विदेशी निवेशक दुनिया के कई शेयर बाजारों की तरह भारतीय शेयर बाजार में भी बिकवाली करके अपना पैसा निकल रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार नवंबर के महीने में अभी तक विदेशी निवेशक लिवाली और बिकवाली को मिलाकर 22,420 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। इसके पहले अक्टूबर के महीने में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 94,017 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। अक्टूबर महीने में बिकवाली का ये आंकड़ा घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में विदेशी निवेशकों द्वारा किसी एक महीने में की गई बिकवाली का अभी तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके पहले मार्च 2020 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में एक महीने में 61,973 करोड़ रुपये की शुद्ध

बिकवाली की थी। अक्टूबर के पहले सितंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 9 महीने का सर्वोच्च स्तर था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रह सकती है। खासकर चीन द्वारा राहत पैकेज का ऐलान करने के बाद विदेशी निवेशक अपनी पूंजी बड़ी मात्रा में चीन के स्टॉक एक्सचेंज में शिफ्ट कर रहे हैं। इसके लिए वे भारत समेत दुनिया के कई स्टॉक एक्सचेंज में पिछले 1 महीने से लगातार बिकवाली करके पैसे की निकासी कर रहे हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। इसी तरह अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह से विशेष रूप से अमेरिकी निवेशक दुनिया भर के बाजारों से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। इसके साथ ही चीन के आकर्षक प्रस्ताव की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अपना पैसा भारतीय बाजार से निकाल कर चीन के स्टॉक मार्केट में लगा रहे हैं। इसकी वजह से चीन के स्टॉक मार्केट में तेजी आई है, जबकि भारतीय स्टॉक मार्केट पर दबाव बना गया है।

एसबीआई ने ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने को जागृति यात्रा से की भागीदारी

एजेंसी

मुंबई। देश के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्रामीण युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए जागृति यात्रा 2024 के साथ भागीदारी की है।एसबीआई ने बयान जारी कर बताया कि इस भागीदारी के तहत वह देश के टियर 2 और टियर तीन क्षेत्रों में 8000 किलोमीटर की 15-दिवसीय उद्यमशीलता यात्रा का समर्थन करेगा। इस भागीदारी के माध्यम से एसबीआई 500 युवा आकांक्षियों को उद्यमशीलता के रास्ते तलाशने, विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त करने और व्यवहारिक ज्ञान सीखने में संलग्न होने के अवसर बनाने में मदद कर रहा है। युवा उद्यमियों के विकास को बढ़ावा देकर एसबीआई का लक्ष्य 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को आगे बढ़ाना है।

एसबीआई देश भर में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के निरंतर प्रयास में प्रत्येक भारतीय को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता के साथ सशक्त बना रहा है। बैंक ने 152 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए हैं, जो कौशल विकास और ग्रामीण युवाओं को अपने स्वयं के सूक्ष्म उद्यम लगाने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन संस्थानों ने 11.5 लाख से अधिक लोगों को

State Bank of India

सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, जिनमें से 74 प्रतिशत ने स्वरोजगार के अवसर प्राप्त किए हैं।इसके अलावा 50 हजार करोड़ से अधिक के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ऋण पोर्टफोलियो के साथ एसबीआई ने एक करोड़ से अधिक महिला सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। बैंक ने वित्त वर्ष 24 के दौरान 49 हजार करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण और लगभग 1550 करोड़ पीएम एसवीए निधि ऋण वितरित किए हैं, जो पूरे भारत में स्थायी उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण को सक्षम करने में इसकी भूमिका को मजबूत करता है। एसबीआई के प्रबंध निदेशक राणा आशुतोष कुमार सिंह ने कहा, हम मानते हैं कि उद्यमिता एक आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत की आधारशिला है। जैसा कि हम 2047 तक विकसित भारत के विजन की दिशा में काम कर रहे हैं, युवा उद्यमियों को कौशल, संसाधन और अवसरों से सशक्त बनाना आवश्यक है, जिनकी उन्हें पूरे देश में नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यकता है। जागृति यात्रा के साथ हमारा जुड़ाव उद्यमियों की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जागृति यात्रा जैसी पहलों का समर्थन करके हमारा लक्ष्य एक संपन्न उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देना है, जो सभी के लिए सतत विकास और समृद्धि को बढ़ावा देता है।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में तेजी, दलहनों में गिरावट, चना दाल सस्ती, चावल में उठाव

नयी दिल्ली

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग बनी रही। खाद्य तेलों में तेजी हुई। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। तिलहन रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली से सोयाबीन बना रहा। दलहन मांग सुस्ती के साथ नरमी लिए बताएं गए। आज चना, मसूर सस्ती बिकी। दालों में उठाव सुस्त रहा इससे भाव मंदे बोले गए। चावल में कामकाज बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली रही। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ महंगा बिका। खोपरा गोला तथा हल्दी में मांग रही। साबूदाना पूछपरख बने रहने से मजबूती लिए रहा।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में मांग कमी से भाव में गिरावट दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। तिलहन में सोयाबीन में खरीदी घटने

से सौदे 50 रुपये कम पर हुए।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज सुस्ती लिए रहा। आज चना कांटा तथा मसूर में मांग घटी रही। दालों में मंदा दर्ज किया गया। चावल में पूछपरख बताई गई।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आकर्षण बना खादी पवेलियन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2024 (आईआईटीएफ-2024) का आगाज हो चुका है और विकसित भारत 2047 की थीम पर आयोजित इस मेले में खादी पवेलियन लोगों को खूब आर्षित कर रहा है। चौदह नवंबर से शुरू हुआ यह मेला 27 नवंबर तक चलेगा और इस बार खादी ग्रामोद्योग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान को बढ़ावा देने के लिए हॉल नंबर छह में 'केवीआईसी थीम पवेलिनय' स्थापित किया गया है। यह पवेलियन पूरे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में सबसे भव्य पवेलियन है। करीब 2000 स्क्वायर मीटर में पसरे इस पवेलियन में 644 स्क्वायर मीटर में थीम पवेलियन और सजीव प्रदर्शन के स्टॉल लगे हैं। खादी थीम पवेलियन में देसी चरखा, पेटी चरखा, विद्युत चालित कुम्हारी चॉक, कच्ची घानी तेल निकालने की प्रक्रिया, हथकरघा, वर्टिकल हथकरघा, हाथ कागज निर्माण, मंदिर में पूजा के लिए उपयोग किए हुए पुष्पों को री-साइकल कर बनाई गई अगरबत्ती- धूपबत्ती बनाने के सजीव प्रदर्शन आगंतुकों को लुभा रहे हैं। इस वर्ष खादी पवेलियन में 'नये भारत की नयी खादी' की विकास यात्रा, खादी का कल और आज, के साथ ही अमृत काल में नये भारत की नयी खादी के नये वस्त्र कैसे हैं, का चित्रण किया गया है। इस वर्ष खादी ग्रामोद्योग भवन, कनॉट प्लेस, नयी दिल्ली का स्टॉल इस पवेलियन में मुख्य आकर्षण का है, जो देश भर के कुशल कारीगरों द्वारा निर्मित खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का व्यापक प्रदर्शन प्रदान कर रहा है। यहां पर आपको 'मिनी इंडिया' के प्रमुख उत्पादों की झलक दिखई दे देगी। खादी पवेलियन स्टॉल क्रमांक-10डी पर कर्नाटक की खादी संस्था 'टीएनआर सिल्क खादी' द्वारा कर्नाटक की प्रसिद्ध मलबैरी और डुपीयन सिल्क के उत्पाद आगंतुकों को खूब भा रहे हैं। यहां आपको पांच हजार रुपये से लेकर 20 हजार रुपये तक सिल्क की साड़ी और उत्पाद मिल जाएंगे।

वहीं, स्टॉल सं- 11डी पर वाराणसी की लाल जी फूड्स इकाई के ग्रामोद्योग उत्पाद मिल जाएंगे। यहां पर कुल छह प्रकार का बनारसी गुड़ आप खरीद सकते है, जिसमें सादा गुड़, इलायची गुड़, अदरक (सौंठ) गुड़, तिल सौंठ गुड़, अलसी गुड़, नारियल-मूंगफली गुड़ उपलब्ध है, जो खगराज ब्रांड नेम से मशहूर है। स्टॉल सं- 15डी ज्योति ग्रामोद्योग संस्थान, सहारनपुर की स्फूर्ति इकाई द्वारा 16 प्रकार के शुद्ध शहद बेचे जा रहे हैं, जिनमें पहाड़ी, कश्मीरी, अकाशिया, अजवाइन, तुलसी, सूरजमुखी, बेर, यूक्लेप्टस आदि शामिल है। 500 से 800 रुपये प्रति लीटर की कीमत पर सभी प्रकार के शहद आप खरीद सकते हैं। स्टॉल सं- 11ए पर आपको फूलों से बनायी जाने वाली अगरबत्ती का लाइव अनुभव मिलेगा। स्टॉल सं- 45जे पर खादी को युवाओं के बीच अधिक फैशनेबल बनाने के लिए खादी पर ब्लॉक प्रिंटिंग से सुसज्जित विभिन्न प्रकार के वस्त्र आप खरीद सकते हैं। वहीं, स्टॉल सं- 46जी पर लकड़ी से निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बिक रही हैं। स्टॉल क्रमांक-27 एल पर महाराष्ट्र की फ़हाद खादी ग्रामोद्योग चमड़ा उद्योग के ट्रॉली बैग, लैपटॉप बैग, महिला हैन्ड बैग, इत्यादि शुद्ध चमड़े से निर्मित उत्पाद भी आगंतुकों को काफ़ी पसंद आ रहे हैं।

बढ़ती महंगाई के बीच यूजर ने सीतारमण से की मध्यम वर्ग को राहत देने की अपील

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया पर एक यूजर द्वारा मध्यम वर्ग को राहत देने के अनुरोध पर प्रतिक्रिया दी। यूजर के पोस्ट को साझा करते हुए सीतारमण ने कहा कि इनपुट मूल्यवान है और सरकार लोगों की आवाज सुनती है। देश में बढ़ती महंगाई के बीच सोशल मीडिया यूजर तुषार शर्मा ने कहा कि वह चुनौतियों को समझता है, लेकिन फिर भी वित्त मंत्री से हृर्दिक अनुरोध करता है कि वह मध्यम वर्ग को कुछ राहत देने पर विचार करें। निर्मला सीतारमण ने यूजर के इस पोस्ट की सराहना की। सोशल मीडिया यूजर तुषार शर्मा ने कहा, हम देश के लिए आपके प्रयासों और योगदानों की सराहना करते हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मध्यम वर्ग को कुछ राहत देने पर विचार करें।

सर्राफा बाजार में कमजोरी जारी, सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये से लेकर 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये से लेकर 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक

राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ दो दिनों में 32 फीसदी सब्सक्राइब, शेयर 21 नवंबर को होगा सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में सोमवार को निवेश का तीसरा और आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में यह इश्यू कुल 32 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। खुदरा कैटेगरी में यह 92 फीसदी, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क?यूआईबी) कैटगरी में 25 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) कैटगरी में चार फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। जिंका लॉजिस्टिक्स के आईपीओ का साइज 1114.72 करोड़ रुपये है। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म वाली कंपनी के आईपीओ में 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे। वहीं, मौजूदा शेयरहोल्डर्स और प्रमोटर्स की ओर से 2.16 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रहेगा। अपर प्राइस बैंड पर ओएफएस की वैल्यू लगभग 564.72 करोड़ रुपये होगी। कंपनी की योजना इस निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का

आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। जिंका लॉजिस्टिक्स नए इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा, जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी।

एपीएम गैस के आवंटन में कटौती से कंपनियों को झटका, बाजार खुलते ही ध्वस्त हुए शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल), इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और गुजरात गैल लिमिटेड (जीजीएल) जैसी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को एडमिनिस्टर्ड प्राइस मेकैनिज्म (एपीएम) के तहत दिए जाने वाले गैस के आवंटन में एक बार फिर कटौती करके बड़ा झटका दिया है। इस झटके की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज कारोबार की शुरुआत होते ही आईजीएल, एमजीएल और जीजीएल के शेयर जोरदार गिरावट का शिकार हो गए। आज इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) का शेयर 35.80 रुपये की गिरावट के साथ 370 रुपये के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में ही जोरदार बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर 324.70 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू होने की वजह से इसकी चाल में मामूली सुधार हुआ। पहले 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11ः15 बजे आईजीएल का शेयर 73.30 रुपये यानी 18.06 प्रतिशत टूट कर 332.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) का शेयर भी आज बाजार खुलते ही 237.40 रुपये टूट कर 1,075.25 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इस गिरावट के बाद शुरू हुई खरीदारी के कारण सुबह 11ः15 बजे ये शेयर 157.15 रुपये यानी 11.97 प्रतिशतकी गिरावट के साथ 1,155.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह गुजरात गैस लिमिटेड (जीजीएल) के शेयर ने भी आज बाजार खुलते ही जोरदार गोता लगाया। ये शेयर 9.95 रुपये की कमजोरी के साथ 476.05 रुपये के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर 43.50 रुपये की कमजोरी के साथ 442.50 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की स्थिति में सुधार आया। पहले 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11ः15 बजे जीजीएल का शेयर 30.50 रुपये यानी 6.28 प्रतिशत टूट कर 455.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के एपीएम गैस आवंटन में सरकार ने लगातार दूसरे महीने 20 प्रतिशत की कटौती कर दी है। इस कटौती के कारण इन कंपनियों के पास अब एपीएम के तहत कुल गैस उपलब्धता 40 से 45 प्रतिशत के बीच रह गई है। आज से 1 महीने पहले सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के पास एटीएम के तहत 65 से 70 प्रतिशत गैस की उपलब्धता होती थी।

एपीएम गैस में कटौती होने के कारण अब सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को अपने कस्टमर्स के बीच गैस की सप्लाई करने के लिए आयातित एलएनजी, एचजीपीएचटी और नए फील्ड गैस जैसे स्रोतों का इस्तेमाल करना होगा, जिससे इन कंपनियों की लागत तुलनात्मक तौर पर काफी बढ़ जाएगी। एडमिनिस्टर्ड प्राइस मेकैनिज्म के तहत दी जाने वाली गैस में कमी हो जाने के कारण अब सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूटर कंपनियों को करीब 50 प्रतिशत कच्चे माल (रॉ गैस) की खरीदारी ओपन मार्केट से ऊंची कीमत पर करनी होगी।

जानकारों का कहना है कि एपीएम के तहत दी जाने वाली गैस के आवंटन में कटौती करने के कारण अब सीएनजी और पीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी होने की भी संभावना बन गई है। बताया जा रहा है कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को बढ़ी हुई लागत के कारण होने वाले नुकसान से बचने के लिए सीएनजी और पीएनजी की कीमत में करीब 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

किचन में मौजूद ये 5 मसाले असली हैं या नकली, पांच सेकेंड में ऐसे करें इनकी अशुद्धता की परख, सिंपल हैं ये ट्रिक्स

हर दिन खाना बनाते समय हल्दी, मिर्च पाउडर, जीरा, काली मिर्च, हींग आदि मसालों का लोग खूब इस्तेमाल करते हैं. मार्केट में अब तो डिब्बा बंद और खुले मसाले भी मिलते हैं. इनमें कौन असली है और कौन नकली, ये पहचान पाना मुश्किल हो जाता है. आपको 5 मसालों के बारे में बता रहे हैं, जिनके शुद्ध-अशुद्ध होने की पहचान आप घर बैठे कुछ सेकेंड में ही कर सकते हैं.

= आप हर दिन खाना बनाने के लिए तरह-तरह के मसाले इस्तेमाल करते होंगे. हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, धनिया, जीरा, काली मिर्च पाउडर आदि. आजकल मार्केट में सारे साबुत मसालों के साथ ही इनके पाउडर मसाले भी अलग-अलग ब्रांड और पैकेट में पैक मिलते हैं. कुछ लोग आज भी साबुत मसाले खरीद का मिक्सी में पाउडर बनाकर इस्तेमाल करते हैं तो कुछ लोग बने-बनाए पाउडर वाले मसाले ही लाते हैं. अब तो मार्केट में खुले हुए पाउडर मसाले भी मिलने लगे हैं. ऐसे में कौन असली-नकली है, किस मसाले को डालने से खाने में स्वाद आएगा, ये समझ नहीं आता है. गलती से भी मिलावटी मसाले ले लिए तो सेहत पर भी खराब असर होगा. ऐसे में आप अगर मार्केट से पाउडर मसाला लाते भी हैं तो घर पर उनकी असली-नकली पहचान करने का ये तरीका ट्राई करके जरूर देखें.

असली-नकली मसालों में कैसे करें फर्क

1.लाल मिर्च पाउडर- इसका इस्तेमाल लोग खूब करते हैं. खासकर वे लोग जिन्हें सब्जी, नॉनवेज आइटम तीखा खाना पसंद होता है. आप मार्केट से शुद्ध और असली लाल मिर्च पाउडर लाए हैं, इसे पहचानने के लिए आप एक घरेलू ट्रिक ट्राई करके देखिए. असली मिर्च पाउडर को पानी पर डाल कर देखें. यह शुद्ध और असली होगा तो पहले पानी पर तैरेगा, फिर धीरे-धीरे नीचे बैठ जाएगा. वहीं, नकली मिर्च पाउडर होगा तो वह पानी में डालते ही नीचे आ जाएगा.

2.हल्दी पाउडर- आप दाल, सब्जी में जो हल्दी पाउडर डालते हैं, वो असली है या नकली, इसे जानने के लिए थोड़ी हल्दी पहले पानी पर डालें. वह पहले तैरेगी, फिर धीरे-धीरे पानी में नीचे आएगी और हल्का पीला रंग देगी. इस बीच मिलावटी हल्दी सीधे नीचे आएगी और पानी को सूरजमुखी जैसा पीला रंग देगी.

3.साबुत जीरा- अगर आप जीरे को अपने हाथों में रगड़ेंगे तो जीरा साफ हो जाएगा और आपके हाथ गंदे नहीं होंगे. अगर जीरा काला अवशेष छोड़ता है तो यह मिलावटी है. बेहतर है कि अच्छी क्वालिटी का जीरा खरीदें.

4.काली मिर्च- नॉनवेज आइटम में काली मिर्च पाउडर के साथ ही साबुत काली मिर्च भी लोग खूब डालते हैं. काली मिर्च असली है या नकली, इसकी पहचान करने के लिए आप कुछ दाने पानी में डालें. असली काली मिर्च नीचे बैठ जाएगी और मिलावटी काली मिर्च पानी पर तैरती रहेगी. अशुद्ध और मिलावटी काली मिर्च खाने के कई नुकसान हो सकते हैं, इसलिए बेहतर है इसे फेक दें.

5. हींग- हींग का तड़का लोग दाल में खूब लगाते हैं. असली और नकली हींग में फर्क जरूर कर लें. असली हींग आसानी से जल जाएगी और अगर न जले तो इसमें किशमिश मिला दें. यदि आप चाहते हैं कि आप और आपके परिवार के सदस्यों की सेहत अच्छी बनी रहे तो आप असली-नकली मसालों में फर्क करके देखें और सही साबित हों तो इन टिप्स एंड ट्रिक्स को अपने दोस्तों, रिश्तेदारों, घर-परिवार को भी जरूर बताएं.

स्वाद और पौष्टिकता में बेजोड़ है बारहनाजा

बारहनाजा की फसलों से प्रकृति को बिना नुकसान पहुचाएं पैदावार बढ़ाई जा सकती है, जो पर्यावरण व मित्र जीवों की रक्षा की जा सकती है, पशुपालन व कृषि का समन्वय किया जा सकता है, इसमें खेती का खर्च न्यूनतम है। इसके साथ पर्यावरण रक्षा करते हुए उत्पादन वृद्धि को टिकाऊ रूप दिया जाता है। गांवों में स्थायी, टिकाऊ खेती से आजीविका व भोजन सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही दीर्घकालीन दृष्टि रखकर मिट्टी, पानी का संरक्षण भी किया जा सकता है।देसी बीज बचाने की देश भर में कई पहल हो रही हैं। इनमें से एक पहल की शुरूआत उत्तराखंड में हुई थी। कुछ वर्ष पहले मैं उत्तराखंड गया था। वहां विजय जड़धारी के जड़धार गांव गया था, जहां वे न केवल बारहनाजा नामक पारंपरिक मिश्रित खेती करते हैं, बल्कि उसका प्रचार-प्रसार भी करते हैं। वे बीज बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता हैं, जो देश-दुनिया में इसे फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। आज इस कॉलम में इस पहल के बारे में बताना उचित होगा, जिससे देसी बीजों की खेती को समग्रता से समझा जा सके।मैं विजय जड़धारी के गांव गया हूं, और अलग-अलग जगहों पर कई बार मिला हूं। वे खुद किसान हैं, लेखक हैं और एक जमाने में चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रह चुके हैं। उन्हें कई सम्मान व पुरस्कार मिल चुके हैं।वे टिहरी-गढ़वाल जिले के जड़धार गांव में रहते हैं। इसी गांव के नाम को उन्होंने अपने नाम के साथ जोड़ लिया है, वे विजय जड़धारी के नाम से जाने जाते हैं। वे जहां भी जाते हैं, अपने गांव की पहचान लेकर जाते हैं।वे अपने खेत में बारहनाजा पद्धति से फसलें उगाते हैं। यह पारंपरिक मिश्रित खेती की पद्धति है। बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है,पर इसके अंतर्गत बारह अनाज ही नहीं बल्कि दलहन, तिलहन, शाक-भाजी, मसाले व रेशा शामिल हैं। इसमें 20-22 प्रकार के अनाज होते हैं।

इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि।

विजय जड़धारी बताते हैं कि मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है।जड़धारी जी बताते हैं कि शुरूआत में हमें देसी बीज ढूंढने में दिक्कतें आईं। दूर-दूर के गांवों में जाकर देसी बीज एकत्र किए। चूंकि खेती का अधिकांश काम महिलाएं करती हैं, इसलिए उन्हें इस काम से जोड़ा। इस पूरे आंदोलन में महिलाओं को प्राथमिकता दी। कई तरह के देसी बीजों का आज संग्रह है।वे आगे बताते हैं कि बारहनाजा मिश्रित फसल पद्धति है, जिसमें खरीफ की फसलें होती हैं। इस पद्धति में मिट्टी के साथ रिश्ता है। मंडुवा, रामदाना, कुट्टू ज्यादा ताकत लेते हैं। इसलिए दलहन की फसलें लगाई जाती है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने का काम करती हैं। दालों से नत्रजन मिलता है। यह सब किसानों ने अपने अनुभव से सीखा है।

इसकी फसलें अलग-अलग होते हुए भी एक दूसरे की सहायक हैं। रामदाना, मंडुवा, ज्वार ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। बेल वाली दालें उससे लिपट जाती हैं। एक दूसरे को सहारा देती हैं। नियंत्रित करती हैं और उन्हें बढ़ाने में सहायक होती है।जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा की फसलें मई-जून में बोई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में उनकी कटाई हो जाती है। 4 महीने खेत खाली रहते हैं। यानी इस बीच खेतों की छुट्टी होती है, इससे खरपतवार का नियंत्रण होती है, मिट्टी फिर से उपजाऊ बनती है, यह जांचा परखा तरीका है।वे कहते हैं अब हमारे भोजन से विविधता गायब है। चावल और गेहूं में ही भोजन सिमट गया है। जबकि पहले बहुत अनाज होते थे। उन्होंने कहा भोजन पकाने के लिए चूल्हा कैसा होना चाहिए, पकाने के बर्तन कैसे होने चाहिए, यह भी गांव वाले तय करते हैं। उन्होंने पूछा क्या किसी कांदा (कंद) को गैस में भूना जा सकता है।यह खेती बिना लागत वाली है। बीज खुद किसानों का होता है, जिसे वे घर के बिजुड़े (पारंपरिक भंडार) से ले लेते हैं और पशुओं व फसलों के अवशेष से जैविक खाद मिल जाती है, जिसे वे अपने खेतों में डाल देते हैं। परिवार के सदस्यों की मेहनत से फसलों की बुआई, निंदाई-गुड़ाई, देखरेख व कटाई सब हो जाती हैं। इसके अलावा निंदाई-गुड़ाई के लिए कुदाल, दरांती, गैंती, फावड़ा आदि की लकड़ी भी पास के जंगल से मिल जाती है। गांव के लोग ही खेती के औजार बनाते थे।जड़धारी जी कहते हैं कि हमारी खेती समावेशी खेती है। उससे मनुष्य का भोजन भी मिलता है और पशुओं का भी। वे पालतू पशुओं को पशुधन कहते हैं। यह किसानी की रीढ़ है। लम्बे ठंडल वाली फसलों से जो भूसा तैयार होता था उसे पशुओं को खिलाया जाता था और जंगल में भी चारा बहुतायत में मिलता था। और पशुओं के गोबर व मूत्र से जैव खाद तैयार होती थी जिससे जमीन उपजाऊ बनी रहती थी। बारहनाजा की फसलों से पशुओं को भी पौष्टिक चारा निरंतर मिलते रहता था।बारहनाजा के बीज सभी किसान रखते हैं। खाज खाणु अर बीज धरनु (खाने वाला अनाज खाओ किन्तु बीज जरूर रखो)। बिना बीज के अगली फसल नहीं होगी। बीजों को सुरक्षित रखने के लिए तोमड़ी (लौकी की तरह ही) का इस्तेमाल किया जाता था।जलवायु परिवर्तन हो रहा है, यह असलियत है। लेकिन बारहनाजा में इसका मुकाबला करने की क्षमता बारहनाजा में है, ऐसा अनुभव रहा है। जैसे अगर ज्यादा बारिश होती है, सूखा होता है या जंगली जानवर का आक्रमण होता है

तो अगर कुछ फसलों का नुकसान होता है तो उसकी पूर्ति दूसरी फसलों से हो जाती है।उन्होंने बताया कि जंगली भालू मंडुवा को बहुत पसंद करता है और खाता है पर दूसरी फसलों को नहीं खाता। इसी प्रकार बंदर चौलाई को नहीं छेड़ते यानी नहीं खाते। बारहनाजा जैसी मिश्रित पद्धतियों का फायदा यह है कि किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में किसान को कुछ न कुछ मिल जाता है। जबकि एकल फसलों में पूरी की पूरी फसल का नुकसान हो जाता है और किसान के हाथ कुछ नहीं लगता है।इसके अलावा, अब किसानों को बारहनाजा की फसलों से अच्छी आमदनी भी हो रही है। चिकित्सक, कई बीमारियों के लिए मंडुवा व सांवा खाने की सलाह देते हैं। इससे इनके दाम बाजार से ज्यादा भी मिलते हैं। रामदाना तो सबसे अच्छा पहाड़ का ही होता है, इस कारण बाजार में इसके अच्छे दाम मिलते हैं। सरकारें भी इस ओर ध्यान दे रही हैं।यानी बारहनाजा की फसलों से प्रकृति को बिना नुकसान पहुचाएं पैदावार बढ़ाई जा सकती है, जो पर्यावरण व मित्र जीवों की रक्षा की जा सकती है, पशुपालन व कृषि का समन्वय किया जा सकता है, इसमें खेती का खर्च न्यूनतम है। इसके साथ पर्यावरण रक्षा करते हुए उत्पादन वृद्धि को टिकाऊ रूप दिया जाता है। गांवों में स्थायी, टिकाऊ खेती से आजीविका व भोजन सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही दीर्घकालीन दृष्टि रखकर मिट्टी, पानी का संरक्षण भी किया जा सकता है।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि बारहनाजा जैसी पद्धतियां सूखा में भी उपयोगी हैं और उसमें खाद्य सुरक्षा संभव है। इसलिए बारहनाजा जैसी कई और मिश्रित पद्धतियां हैं, जो अलग-अलग जगह अलग-अलग नाम से प्रचलित हैं। छत्तीसगढ़ में उतेरा पद्धति है, जो बारिश की नमी में ही हो जाती है। इस पद्धति में जब धान कटाई के पहले ही तिवड़ा, चना आदि की फसलें बोई जाती हैं। मध्यप्रदेश में भी मिलवां (मिश्रित) फसलों की परंपरा है। यहां गेहूं और चना दोनों को एक ही खेत में बोते थे, इसे बिर्रा कहते थे। इसी प्रकार, कई और स्थानों पर मिश्रित खेती की परंपरा है। इसमें देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान का भी संरक्षण होता है। ये सभी स्थानीय हवा,पानी, मिट्टी और जलवायु के अनुकूल हैं। ऐसी स्वावलंबी पद्धतियों को अपनाने की जरूरत है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ने को तैयार है?

संपादकीय

बुलडोजर पर न्याय का हथौड़ा

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है।

इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन-प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है।

अदालतों के निर्देश भी नहीं सुधार सके नदियों की सेहत

हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है। इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है। भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के कारण इस हालत से निपटने के लिए सरकारी प्रयास विफल साबित हुए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चुंकि जुर्माना नेता-अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन-प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है।

इसे भी पढ़ें- गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी कभी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण थी। अब प्रदूषण के कहर से जूझ रही है। आंकड़े बताते हैं कि यमुना का प्रदूषण स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। छठ जैसे पर्व पर महिलाओं को इस नदी पर स्नान करने से रोक लगाई गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में खतरनाक बैक्टीरिया और प्रदूषकों का स्तर मानक सीमा से कई गुना अधिक पाया गया है। दिल्ली में यमुना के प्रमुख हिस्सों में पानी की गुणवत्ता, बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और अन्य प्रदूषक तत्वों के कारण न केवल पीने के योग्य नहीं है। यमुना में प्रतिदिन लगभग 3,000 मिलियन गैलन से अधिक सीवेज प्रवाहित होता है। यह बिना किसी सफाई प्रक्रिया के सीधे नदी में जा रहा है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ यानी एक अरब रुपये और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया थ। इसी तरह बिहार सरकार में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा नहीं कर पाने को लेकर राज्य सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 नवंबर, 2023 को एनजीटी के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट (एसओई) रिपोर्ट 2023 में यह खुलासा किया कि देश के 30 राज्यों में कुल 279 (46 फीसदी) नदियां प्रदूषित हैं, हालांकि, 2018 के मुकाबले मामूली सुधार 2022 में देखा गया है। 2018 में 31 राज्यों में 323 नदियां प्रदूषित थीं। एसओई रिपोर्ट के मुताबिक देश की 279 अथवा 46 फीसदी प्रदूषित नदियों में सर्वाधिक प्रदूषित नदियां महाराष्ट्र (55) में हैं जबकि इसके बाद मध्य प्रदेश में 19 नदियां प्रदूषित हैं वहीं, बिहार में 18 और केरल में18 नदियां प्रदूषित हैं। उत्तर प्रदेश में 17 और कर्नाटक में 17 नदियां जबकि राजस्थान में 14 और गुजरात में 13, मणिपुर में 13, पश्चिम बंगाल में 13 नदियां प्रदूषित हैं। देश की सर्वाधिक पवित्र नदी गंगा के जल को घरों में रखा जाता था। अब हालत यह है कि गंगा नदी दो साल में 10 गुना मैली चुकी है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 जगहों से गंगा जल की जांच की गई। नदी के पानी में प्रदुषण का बुरा हाल देखने को मिला। प्लास्टिक की थैलियों, दूध की पॉलीथीन, नदी के किनारे शवों का जलाना, गंगा नदी को लगातार प्रदूषित कर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 स्थानों पर गंगा जल की जांच में यह भयावह तस्वीर सामने आई थी।

13 फरवरी 2023 को केंद्रीय जल शक्ति (जल संसाधन) राज्य मंत्री विश्वेश्वर टुडू ने संसद को बताया था कि नमामि गंगे कार्यक्रम गंगा नदी में प्रदूषण को कम करने में कारगर रही है। उन्होंने कहा था कि 2014 से केंद्र ने नदी की सफाई के लिए 32,912.40 करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गंगा नदी के पूरे भाग के 71 प्रतिशत क्षेत्र में कोलीफॉर्म के खतरनाक स्तर पाए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2022 की रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में कोलीफॉर्म का स्तर सात स्टेशनों पर सबसे ज्यादा था। एनजीटी ने राज्यों से सीवेज ट्रिटमेंट पर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। इसी की पालना में दिसंबर 2022 में उत्तर प्रदेश ने अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें स्वीकार किया गया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में मिलने वाले 1,340 नालों में से 895 (66.8 प्रतिशत) बिना किसी सिवेज ट्रिटमेंट के सीधा गंगा को दुषित कर रहे हैं। वर्तमान में भी हालात में ज्यादा सुधार नहीं है। वर्ष 2018-2019 में गंगा द्वारा ले जाए गए प्लास्टिक कचरे की का आकलन किया गया। नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी के गंगा नदी अभियान में ये पाया गया कि गंगा नदी का प्लास्टिक का कचरा बड़े पैमाने पर सुमद्र में मिल रहा है।

एक नए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया के कुल प्लास्टिक कचरे का लगभग 20 प्रतिशत भारत में पैदा होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल देश में लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जिसमें से 90 प्रतिशत नगर निगमों से आता है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर 50,000 से अधिक नगर पालिकाओं में प्लास्टिक कचरे पर नजर रखने के लिए उन्नत एआई मॉडल का इस्तेमाल किया गया। प्रकृति का सबसे बड़ा खजाना नदियों को शुद्ध रखने के प्रयासों की कमजोर हालत के कारण वे दिन दूर नहीं जब देश में जल संकट और गहरा होगा। शासन-प्रशासन और अदालतों ने शीघ्र इस दिशा में ध्यान नहीं दिया तो कृषि के लिए तो दूर पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ेगा।

ब्रोकली की खेती कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढ़वार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भांति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
बेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढ़वार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढ़ायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढ़वार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेक्टीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।

नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।

कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।

नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।

पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।

बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पु: 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ और ढ़ढ़, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतु में उपयक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बावजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

जानकारी

गर्भावस्था के दौरान इन 5 खतरों से रहें सावधान

गर्भावस्था के नौ महीने महिलाओं के लिए बड़े उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, इस दौरान महिलाओं को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तनाव, वजन बढ़ना, सिर में दर्द होना, मॉर्निंग सिकनेस, भूख न लगना, अनिद्रा जैसी कई परेशानी से माहिलाओं का सामना होता है। लेकिन इन सामान्य समस्याओं के साथ गर्भावस्था के इन नौ महीनों में कुछ खतरे भी होते हैं जिनके बारे में गर्भवती महिला को जानना बहुत जरूरी है, जिससे वह गर्भपात की संभावना को रोक सके। विस्तार से जानें खतरों के बारे में।

गर्भावस्था के खतरों को पहचानें

- यह जरूरी है कि गर्भावस्था के साथ ही आप गर्भावस्था के खतरों को पहचान लें।

हालांकि चिकित्सक आपको कुछ संकेत बता देंगे जिससे कि आप गर्भावस्था के खतरों को पहचान सकेंगे और इन स्थितियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

- लेकिन एक सवाल जो कि हर गर्भवती महिला करती है वो यह है कि तत्काल चिकित्सा के लक्षण और डाक्टर से मिलने तक की प्रत्याशा को अलग कैसे किया जाए। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि कुछ ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।
- गर्भ के तीसरे महीने के दौरान असहनीय सरदर्द, कभी-कभी आंखों से साफ न दिखना, पेट में सूजन और आंतों में दर्द।
- इस प्रकार के लक्षण ब्लड प्रेशर के बने से या यूरीन में प्रोटीन की अधिक मात्रा से हो सकते हैं और यह लक्षण अक्सर गर्भावस्था के 20वें हफ्ते में होती है।

फीटल किक पर ध्यान दें

- विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि अगर बच्चा गर्भ में अधिक घूम नहीं रहा है तो इसका अर्थ है कि उसे प्लेसेन्टा से पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन नहीं मिल रहा है।
- फीटल किक को गिनकर भी आप बच्चे की गति का अंदाज लगा सकते हैं, लेकिन ऐसी कोई निश्चित गिनती नहीं है कि बच्चे को कितनी फीटल किक करना चाहिए। मोटे तौर पर आपको सिर्फ बच्चे की गति पर ध्यान देना चाहए। बच्चे की गति में किसी अजीब परिवर्तन की स्थिति में चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी हो जाता है।

गर्भावस्था में अधिक पानी आना

- कभी-कभी ऐसा एहसास होता है जैसे यूरीन की जगह पानी आ रहा है, लेकिन यह सिर्फ यूटेरस के सूजे होने और ब्लैडर के भारीपन से होता है। वास्तव में यह अलग-अलग स्थितियों पर निर्भर करता है। कभी-कभी यह भाप की तरह निकलता है।

फ्लू के सामान्य लक्षण
डायरिया, गले में दर्द ,सर्दी खांसी ,और सर्दी, कमजोरी, नाक का बहना, उल्टियां आना

- अगर पानी अधिक समय तक निकलता है तो शायद आपकी पानी की थैली फट गई और ऐसे में आपको तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।
- गर्भावस्था के दौरान अधिक उल्टियों का ऐसा आना कि आप कोई भी काम ना कर सकें खतरनाक हो सकता है । आप कुपोषण के शिकार हो सकते हैं। इससे आगे चल कर पानी कि कमी हो सकती है और बच्चे के जन्म के दौरान परेशानियां भी हो सकती हैं।

गर्भावस्था में फ्लू के संकेत

- ऐसा माना गया है कि प्रेग्नेंट महिलाओं में फ्लू का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में अधिक रहता है। इसका सामान्य कारण है प्रेग्नेंसी से शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाती है। ऐसे में फ्लू से होने वाली परेशानियां भी ब जाती हैं।

गर्भावस्था में रक्त की कमी

विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान खून अलग-अलग समय पर अलग परिभाषा देता है। अगर आपको मासिक धर्म के समय दर्द होता है या पेट में बहुत तेज दर्द होता है तो यह अस्थानिक गर्भावस्था (ऑक्टोपिक) के लक्षण हो सकते हैं। इस तरह का गर्भ तब होता है जब अण्डे यूटरस के बाहर निषेचित हो जाते हैं और इससे शुरुआत के 3 महीनों के दौरान सुस्ती का अनुभव होता है। अगर आप बहुत ही असहज महसूस कर रहे हैं तो ऐसे में अपनी आंतरिक भावनाओं को समझें और अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें।

खुद में खोए रहना और दूसरों को नजरअंदाज करना है

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर

आपका बच्चा अगर अपने बेडरूम और स्टडी में ज्यादा समय बिताने लगा है और लोगों से मिलने-जुलने से दूर भागता है, तो उसे 'अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर' हो सकता है। इस डिसऑजर के कारण बच्चे लगातार अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों और ज्यादा दोस्त बनाने से बचते हैं। अक्सर लोग ऐसे बच्चों को पहले शर्मीला समझते थे और सोचते थी कि ऐसे बच्चे ज्यादा बात करना नहीं पसंद करते। पर ऐसा न हो कि आप अपने बच्चे को लेकर यही सोचते रहें और उसमें अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर बढ़ता चला जाए। 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में किए गए चार सामान्य जनसंख्या अध्ययन ने पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के लिए विशिष्ट मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग किया था और तब लगभग 5 प्रतिशत लोगों में ही पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के कुछ लक्षण पाए गए थे। पर अब इस तरह के पर्सनैलिटी डिसऑर्डर भारत में 13.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। अब ऐसे में जरूरी है कि हम अपने बच्चों के स्वभाव पर हमेशा गौर करें और ध्यान देते रहें।

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर कितना आम है?

यह अनुमान है कि भारत में लगभग 2.5 प्रतिशत लोगों को अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर है। यह पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से प्रभावित करता है पर अब ये बच्चों में बड़ी तेजी से फैल रहा है। यह आमतौर पर बचपन में ही शुरू होता है, जो बड़े होने के साथ बढ़ता ही जाता है। 18 वर्ष की आयु से कम उम्र के बच्चों में ये बीमारी अब गंभीर रूप ले रही है। डॉ. प्रखर सिंह की मानें तो अभी तक इस डिसऑर्डर सटीक कारण पता नहीं चला है। हालांकि, यह माना जाता है कि आनुवांशिकी, पर्यावरण और उनका बचपन कैसा बीता है, इन सभी कारकों पर इस पर असर पड़ सकता है।

अवॉइडेंट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के लक्षण क्या हैं?

इस विकार वाले लोगों के लिए, अस्वीकृति का डर इतना मजबूत है कि वे रिश्ते में जोखिम को अस्वीकार करने के बजाय अलगाव का चयन करते हैं। इस विकार वाले लोगों में व्यवहार का पैटर्न भिन्न हो सकता है। अपमान और अस्वीकृति के उनके डर के अलावा, इस विकार वाले लोगों के अन्य सामान्य लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं।

- बचपन से अकेले रहना या मां-बाप का उनपर कम ध्यान देना भी बच्चों को इस डिसऑर्डर का शिकार बनाता है।
- वे आलोचनात्मक या अस्वीकृति से आसानी से आहत होते हैं।
- करीबी दोस्त और कुछ परिवार वालों के अलावा सबसे अलग हो कर रहना।
- नए लोगों व रिश्तेदारों से घबराना।
- लोगों से मिलने में अत्यधिक चिंता (घबराहट) और सामाजिक सिटिंग्स में भय का अनुभव करना।
- सामाजिक स्थितियों में शर्मीले, अजीब व आत्म-जागरूक होना।
- नया करने या चांस लेने से डरना।
- एपीडी का इलाज क्या है?
- एपीडी के इलाज के लिए, आप उपचार के निम्नलिखित तरीकों का विकल्प चुन सकते हैं।

मनोचिकित्सा: संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी एपीडी के लिए एक उपचार विकल्प है, जिसमें डॉक्टर इस बात पर विचार करते हैं कि किसी की सोच पैटर्न और विचार प्रक्रिया को कैसे बदला जाए, इस प्रकार बच्चे के कार्यों व सोच को प्रभावित किया जा सकता है।

साइकोडायनामिक मनोचिकित्सा: साइकोडायनामिक थेरेपी में आपके अचेतन विचारों से अवगत कराना शामिल है। यह आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि आपके अतीत के अनुभव आपके व्यवहार को कैसे तय करते हैं। आपके पिछले भावनात्मक दर्द इस तकनीक से हल किए जा सकते हैं ताकि आप अपने जीवन को आगे बढ़ा सकें। इसमें मां-बाप, भाई-बहन, दोस्त और अन्य परिवार वालों की मदद ली जाती है।

दवाएं: अवसाद और चिंता के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एंटी-डिप्रेसेंट दवाएं एपीडी के इलाज के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।

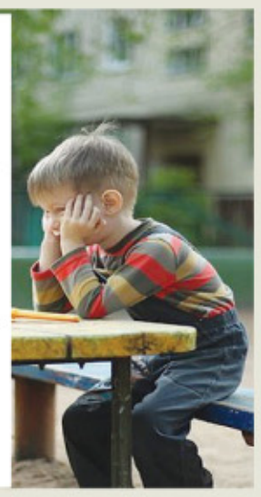

सेहत

सीने में जकड़न या छाती में दर्द 'सिवियर अस्थमा' के हैं लक्षण

अस्थमा एक पुरानी फेफड़े की स्थिति है जिसमें वायुमार्ग में सूजन हो जाती है या सांस लेने में कठिनाई होती है। पांच से दस प्रतिशत अस्थमा रोगियों में गंभीर अस्थमा का निदान किया जाता है। कुछ लोग अस्थमा और सिवियर अस्थमा को एक ही समझते हैं, जबकि इन दोनों में थोड़ा अंतर है। डॉक्टर सतीश कौल के मुताबिक, अस्थमा और सिवियर अस्थमा के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर सूजन की प्रकृति है, जो मुख्य रूप से अस्थमा में ईसिनोफिलिक और सीडी 4-संचालित है, और गंभीर अस्थमा में न्यूट्रोफिलिक और सीडी 8-चालित है। सिवियर अस्थमा फेफड़े से संबंधित एक गंभीर रोग है, जिसमें कई लक्षण दिखाई देते हैं। गंभीर या सिवियर अस्थमा एक पुरानी फेफड़े की स्थिति है जिसमें वायुमार्ग में सूजन हो जाती है या सांस लेने में कठिनाई होती है। पांच से दस प्रतिशत अस्थमा रोगियों में गंभीर अस्थमा का निदान किया जाता है।

सिवियर या गंभीर अस्थमा के लक्षण

- बार-बार खांसी आना, जो रात में, खेलते समय, या हँसते या रोते समय हो सकता है।
- एक पुरानी खांसी (जो एकमात्र लक्षण हो सकती है)
- खेलने के दौरान कम ऊर्जा।
- तेजी से सांस लेना (समय-समय पर)
- सीने में जकड़न या छाती में दर्द की शिकायत।

सिवियर अस्थमा से बचाव कैसे करते हैं

बच्चे एक स्पेसर के साथ एक इनहेलर का उपयोग करके दोनों दवाएं ले सकते हैं, या एक होल्डिंग चैंबर नामक एक उपकरण, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि सभी दवा फेफड़े तक पहुंचती है। एक अन्य विकल्प एक नेबुलाइज़र है- एक मशीन जिसमें कंप्रेसर ट्यूबिंग और दवा देने में मदद करने के लिए एक मुखौटा शामिल है। यह नर्स या फार्मासिस्ट आपको सिखा सकता है कि दोनों का उपयोग कैसे करें, इसलिए आप यह निर्धारित कर सकते हैं कि आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा क्या काम करता है।

ये दवाएं- जिन्हें लघु-अभिनय ब्रोन्कोडायलेटर्स कहा जाता है- अस्थमा के लक्षणों और तुरंत चार से छह घंटे तक राहत प्रदान करते हैं। एल्ब्युटेरोल (प्रायर एचएफए, वेंटोलिन एचएफए, अन्य) अस्थमा के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लघु-अभिनय ब्रोन्कोडायलेटर है। लेवलब्यूटेरोल एक और है। हालाँकि ये दवाएं जल्दी काम करती हैं, लेकिन ये आपके बच्चे के लक्षणों को वापस आने से रोक नहीं सकते हैं। यदि आपके बच्चे में बार-बार या गंभीर लक्षण होते हैं, तो उसे एक लंबे समय तक नियंत्रण वाली दवा लेने की आवश्यकता होगी जैसे कि एक सांस की कॉर्टिकोस्टेरॉइड।

वहीं जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेन्द्र सिंह कहते हैं कि ब्रोन्कोस्कोप की मदद से मरीज की सांस नली में एक पतला कैथेरेटर डाला जाता है, यह एक हीट एनर्जी देने वाला इंस्ट्रूमेंट आया है। बढ़े हुए कोमल मांसपेशियों को कम करने के लिए इस कैथेटर को सांस नली के आखिरी छोर तक पहुंचाया जाता है। इस क्षेत्र को धीरे-धीरे गर्म करने और मांसपेशियों को सिकोड़ने के लिए, हर 10 सेकंड के बाद इसे सांस नली से बाहर निकाला जाता है। जब सांस नली चौड़ी होती है तो मरीज के लिए सांस लेना आसान होता है, अस्थमा का अटैक कम हो जाता है। 'बीटी' सौ प्रतिशत इलाज नहीं है , लेकिन यह प्रक्रिया दवाओं पर मरीजों की निर्भरता को कम कर देता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बर्तें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 2651

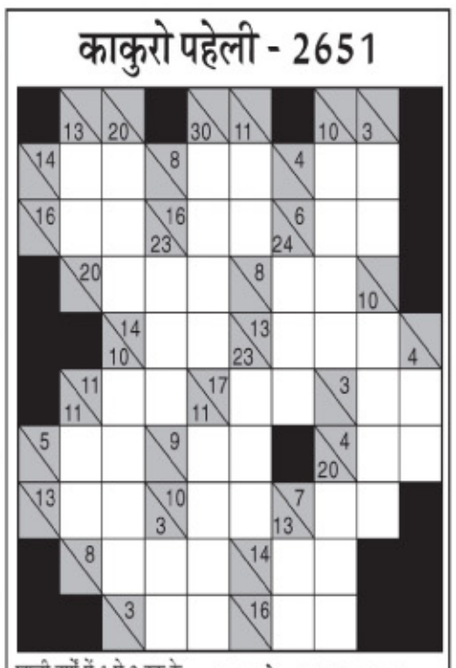

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 2650 का हल

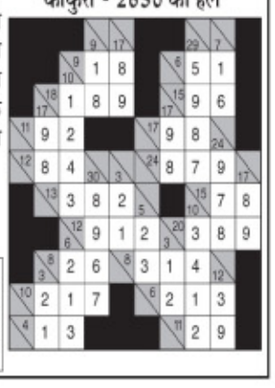

हंसी के फुव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा-'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया-'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

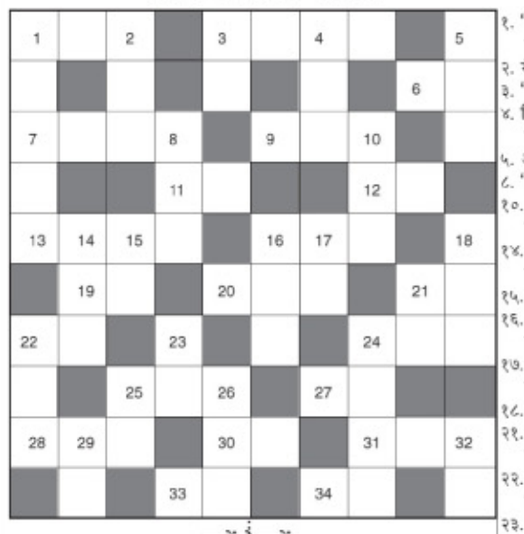

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉनि, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भास्तभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'इना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरुख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'चे दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंदकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2650

सूडोकु -2651

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2650 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 2651

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चौंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -2650 का हल

कांग्रेस ने कभी भी देश को महत्व नहीं दिया : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोल्हापुर की चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस ने कभी भी देश को महत्वपूर्ण नहीं समझा। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की विभाजन नीति का ही परिणाम है कि देश का विभाजन हो गया। कांग्रेस के कालखंड में आतंकवाद बढ़ा, लेकिन नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी ने भी देश की ओर टेढ़ी नजर से नहीं देखा। ये नया भारत है, कोई छेड़ेगा तो उसे छोडेंगे नहीं। योगी आदित्यनाथ आज कोल्हापुर जिले में एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्य नाथ ने कहा कि ये चुनाव न सिर्फ सत्ता के लिए, बल्कि महाराष्ट्र और देश के लिए भी अहम है। एक तरफ एनडीए गठबंधन है और दूसरी तरफ नैतिकता से रहित गठबंधन है। महाविकास अघाड़ी में नूरा कुश्ती चल रही है। पवार और ठाकरे के बीच लड़ाई चल रही है और वे खुद को और देश को खतरे में डाल देंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास देश को धमकाने का रहा है। अगर कांग्रेस न होती तो ये देश कभी न टूटता। अगर देश न टूटा होता तो आज पाकिस्तान न होता। उन्होंने कहा कि कल प्रियंका वाड्रा आई थीं तो उन्होंने विकास के बारे में कुछ नहीं कहा होगा, वह सिर्फ तोड़ने की बात करने आई थीं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर बाला साहेब ठाकरे होते तो क्या वे कांग्रेस के साथ गठबंधन करते? लेकिन उद्धव ठाकरे ने बाला साहेब के मूल्यों को किनारे रखकर कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया।

झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही सहारा में फंसा पाई-पाई लौटा देंगे : हिमंता बिस्वा सरमा

गोड्डा। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि आपकी जो पीड़ा है, वो भाजपा का कष्ट है। हम आपसे वादा करते हैं कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही सहारा में फंसा आपलोगों को पाई-पाई धन लौटा देंगे। सरमा महगामा में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हेमंत सोरेन बोले थे कि जब लड़कियों की शादी होगी तो उनको सोने का सिक्का मिलेगा। ये सोने का सिक्का कहां गया। ये सारा सोना का सिक्का आलमगीर आलम खा गए। उनके घर से 35 करोड़ रुपये बरामद हुए। सोने का सिक्का गरीब को नहीं मिला लेकिन आलमगीर आलम को मिला ताकि ये लोग वोट जिहाद कर सकें। सरमा ने कहा कि 20 तारीख को महगामा में चुनाव होने वाला है। 43 सीटों पर चुनाव हो चुका है। मैं कह सकता हूं कि भाजपा सरकार बनाने के लक्ष्य में आगे बढ़ी है। भाजपा को रोकने में कोई सफल नहीं होगा। सरमा ने कहा कि पिछली जनसभाओं में लोग मुझको आकर कह रहे थे जामताड़ा ,पाकुड़ और साहिबगंज में शुक्रवार को स्कूल बंद होते हैं। क्योंकि, लोगों को नमाज पढ़ना होता है। शुक्रवार को नमाज पढ़ने के लिए बंद होते हैं तो मंगलवार को भी हनुमान पूजा के लिए बंद होना चाहिए। इन लोगों के दिमाग में घुस गया है कि हमें एक ही पक्ष का वोट चाहिए। आपका वोट नहीं चाहिए। उनको उन्हीं लोगों का वोट चाहिए जो लोग शुक्रवार को स्कूल बंद करते हैं।

बारामती हेलीपैड पर चुनाव आयोग ने शरद पवार के बैग की तलाशी ली

मुंबई। चुनाव आयोग की टीम ने बारामती हेलीपैड पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के बैग की तलाशी भी ली। शरद पवार के बैग की तलाशी शनिवार को भी चुनाव आयोग ने ली थी। इसके साथ ही आज शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बैग की भी तलाशी ली गई।चुनाव आयोग की टीम पहले से ही बारामती हेलीपैड पर मौजूद थी। चुनाव प्रचार के लिए शरद पवार का हेलीकॉप्टर उतरते ही टीम पहुंची और शरद पवार का बैग चेक करने के लिए हेलीकॉप्टर में रखे सामान की जांच-पड़ताल की। इसके बाद चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि बैग में कपड़ा, अखबार आदि मिला है।चुनाव आयोग की टीम अब तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित कई नेताओं की बैग की जांच कर चुकी है। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बैग की आज भी तलाशी ली गई है।

राजग गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़कर पुनः सत्ता में करेंगी वापसी : उपेंद्र कुशवाहा

सहरसा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा अपने बिहार यात्रा के चौथ चरण में सहरसा पहुंचे। जहां परिसदन में उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजग गठबंधन को पुनः बहुमत मिले इसको लेकर वे बिहार यात्रा कर रहे हैं।इस दौरान वे राज्य के सभी 38 जिलों में जा रहे हैं।तीन चरण का बिहार यात्रा अभियान पूरा हो चुका है। चौथे चरण के अभियान में बेगूसराय होते कटिहार, पूर्णिया मधेपुरा होते सहरसा पहुंचे हैं।इसके बाद आगे यात्रा करेंगे। उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि राजग गठबंधन आगमी विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ेगी एवं पुनः सत्ता में वापसी होगी। वे बिहार यात्रा के क्रम में पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं एनडीए के साथियों से भी मिलकर बातचीत कर रहे हैं। लंबे समय से सरकार रहने के बावजूद भी एंटी इनकंबेंसी नहीं है।

दुनिया की 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी : ओम बिरला

एजेंसी

देहरादून। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दुनिया की 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। हर दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व क्षमता के कारण दुनिया में भारत का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधनों में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत आज आध्यमिक, धर्म और संस्कारों के कारण दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। दुनिया के विकसित देशों के अंदर भी उस विकसित देश को आगे बढ़ाने में भारत के नौजवानों का योगदान है। प्रेमनगर नंदा की चौकी स्थित एक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हर चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता विद्यार्थी जीवन से आती है। आज विद्यार्थी जीवन में ऐसे संस्कार व शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता है कि दुनिया की 21वीं शताब्दी भारत

की शताब्दी हो। यह जिम्मेदारी नौजवानों की है। भारत में कई ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने अभावों में रहकर कठिन चुनौतियों से विज्ञान व तकनीकी में बड़े अविष्कार किए हैं। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के जीवन से बड़ी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने भारत का नाम दुनिया में किया है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह भारत की संसद में आएं और स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी के दर्शन करें जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और भारत के निर्माण का रास्ता बनाया। जब हम उनके उनके जीवन दर्शन को समझेंगे और पढ़ेंगे तो नई प्रेरणा मिलेगी। इसलिए हमने नया विचार दिया है कि भारत में पढ़ने वाला हर विद्यार्थी संसद में आए और देखे कि किस तरह लोकतंत्र के माध्यम से भारत के इस 75 वर्ष की यात्रा में मजबूत नेतृत्व देने का काम हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व पर्यावरणविद पद्मभूषण डॉ अनिल जोशी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान आईटीबीपी के जवानों ने बैंड प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने भारत के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और परिसर में पौधा रोपा। साथ ही हवन यज्ञ में प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने छात्रों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वार्षिकोत्सव समारोह में छात्रों और अभिभावकों सहित सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जब भी मैं उत्तराखंड आता हूं मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा के साथ काम करने की नई दिशा मिलती है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जीवन में विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी जीवन स्वर्णिम काल होता है।

मप्र के बालाघाट में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, एक जवान घायल

एजेंसी

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में रूपझर थाना क्षेत्र की सोनगुड्डा पुलिस चौकी के तहत कुंदुल जंगल में दोपहर पुलिस सर्चिंग पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से गोलियां चलीं, जिसमें हॉकफोर्स का एक जवान घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए महाराष्ट्र राज्य के गोदिया रेफर किया गया है।बालाघा के पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार सुबह 11 से दोपहर 12 बजे के बीच पुलिस को जीआरबी डिवीजन के नक्सलियों के होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद हॉक फोर्स की टीम ने सर्च अभियान चलाया। फोर्स जब रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा चौकी के कुंदुल जंगल में थी, तभी हॉक फोर्स और नक्सलियों में आमना-सामने हो गया। वहां मौजूद 12 से 15 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में इधर से भी फायरिंग की गई, लेकिन इस दौरान एक गोली हॉकफोर्स के आरक्षक शिवकुमार शर्मा को लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई से नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गए। इस मामले में थाना रूपझर में नक्सलियों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मौके से भागे हुए नक्सलियों की धरपकड़ के लिए भारी सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि आरक्षक का बेहतर उपचार किया जा रहा है और चिकित्सकों से भी चर्चा की जा रही है। जल्द ही आरक्षक की रिकवरी हो जाएगी। पुलिस की 10 पार्टियां नक्सलियों को तलाशने के लिए जंगल में सर्चिंग में जुट गई हैं।

कांग्रेस ने कभी भी भेदभाव की राजनीति नहीं की: प्रियंका गांधी

एजेंसी

मुंबई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की एक चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी विकास कार्यों में भेदभाव की राजनीति नहीं की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार हर विकास कार्य में भेदभाव कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज भाजपा के राज्य में आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है। महाराष्ट्र के 4 लाख आदिवासियों ने भूमि भूखंडों के लिए आवेदन किया, जिनमें से 2 लाख खारिज कर दिए गए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देशभर से 22 लाख आदिवासियों के आवेदन खारिज कर दिए गए।प्रियंका गांधी ने गढ़चिरौली जिले में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश का हित देखकर देश के विभिन्न राज्यों में बड़े-बड़े संस्थान, कारखाने, बंदरगाह, शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल स्थापित किये। कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों में कभी भेदभाव नहीं किया, लेकिन पिछले 11 सालों से देश में भेदभाव की राजनीति शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में आने वाली बड़ी परियोजनाओं को गुजरात और अन्य राज्यों में भेजकर

महाराष्ट्र के साथ भेदभाव किया गया है। देश के सभी हवाई अड्डे, बंदरगाह, कारखाने, जमीनें एक ही उद्योगपति को दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बेरोजगारी चरम पर है, 2.5 लाख सरकारी पद खाली हैं, लेकिन भरे नहीं गए हैं। संविदा के आधार पर भर्ती की जा रही है। सबसे ज्यादा युवा आत्महत्याएं महाराष्ट्र में हो रही हैं। किसान संकट में है, उसे अपनी कृषि उपज का दाम नहीं मिल रहा है। बड़ी मात्रा में कपास का आयात करके महाराष्ट्र के किसानों के कपास के दाम नहीं बढ़ने दिए गए। कांग्रेस सरकार के समय सोयाबीन की कीमत 7 से 8 हजार रुपये थी, आज सिर्फ 4 हजार रुपये है। प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी गई, इसलिए 50 लाख टन प्याज बर्बाद हो गया, न दूध का दाम, न संतरे का दाम। किसानों की आय नहीं बढ़ रही है और कृषि इनपुट पर जीएसटी लगाकर किसानों को लूटा जा रहा है।

जेपी नड्डा ने झारखंड के सिंदरी में इंडी गठबंधन पर किया प्रहार

एजेंसी

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने झारखंड के धनबाद के सिंदरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बरवाअड्डा स्थित कल्याणपुर सन्यासी मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए पूरे इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। जेपी नड्डा ने कहा कि पिछले पांच साल में रोजगार पर पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। राज्य को दोनों हाथों और परिवारवाद द्वारा लूटा गया, फर्जी राजनीति को महत्व दिया गया। हेमंत सोरेन की सरकार ने तुष्टीकरण के सहारे राज्य को बांट दिया। जो जनसैलाब मैने देखा है, उससे संकेत मिलता है कि झारखंड के लोगों ने 20 नवंबर को झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में सबकी आवाज है- रोटी-बेटी-माटी करे पुकार, झारखंड में हो एनडीए की सरकार। नड्डा ने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस-राजद इन तीनों में दो बात कॉमन है। तीनों ही भ्रष्टाचारी हैं। तीनों पार्टियां परिवारवादी हैं। तीनों ही पार्टियां आपस में फूट डालो और

शासन करो की राजनीतिक करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी ओबीसी का नारा लगाते हैं लेकिन उन्हें सम्मान भाजपा और मोदी देते हैं।

द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का काम पीएम मोदी ने किया। हर दृष्टि से एससी, एसटी, पिछड़े आदिवासियों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम मोदी ने किया है। नड्डा ने पीएम मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में भारत दुनिया में 11वें नंबर से 5वें स्थान पर पहुंच गया है। आज भारत को दुनिया एक शक्तिशाली देश के रूप में देख रहा है। मोदी ने झारखंड के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ा है। हमारे उम्मीदवार को जिताइए राज्य में 10 मेडिकल कॉलेज खोलेंगे। युवाओं को रोजगार मिले इसके लिए मोदी ने सिंदरी में बंद खाद कारखाने को हर्ल कब द्वारा पुनः शुरू कराया।

17वीं सदी तक पूरे संसार के लोग ज्ञान ग्रहण करने आते थे भारत, आज फिर उस ओर लौट रहा देश : मोहन भागवत

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी शेर सिंह कार्की की तपस्या और संकल्प से उनकी तपोभूमि मुवानी आज तीर्थ स्थल बन गया है। अब हम सबकी साझा जिम्मेदारी है कि इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाएं। 17वीं सदी तक विश्व गुरु भारत के अंदर संसार के लोग ज्ञान ग्रहण करने आते थे। कुछ समय तक हम अपने पद से भटक गए थे, अब हम फिर उस ओर लौट रहे हैं।

सरसंघचालक डॉ भागवत अनंत मुकेश अंबानी सभागार में आयोजित नवनिर्मित शेर सिंह कार्की विद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर थे। इस मौके पर भागवत ने चंदन का पौधा लगाकर हिमालय क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। डॉ भागवत ने कहा कि हम सबका सपना है कि देश अच्छा हो, लोग सुखी हों। इसके लिए सबका प्रयास जरूरी है। शेर सिंह कार्की ने 20 एकड़ जमीन वर्षों तक संघर्ष

करके बचाए रखी और दूरस्थ क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य किया। शिक्षा के साथ स्वरोजगार उनका लक्ष्य था। डॉ. भागवत ने देवभूमि को नमन करते हुए विद्या भारती की शिक्षा पद्धति अपनाने पर जोर दिया। सरसंघचालक ने कहा कि स्कूली शिक्षा केवल उन्हीं के लिए लाभदायक है, जो इसका उपयोग करना जानते हैं। यदि कोई इसका उपयोग करना नहीं जानता तो उसे इससे कोई विशेष लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि ऐसे कई महान व्यक्ति उदाहरण हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा न मिलने के बावजूद समाज को महान दिशा दी है। उन्होंने कहा कि सभी को शिक्षा के लिए विद्या भारती के एजेंडे को बढ़ावा देना चाहिए। इससे व्यक्ति को न केवल अपने परिवार बल्कि समाज की देखभाल करने के लिए शिक्षा मिलती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यह संस्कार है और शिक्षा के मूल्य को समझना ही समाज को ताकत देता है। समाज महान और सर्वोपरि है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि शिक्षा का उपयोग आम लोगों की भलाई के लिए करना चाहिए। इतिहास में कई महान व्यक्तियों ने स्कूली शिक्षा से वंचित रहने के बावजूद उच्च शिक्षित लोगों को रास्ता दिखाया है। दुनिया में कोई भी सरकार युवाओं को केवल 10 प्रतिशत ही नौकरियां दे सकती है। शेष नौकरियां और व्यवसाय समाज की ताकत व कौशल के प्रयोग से पैदा किए जा सकते हैं।

अशांत मणिपुर की स्थिति का जायजा लेने के लिए आयेंगे सीआरपीएफ प्रमुख

एजेंसी

इंफाल। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह बढ़ती अशांति को देखते हुए मणिपुर का दौरा करने वाले हैं। वह अपने मणिपुर दौरे पर स्थिति का जायजा लेने के बाद राज्य में तैनात सीआरपीएफ को आवश्यक निर्देश देंगे। ज़िरीबाम जिले में 16 नवंबर को आतंकवादियों के हाथों अपहृत लोगों में से छह शवों की बरामदगी के बाद राजधानी इंफाल में बीती रात गुस्साई भीड़ छगलबंद के विधायक सापम कुजाकेश्वर, पाटसोई के विधायक सापम निशिकांत और मंत्री डॉ. एसपीएएम रंजन सिंह और कई अन्य विधायकों के घरों पर हमले का प्रयास किया। उन्होंने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के सरकारी आवास पर भी हमला करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने अलग-अलग नारे लगाते हुए कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। प्रदर्शनकारियों की पुलिस और सुरक्षा बलों से झड़प भी हुई।इन सभी घटनाओं के चलते राज्य के अलग-

अलग हिस्सों में तनाव के चलते हमले बढ़ते जा रहे हैं। समग्र स्थिति को देखते हुए सीआरपीएफ प्रमुख ने राज्य का दौरा करने का फैसला लिया है।

परिवारवाद और भ्रष्टाचार में सबसे आगे महाआघाड़ी गैंग: धामी

एजेंसी

महाराष्ट्र। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाराष्ट्र के कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री धामी ने अपनी जनसभाओं में कहा कि महाआघाड़ी गैंग परिवारवाद व भ्रष्टाचार में सबसे आगे है। महाआघाड़ी के नेता खुलेआम वीर सावरकर का अपमान करते हैं और इस पर बाला साहेब ठाकरे का उत्तराधिकारी बताने वाले उद्धव ठाकरे चुप्पी साधे बैठे रहते हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने भायंदर ठाणे विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार नरेन्द्र लाल चंद मेहता, वर्तक नगर ठाणे (ईस्ट) में संयुक्त रूप से कोपरी-पचपखड़ी विधानसभा क्षेत्र से महायुति संगठन व शिवसेना उम्मीदवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, ओवला मजीवाड़ा सीट से शिवसेना उम्मीदवार प्रताप सरनाइक और ठाणे शहर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संजय केलकर के पक्ष में जनता से वोट की अपील की।

इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कांग्रेस में चाचा नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक ने दलितों और बाबा साहेब का अपमान किया है। महाआघाड़ी गैंग के नेताओं ने महाराष्ट्र को तुष्टिकरण की प्रयोगशाला बनाया हुआ है। यह चुनाव महाराष्ट्र की जनता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इस चुनाव में हम सभी को एकजुट होकर ऐसी सरकार का गठन करना है जो सनातन संस्कृति में आस्था रखती हो और राष्ट्रवाद एवं विकास को प्राथमिकता देते हुए महाराष्ट्र को विकास के पथ पर तेजी से आगे ले जाने का कार्य करे। धामी ने कहा कि महाआघाड़ी ने कभी भी महाराष्ट्र के विकास को प्राथमिकता नहीं दी। इस गठबंधन को अपने व्यक्तिगत विकास की चिंता है। इनके नेताओं ने हमेशा सनातन का विरोध किया। राजनीतिक स्वार्थ के चलते जनकल्याणकारी योजनाओं को रोकने जैसे कुकृत्य किए। इसके विपरीत, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति का गठबंधन राष्ट्रवाद और विकास को प्राथमिकता दे रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश में जहां भी डबल इंजन की सरकार बनी है, वहां विकास की गति तेज हुई है। डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में ही उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का कानून बन सका है। इसके अलावा हमने कड़ा धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किया है और 'लैंड जिहाद' से मुक्ति के लिए मिशन स्तर पर कार्य करते हुए 5,000 एकड़ से अधिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है।

महाराष्ट्र का विकास अनवरत होता रहे, इसके लिए महायुति गठबंधन की सरकार बनाएं : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराष्ट्र के धुले जिले के शिंदखेड़ा विधानसभा में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा एवं छत्रपति संभाजी नगर जिले के छत्रपति संभाजी नगर मध्य विधानसभा के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम में आयोजित सामाजिक बैठक में संवाद करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार छत्रपति शिवाजी का सपना साकार करने के साथ सनातन को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। महाराष्ट्र का विकास अनवरत होता रहे, इसके लिए यहां महायुति गठबंधन की सरकार बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से दिक्कत है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने

भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारा। हम धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोग हैं। हम जब भी धर्म और अपनी सनातन संस्कृति की बातें करते हैं, तो कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट जाता है। स्वर्गीय बाबा साहब ठाकरे जी ने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म के उत्थान के लिए लगाया और अब उनके नाम पर राजनीति करने वाले सत्ता की भूख में सनातन संस्कृति को ही भूल गए। सत्ता के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी दल सनातन समाज को जातियों में बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। आप सभी समझदार हैं, जातियों में बटेंगे तो देश विरोधी ताकतें देश में और सक्रिय हो जाएंगी। हम एक हैं तो सेफ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है, लेकिन कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए परिवार फर्स्ट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश पूरी तरह से सुरक्षित है। प्रधानमंत्री को कौन किस भाषा में समझता है, उसे उसी की भाषा में समझाना आता है। कांग्रेस के शासनकाल में आए दिन देश में आतंकी धमाके होते थे। सीमा पर पाकिस्तान से आतंकी हरकतें होती रहती थीं। 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में धमाके होना पूरी तरह से बंद हो गए हैं। अब पाकिस्तान एक गोली चलाने को सोचता है तो उसके घर में गोला आकर गिरता है। हमारी सेना जब वीरता के नए कीर्तिमान स्थापित करती है, दुश्मन देश में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक करती है।

झारखंड की दशा को हिमाचल जैसा नहीं होने देना है: जयराम ठाकुर

एजेंसी

रांची। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा मीडिया सेंटर, रांची में कहा कि कांग्रेस ने अपनी झूठी गारंटी देकर हिमाचल में सत्ता हासिल की। अब अपने किए गए वादों और गारंटी के विपरीत काम करना शुरू कर दिया है। ठाकुर ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस ने 10 गारंटी दी थी लेकिन दो साल हो गए हैं, अभी तक कंग्रेस ने अपनी एक भी गारंटी पूरी नहीं की है। उनकी सारी गारंटी धरी की धरी रह गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में जो वादे किए थे, अब वैसे ही वादों को झारखंड में दोहराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 से 60 साल की महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने देने का वादा किया था लेकिन हिमाचल प्रदेश में 2 साल बीत गए महिलाओं-बहनों से जो वादा किया था उनको 1500 सौ रुपये हर महीने नहीं मिले।ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि 5 साल में 5 लाख युवाओं को नौकरियां देंगे। हर साल एक लाख नौकरियां दी जाएगी लेकिन सत्ता में आते ही नौकरी देने की बजाय पद ही खत्म कर दिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया था लेकिन भाजपा की सरकार जो 125 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही थी उसको भी बंद कर दिया है। कांग्रेस ने वादा किया था कि गाय का दूध 80 रुपये और भैंस का दूध 100 रुपये प्रति लीटर खरीदेंगे लेकिन सरकार बनने के बाद मुकर गए। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के हिमाचल में 2 साल पूरे होने वाले है। लोन पर लोन लिए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों को सैलरी तक नहीं मिल पा रही है। ऐसा हिमाचल प्रदेश में पहली बार हुआ है। कांग्रेस की झूठी गारंटी अब पूरे देश में उजागर हो चुकी है। ठाकुर ने कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री महाराष्ट्र जाकर कह रहे हैं कि हिमाचल में हमने सारी गारंटी पूरी की है लेकिन वहां कोई बदलाव नही हुआ। झारखंड में भी कांग्रेस के नेता प्रचार के दौरान बोल रहे है कि हमने हिमाचल प्रदेश में अपनी सभी गारंटी पूरी की है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा में भी झूठे वादे करके सत्ता में आने की कोशिश की लेकिन हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया। जो हालात हिमाचल के कांग्रेस सरकार ने किए वो कम से कम झारखंड में न हो यह हम जनता से निवेदन है।

मप्र के छतरपुर जिले में बीच बाजार तेज धमाके के साथ सिलेंडर में विस्फोट, 25 लोग झुलसे, 14 गंभीर

एजेंसी

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में बिजावर नगर के बस स्टैंड पर दोपहर में बीच बाजार एक पेटीज के ठेले पर रसोई गैस के सिलेंडर में अचानक तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। इस हादसे में करीब 25 लोग झुलस गए। इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें से 14 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक 12 साल के बच्चे की हालत गंभीर बताई गई है। घटना की जानकारी लगते ही बिजावर विधायक राजेश बबलू शुक्ला मौके पर पहुंचे और प्रशासन को घटनाक्रम की जानकारी दी। सूचना मिलते ही कलेक्टर पार्थ जैसवाल और एडीएम अरविंद नागदवे सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को दो एंबुलेंसों से बिजावर अस्पताल और छतरपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां घायलों को प्राथमिक उपचार दे दिया गया है। पुलिस के अनुसार, बिजावर में हाट बाजार लगा हुआ था। इस कारण बाजार में भीड़ थी। इसी बीच बस स्टैंड के पास पेटीज के ठेले पर रखे सिलेंडर में लीकेज होने से ब्लास्ट हो गया। ठेले के आस-पास खड़े करीब 25 लोग घायल हो गए हैं। कोई तीन फीसदी, कोई पांच फीसदी तो कोई 15 फीसदी से ज्यादा झुलस गया है। इस हादसे में राधे नामदेव, मीना अहिरवार, क्रिस, अंकित, नरेंद्र राजपूत, प्रिंस, प्रीतम, नीलम कुशवाह, बालकिशन, दिनेश, जमुना, गुड्डी, आशीष शर्मा, यश साहू, नारायण साहू सहित करीब 25 लोग घायल हुए हैं। घायलों में शामिल एक स्थानीय दुकानदार नीलू बघेल ने बताया कि पेटीज के ठेले पर सिलेंडर से पहले गैस लीक हुई और फिर विस्फोट हो गया। धमाके के बाद भगदड़ मच गई। क्षेत्र के एडीएम मिलिंद नागदेवे ने बताया कि सिलेंडर ब्लास्ट घटना में कई लोग घायल हुए हैं। कोई कम तो कोई ज्यादा जल गया है। एक एंबुलेंस में 14 मरीज जिला अस्पताल लाए गए हैं।

नौनिहालों के लिए विशेष सुरक्षा है जरूरी

चारों तरफ लगातार बढ़ते प्रदूषण का असर हमारी सेहत पर किस तरह पड़ रहा है, इस बारे में अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं। चाहे वह हमारे आस-पास की हवा हो जिसमें हम सांस लेते हैं या फिर जो पानी हम पी रहे हैं, हर जगह बढ़ते प्रदूषण की मार तो है ही, उस पर से खाने की चीजों में मिलावट अलग। इस वजह से स्थिति और बुरी होती जा रही है। साथ ही इस बात को खास तौर पर समझने की जरूरत है कि बच्चों पर इसका असर कुछ ज्यादा होता है। बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता ज्यादा नहीं होती। इसलिए वयस्कों के मुकाबले उनके बीमार होने की आशंका भी ज्यादा होती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता दो तरह से बढ़ती है। जानकार बताते हैं कि आम तौर पर जब हम बाहर के किसी संक्रमण के शिकार होते हैं, तब हमारा शरीर अपने आप उस संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसे एंटीबाडी कहते हैं। शरीर में ऐसे एंटीबाडी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की क्षमता कमोबेश सभी में मौजूद होती है। मगर कुछ मामलों में हमारा शरीर बाहरी हमले से लड़ने के लिए सक्षम नहीं होता। उन खतरों से बचने के लिए हम विशेष तरीका अपनाते हैं। इसमें हम शरीर को बाहर से ऐसे एंटीबॉडी उपलब्ध करवाते हैं, जिससे वह संक्रमण से लड़ने के लिए पहले से तैयार हो। विभिन्न तरह के टीके इसी तैयारी के तहत लगाए जाते हैं।

विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए अब हमारे पास कई तरह के टीके उपलब्ध हैं। इसलिए अब यह सलाह दी जाती है कि सभी बच्चों को तय उम्र पर इन टीकों की नियत खुराक जरूर दी जाए। कुछ टीकों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम अवधि के लिए होती है। ऐसे में उसका बूस्टर डोज भी देना होता है। हालांकि यह भी सच है कि अधिकांश टीके सीमित क्षमता वाले ही होते हैं। यानी शायद ही ऐसा कोई टीका हो, जिसके बारे में यह दावा किया जा सके कि यह संबंधित रोग से सौ फीसदी सुरक्षा उपलब्ध करवा देगा। लेकिन ये टीके(वैक्सीन्स) उस रोग की आशंका को काफी सीमित कर देते हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से ले कर विभिन्न देशों की सरकारें तक इनकी सिफारिश करती हैं।

पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य

इन दोनों उपायों के साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्चों की खुराक में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों को भरपूर रूप से शामिल किया जाए। नवजात बच्चों के लिए मां का दूध रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़े बच्चों में यह काम फलों, सब्जियों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों के जरिए हो सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हरी सब्जियां और फल दें। मौसमी फल खास तौर पर बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। मौसमी फलों की खास बात यह होती है कि ये एक तरफ तो बहुत स्वादिष्ट होते हैं वहीं इनकी कीमत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि बाजार में जिस मौसम में जो फल सबसे सस्ते मिल रहे हों, उसी को खरीदें। बच्चों को दिन भर में पांच बार अलग-अलग रूप में फल और सब्जियां दी जा सकती हैं। हालांकि यह बहुत कुछ बच्चों की रुचि पर निर्भर करता है, लेकिन छोटे बच्चे के लिए इसकी हर खुराक औसतन दो बड़ी चम्मच के बराबर और बड़े बच्चों के लिए एक कप के बराबर हो सकती है।

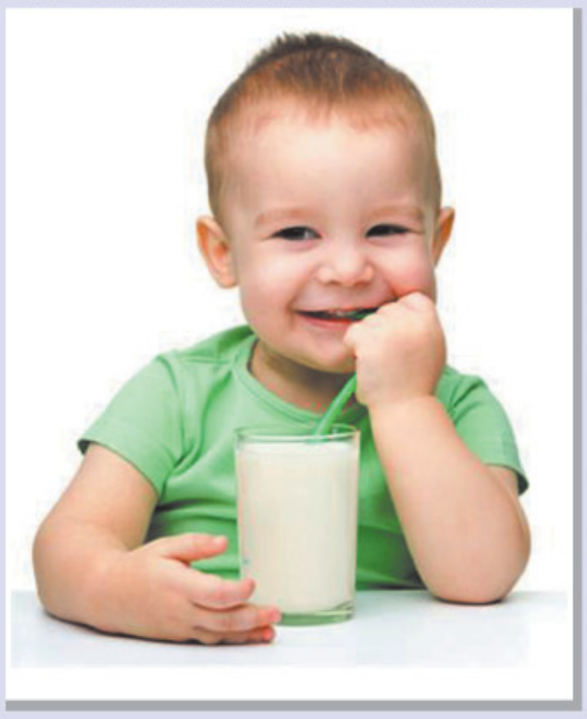

बच्चों को चारों ओर से होने वाले जीवाणुओं और विषाणुओं (वाइरस) के हमले से सुरक्षा देना बेहद जरूरी है। नवजात बच्चा एक हद तक विषाणुओं से भले लड़ ले, लेकिन जीवाणुओं से मुकाबला करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। उस पर से अगर वह 37 हफ्तों के गर्भाधारण से पहले हुआ हो, तब तो उसमें यह क्षमता बहुत कम होती है। छोटे बच्चों को अपने अभिभावकों और परिवार वालों से भी बैक्टीरिया पहुंचने का खतरा होता है। परिवार वालों के हाथ, नाक और मुंह में मौजूद जीवाणु(बैक्टेरिया) उन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों को छूने से पहले अच्छी तरह साबुन से हाथ धोना जरूरी है।

इन बातों पर दें ध्यान

अगर बच्चा समय से बहुत पहले हुआ है, तब तो और ज्यादा सावधानी बरतनी होती है। बड़े बच्चों को भी ऐसे संक्रमण के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें बताना होगा कि ये बैक्टीरिया उन तक कैसे पहुंचते हैं। शौचालय और कचरे आदि से ही नहीं, हमारे घरों के दरवाजों के हैंडल तक से ये बैक्टीरिया उन तक पहुंच सकते हैं।

इसलिए उनमें मुंह, नाक, आंख, कान आदि में अंगुली करने की आदत नहीं पड़ने देनी चाहिए। इसी तरह हर बार खाना खाने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए। अगर किसी बच्चे को छींक या खांसी आती है, तो इस दौरान उसे अपने मुंह को ढककर रखने की सलाह भी दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखिए कि ये उपाय बच्चों को बीमारियों से बचाते जरूर हैं, लेकिन उसे सौ फीसदी सुरक्षित नहीं करते।

रसीली गाजर के10मीठे गुण

लाल और मीठी गाजर को देखकर तुरंत हलवे की याद आ जाती है। निश्चित तौर पर गाजर के इस्तेमाल से बनने वाला हलवा है ही इतना लाजवाब। गाजर न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि इसमें आपको तंदुरुस्त रखने के लिए बहुत सारे खास गुण होते हैं। यह आपको स्वस्थ रखने के साथ साथ आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ाती है। गाजर का नियमित इस्तेमाल आपके बालों और त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी है। गाजर के ज्यूस को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बना लीजिए क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ बहुत गुणकारी है।

1. गाजर के ज्यूस को खास गुणों से भरपूर बनाने का काम इसमें मौजूद बीटा-केरोटिन, विटामिंस और पोटेशियम करते हैं। बीटा-केरोटिन से गाजर विटामिन् का सबसे प्रभावकारी स्त्रोत बनती है। गाजर से शरीर के इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है। विटामिन् से न केवल आपकी आंखों की रोशनी बढ़ती है बल्कि गाजर के ज्यूस का नियमित इस्तेमाल दिल की बीमारियों से भी आपको बचाए रखता है।
2. गाजर के ज्यूस में होने वाला पोटेशियम शरीर में कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करता है। गाजर में लीवर को ठीक रखने का भी गुण होता है। पोटेशियम, मैगनीज और मैगनेशियम के साथ मिलकर ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य रखता है और इस तरह से शरीर में डायबीटिज के खतरे को कम करता है।
3. गाजर के ज्यूस में विटामिन च होता है जो कि चोट लगने पर रक्त के थक्के जमने में मदद करता है और खून का बहना रोकता है। विटामिन च चोट ठीक करने में कारगर है। गाजर में मौजूद विटामिन ष्ट घाव ठीक करने के साथ साथ मसूड़ों को भी स्वस्थ रखता है।
4. गाजर के ज्यूस में कैंसर से लड़ने का गुण होता है। इसमें केरोटेनोइड नाम का एक खास तत्व होता है जिसे प्रोस्टेट, कोलोन, और स्तन कैंसर से लड़ने में बहुत ही कारगर समझा जाता है।
5. गाजर का ज्यूस शरीर में प्रोटीन की कमी को भी पूरा करने के साथ साथ शरीर को पर्याप्त मात्रा में केल्सियम भी प्रदान करके हड्डियों को मजबूती देता है।
6. गाजर का ज्यूस लीवर को साफ करता है। शरीर में पैदा होने वाले विभिन्न तरह के जहर गाजर के ज्यूस के उपयोग से बाहर निकल जाते हैं। गाजर का ज्यूस लीवर को ताकत देकर उसकी काम करने की क्षमता बढ़ाता है। गाजर का ज्यूस वजन कम करने में भी मदद करता है।
7. गाजर का ज्यूस बच्चे के गर्भावस्था के लिए खास तौर पर लाभकारी है। इसके उपयोग से बच्चे और मां दोनों के स्वास्थ्य में सुधार आता है।
8. गाजर के ज्यूस से मां के दूध की गुणवत्ता बढ़ जाती है।
9. गाजर का ज्यूस गर्भ में पल रहे बच्चे को इन्फेक्शंस से बचाए रखता है।
10. गाजर का ज्यूस वजन करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए बहुत कारगर है क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। कम कैलोरी के कारण यह बहुत अच्छा हेल्दी ड्रिंक है। गाजर का ज्यूस अपने खास गुणों के कारण लगभग सभी डाइट प्लान का हिस्सा बनता है।

सर्दियों में कैसे बचें जुकाम से

सर्दियों में जुकाम दुनियाभर के लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे आम बीमारी है। 100 से भी ज्यादा वायरस ऐसे हैं, जो इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और यह बहुत आसानी से फैलता है। इसलिए जुकाम फैलाने वाले वायरसों के संक्रमण से बचना काफी मुश्किल हो जाता है। शरीर में पहुंचने के बाद ये वायरस संख्या में बढ़ना शुरू होते हैं, जिससे ये लक्षण दिखाई देना शुरू होते हैं।

- गले में खराश, छींके एवं नाक बहना।
- आंखों से पानी निकलना।
- बदन दर्द एवं खांसी।
- सांस लेने में परेशानी या हल्का बुखार आने

जैसे कई लक्षण सामने आते हैं।

आमतौर पर जुकाम 1-2 हफ्तों में ठीक हो जाता है। चिकित्सकों का मानना है कि इसके वायरस की उम्र 7 दिन की होती है। आमतौर पर यह किसी औषधि से नहीं मरता। औषधियां केवल लक्षणों को ठीक करने के लिए दी जाती हैं। यह कहावत बहुत आम है कि जुकाम दवाएं खाएं तब भी 7 दिन में ठीक होता है और नहीं खाएं तब भी एक हफ्ते में ठीक होता है।

क्या करें..

सर्दी होने पर अनावश्यक मेहनत से बचना चाहिए। रूटीन के काम कर सकते हैं, लेकिन इस दौरान धूल और धूएं से बचना चाहिए, नहीं तो हालत बिगड़ सकती है। भरपूर आराम के साथ ही पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए, विशेषकर फलों का रस जरूर लें। जुकाम के कारण पाचन तंत्र भी निष्क्रिय पड़ जाता है, इसलिए हल्के, सुपाच्य खाद्य पदार्थ थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लें। कफ सिरप आदि दवाओं से लक्षणों में राहत मिल सकती है, लेकिन ये जुकाम का बचाव या इलाज नहीं होता है, न ही इनसे बीमारी जल्दी ठीक होती है।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए फिलहाल कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन बीमार न पड़ें, इसके लिए कुछ उपाय जरूर किए जा सकते हैं। अपने आहार की ओर ध्यान दें, प्रतिदिन ऐसा आहार लें, जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों, पर्याप्त नींद लें और व्यायाम भी करें। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहेगी।

बच्चों और बुजुर्गों को हीटर के सामने नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा रुखी होकर फट सकती है। त्वचा की दरारों के जरिए संक्रमण शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं।

देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से कम हो जाती है उम्र

दफ्तरों में देर तक कुर्सी पर बैठे रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी की तरह सामने आए एक शोध में बताया गया है कि अधिक देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से उम्र कम हो जाती है।

बीएमजे ओपन नामक ई मैगजीन में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अमेरिका जैसे देश में अधिक टीवी देखने अथवा बैठे रहने वाले व्यक्ति कम जीते हैं। यह निष्क्रियता उम्र घटाने का काम करती है।

आंकडों से पता चला कि कुर्सी पर जमे रहने से होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने का खतरा 27 फीसदी और टेलीविजन देखने से होने वाली बीमारियों से मौत होने का खतरा 19 फीसदी होता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर दफ्तरों में कोई व्यक्ति महज तीन घंटे प्रतिदिन ही कुर्सी पर बैठता है, तो उसकी उम्र में दो वर्षों का इजाफा हो सकता है। इसके अलावा टेलीविजन देखने के समय में प्रतिदिन दो घंटों की कमी करने से भी उम्र में 1.5 वर्षों का इजाफा होता है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों को शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आए शोधों से पता चलता है कि दफ्तरों के व्यस्त माहौल और कुर्सी पर बिताए जाने वाले समय का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है और इसके फलस्वरूप विभिन्न बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें रक्तचाप, हृदय रोग इत्यादि प्रमुख हैं। टेलीविजन इत्यादि देखने में अधिक समय बिताने से भी निष्क्रियता को बढ़ावा मिलता है, जिससे इन बीमारियों के बढ़ने की संभावना रहती है।

रोमांचक मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स ने पुनेरी पल्टन को हराया

एजेंसी

नोएडा। पुनेरी पल्टन ने प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 60वें मैच के 29वें मिनट में आकाश शिंदे के सुपर रेड के साथ जयपुर पिंक पैंथर्स को पहली बार आलआउट कर जोरदार वापसी की थी लेकिन अंतिम पलों के रोमांच में जयपुर ने अपने डिफेंस के दम पर शानदार जीत दर्ज की।जयपुर ने यह मैच 30-28 के अंतर से जीता। आज यहां नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच में जयपुर को 10 मैचों में छठी जीत दिलाने में डिफेंडर अंकुश राठी (6) का अहम योगदान रहा। साथ ही अर्जुन देसवाल (8) और डिफेंस से ही लकी (4) ने भी चमक दिखाई। पल्टन के लिए आकाश शिंदे (7) ही चमक सके। पल्टन को 10 मैचो में तीसरी हार मिली है। इस जीत ने जयपुर को प्वाइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। इस रोमांचक मुकाबले के शुरुआती पलों में जयपुर ने 4-2 की लीड बना रखी थी। फिर अंकुश ने पंकज का शिकार कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अर्जुन ने लगातार दो शिकार कर पल्टन को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम तक लाते हुए 11-5 की लीड ले ली।

पर्थ टेस्ट नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा

नयी दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे।रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को बताया है कि वह 22 नवंबर को पर्थ में होने वाले टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं रहें, वह छह दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे, तथा ऑस्ट्रेलियाई प्राइम मिनिस्टर्स इलेवन के खिलाफ होने वाले दो दिवसीय पिंक बॉल अभ्यास मैच के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। रोहित की अनुपस्थिति में टेस्ट टीम के उपकप्तान जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे।

रोहित ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयनकर्ताओं को पहला टेस्ट ना खेल पाने की संभावनाओं से अवगत करा दिया था लेकिन उन्होंने बच्चे के जन्म की तिथि के अनुसार अंतिम समय में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने का विकल्प भी खुला रखा था। शुक्रवार को रोहित की पत्नी ऋतिका ने पुत्र को जन्म दिया था।रोहित के साथ-साथ शुभमन गिल का भी पर्थ टेस्ट से बाहर होना लगभग तय है। वह वाका में इंट्रा स्क्वाड मैच के दूसरे दिन गिल स्लिप में लो कैच लपकने के प्रयास में चोटिल हो गए थे। वाका में इस सप्ताह अभ्यास करने के बाद भारतीय टीम मंगलवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में अभ्यास करेगी।

हरियाणा स्टीलर्स ने तमिल थलाइवाज को हराया

नोएडा। हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एक बेहद रोमांचक मुकाबले मे तमिल थलाइवाज को 36-29 से हरा दिया। लगातार पांचवीं जीत के साथ हरियाणा ने खुद को प्वाइंट टेबल के शीर्ष पर मजबूत किया है। दूसरी ओर, थलाइवाज को 11 मुकाबलों में छठी हार मिली।नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच के अंतिम मिनट में थलाइवाज को आलआउट करने वाली हरियाणा को 10 मैचों में आठवीं जीत दिलाने में विनय (10), शिवम पटारे (6) और डिफेंस में मोहम्मदरेजा शादलू (8) की अहम भूमिका रही। थलाइवाज के लिए मोइन शफागी (7) सबसे सफल रहे जबकि डिफेंस में नीतेश कुमार (3) ने प्रभावित किया। हरियाणा ने तीन मिनट के भीतर 2-0 की लीड बनाई लेकिन थलाइवाज ने जल्द ही 3-2 की लीड ले ली। इस बीच विशाल ने संजय का शिकार कर हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सात के डिफेंस में शादलू रेड पर आए और लपक लिए गए। फिर विशाल ने एक और शिकार के साथ स्कोर 6-3 किया लेकिन विनय ने आलआउट टाल दिया। इसके बाद विशाल ने टाटे को आउट किया। अब विनय अकेले बचे। फिर क्या था विनय ने सुपर रेड के साथ स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सेतपाल ने विशाल को सुपर टैकल कर हरियाणा को 9-7 से आगे कर दिया।

चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली डब्ल्यूबीबीएल से हुई बाहर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली बाएं घुटने की चोट के कारण महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के शेष मैचों से बाहर हो गई हैं और उनके भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलने को लेकर संशय हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार सिडनी सिक्सर्स ने एलिसा हीली के चोटिल होकर डब्ल्यूबीबीएल से बाहर होने की पुष्टि की है। हीली की चोट के कारण पांच दिसंबर से भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की आगामी घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर संशय है। हीली को इस साल दूसरी बार बड़ी चोट है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टी-20 विश्वकप सेमीफाइनल के दौरान प्लांटर फेशिया के फटने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था, जहां उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्राथ ने टीम की कप्तानी की थी। हीली ने कप्तान और खिलाड़ी के रूप में अपनी दोहरी भूमिकाओं का हवाला देते हुए मौजूदा क्रिकेट सत्र के लिए अपनी पूर्ण उपलब्धता के बारे में संदेह व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए कप्तान होना भी एक बड़ी भूमिका है। मैं गर्मियों में जितना संभव हो सके उतना उपलब्ध रहना चाहती हूँ। उन्होंने कहा,मैं हर संभव खेल के लिए उपलब्ध रहना चाहती हूँ, लेकिन वास्तविकता यह है कि ऐसा नहीं हो सकता है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 : जापान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार भारत

एजेंसी

राजगीर। बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारत और जापान के बीच रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मंच तैयार है। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और वे 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। भारत शानदार फॉर्म में है, 5 मैचों में 15 अंकों के शानदार रिकॉर्ड के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहा। उन्होंने 26 गोल किए हैं और केवल दो खाए हैं। इस बीच, जापान 5 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में चौथे स्थान पर रहा, जिसने छह गोल किए और नौ खाए। उनका आखिरी मुकाबला, 17 नवंबर को भारत के खिलाफ था, जिसे भारतीय टीम ने 3-0 से जीता।

भारतीय कप्तान सलीमा ने सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम के मूड के बारे में बताते हुए कहा, जैसे ही हम बस से उतरते हैं, नेहा सभी को नाचने पर मजबूर कर देती है, और इससे माहौल पूरी तरह बदल जाता है। हम सभी उसके नेतृत्व का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं,

भले ही हम उसके करीब न हों, लेकिन यह साधारण कार्य पूरी टीम को उत्साहित करता है। हम मुस्कुराते हुए मैदान पर उतरते हैं, और परिणाम खुद ही सब कुछ बयां कर देते हैं। जापान एक मजबूत टीम है, और ग्रुप चरण में हमने उनके खिलाफ एक कठिन मैच खेला था, लेकिन हमें अपनी तैयारी और अपने साथियों पर भरोसा है। हम सेमीफाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। मेजबान टीम ने टूर्नामेंट में अब तक सभी सिलेंडरों पर फायर किया है, जिसकी अगुआई दीपिका कर रही हैं, जिन्होंने अब तक पांच मैचों में 10 गोल किए हैं। संगीता कुमारी भी फॉरवर्ड लाइन में सक्रिय रही हैं, जिन्होंने चार गोल किए हैं। जापान अपने मजबूत डिफेंसिव संगठन के लिए जाना जाता है, जिसने अपने पिछले मुकाबले में भारत को आधे समय तक चुनौती दी थी। और मियू हसेगावा दो गोल के साथ जापान की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, पूल मैच अलग तरह के होते हैं और सेमी-फ़ाइनल भी अलग तरह का होता है। सभी टीमें अपनी-अपनी योजनाएँ लेकर आती हैं और हमें जापान से कुछ प्रतिरोध का सामना ज़रूर करना पड़ेगा; वे एक मज़बूत टीम हैं। लेकिन हमें अपना होमवर्क करना होगा, हमें यह पता लगाना होगा कि हम कहाँ ज़्यादा मौके बना सकते हैं। अपने खेल पर ध्यान देना और जिस तरह से हम खेलना चाहते हैं, उस तरह से खेलना ज़्यादा ज़रूरी है।

यह सब खेल की एक नई शैली बनाने और ओलंपिक और विश्व कप के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अपने निर्णय लेने में सुधार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। अब तक, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हमें उम्मीद है कि कल भी यही गति जारी रहेगी।

पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल हुए अनकैप्ड सिमेओन

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अनकैप्ड फॉरवर्ड गिउलिआनो सिमेओन को पेरू के खिलाफ़ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने उक्त जानकारी दी।21 वर्षीय एटलेटिको मैड्रिड के खिलाड़ी को चोट के कारण डिफेंडर नाहुएल मोलिना और क्रिस्टियन रोमेरो के हटने के बाद टीम में शामिल किया गया है। पैराग्वे के खिलाफ़ 2-1 से मिली हार के दौरान मोलिना को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि रोमेरो के पैर की समस्या और गंभीर हो गई थी। अर्जेंटीना और पेरू मंगलवार को ब्यूनस आयर्स के ला बॉम्बोनेरा में होने वाले मैच में साल के अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मुक़ाबले खेलेंगे। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन अर्जेंटीना 11 मैचों में 22 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद उरुग्वे से तीन अंक आगे है। पेरू अब तक सिर्फ़ एक जीत के साथ नौवें स्थान पर है।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित की, आमिर अली होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की।भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। पिछले साल भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

इस साल, इस आयोजन में महाद्वीप की 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारत, चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड तथा पूल बी में बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान होंगे।हालांकि भारत मेजबान होने के कारण एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में टीम सुल्तान जोहोर कप में हाल ही में मिली सफलता की लय को जारी रखने की कोशिश करेगी, जहां टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

इंडिया कोल्ट्स की टीम का नेतृत्व आमिर अली करेंगे और उप कप्तान रोहित होंगे। मुख्य कोच और भारत के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, सुल्तान जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहली बार का अनुभव था, फिर भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शानदार जज्बा दिखाया और मैं उनके प्रदर्शन से काफी खुश हूं। टीम उस प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी और जूनियर एशिया कप में सफल प्रदर्शन की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, खिलाड़ी बेंगलुरु के साई में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत कर रहे हैं और हमने डिफेंस में अधिक प्रभावी होने और गोल करने में कुशल होने के लिए अपने खेल में कुछ बदलाव किए हैं।

जीएलडीएफ परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत, विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सहयोग से, नई दिल्ली में 19 से 22 नवंबर, 2024 तक ग्लोबल लर्निंग एंड डेवलपमेंट फ्रेमवर्क (जीएलडीएफ) परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय प्रशिक्षण में मालदीव, म्यांमार, नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, किर्गिस्तान और लाओस सहित 10 से अधिक देशों के एंटी-डोपिंग पेशेवर और विशेषज्ञ भाग लेंगे, साथ ही वाडा, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब?ल?यूएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जीएलडीएफ प्रशिक्षण, वाडा के क्षमता निर्माण ढांचे के तहत एक आवश्यक पहल है। इसे विभिन्न कार्यक्रम क्षेत्रों में एंटी-डोपिंग चिकित्सकों की तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह विशेष रूप से परिणाम प्रबंधन पर केंद्रित है। प्रतिभागियों को

गहन प्रशिक्षण सत्रों से गुजरना होगा जिसमें केस प्रबंधन, न्याय और निर्णय लेने की प्रक्रियाएं तथा विश्व डोपिंग रोधी संहिता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुप्रयोग जैसे प्रमुख विषय शामिल होंगे। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना, राष्ट्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना, तथा वैश्विक खेल अखंडता ढांचे को मजबूत करना है। भारत में इस आयोजन की मेज़बानी डोपिंग विरोधी आंदोलन में देश की सक्रिय भूमिका को दर्शाती है क्योंकि देश स्वच्छ खेल को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करना जारी रखे हुए है।

पश्चिम बंगाल ने जीती चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग टीम चैम्पियनशिप

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के तैराकों ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। पश्चिम बंगाल स्विमिंग पूल पर राज करते हुए कुल 151 पदक जीते, जिसमें 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं।

उपविजेता कर्नाटक ने कुल 50 पदक जीते। इनमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक हैं। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम

जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने 13 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य) जीतकर 5वां स्थान प्राप्त किया। मणिपुर को 8 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) के साथ छठा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवार्डी हॉकी कोच डॉ. ए के बंसल ने विजेताओं को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए। बता दें कि अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) के सचिव डॉ. तपन पाणिग्रही ने चैंपियनशिप के दौरान शानदार जज्बा दिखाने के लिए सभी प्रतिभागियों और टीम अधिकारियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनकी कड़ी मेहनत और प्रयासों से फिनस्विमिंग तेज गति से देश में अपने पंख फैलाएगी।

इंग्लैंड की सफेद गेंद टीम से बाहर होंगे कार्ल हॉपकिंसन, रिचर्ड डॉसन

एजेंसी

लंदन। इंग्लिश पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच कार्ल हॉपकिंसन और रिचर्ड डॉसन व्हाइट-बॉल कोचिंग सेटअप से हट जाएंगे, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार (17 नवंबर) को उक्त पुष्टि की। यह कदम व्हाइट-बॉल टीमों के लिए कोचिंग समूह के पुनर्गठन का हिस्सा है, जिसमें ब्रेंडन मैकुलम जनवरी से ऑल-फॉर्मेट कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।हॉपकिंसन 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड की वनडे विश्व कप जीत के साथ-साथ 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की सफलता में शामिल थे, जबकि डॉसन-जो पहले इंग्लैंड यंग लायंस के कोच थे- ऑस्ट्रेलिया में उन जीतों में से बाद की जीत का हिस्सा थे।पिछले 12 महीनों में भारत और यूएसए-वेस्टइंडीज में खिताब बचाने में दो बार विफल होने के कारण इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल वापसी में भारी गिरावट आई है, जिसके कारण इस साल की शुरुआत में तत्कालीन मुख्य कोच मैथ्यू मॉट ने इस्तीफा दे दिया था। क्रिकेट निदेशक रॉब की ने कहा, हॉपे और डॉस दो बेहतरीन कोच हैं जिन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारी सीनियर टीमों के साथ उनकी कोचिंग विशेषज्ञता के अलावा उन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों के अगले युग की स्थापना में मदद करने के लिए आयु समूहों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को भी विकसित किया है। उनकी वजह से इंग्लैंड क्रिकेट बेहतर स्थिति में है और मैं उनके करियर के अगले अध्याय में उनकी अच्छी किस्मत की कामना करता हूँ।

एटीपी फाइनल्स 2024: सिनर ने फ्रिट्ज़ को हराया, टूर्नामेंट के इतिहास में पहले इतालवी चैंपियन बने

एजेंसी

नई दिल्ली। जननिक सिनर ने रविवार देर रात टेलर फ्रिट्ज़ को 6-4, 6-4 से हराकर ट्यूरिन में आयोजित सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना पहला एटीपी फाइनल्स खिताब जीता। इटली के खिलाड़ी सिनर की घरेलू धरती पर जीत, इस साल के शानदार प्रदर्शन का सबसे ताजा उदाहरण है, जिसमें 23 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ टूर्नामेंट जीते, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन में उनकी पहली ग्रैंड स्लैम जीत भी शामिल है। जीत के बाद सिनर ने कहा, यह आश्चर्यजनक है, यह इटली में मेरा पहला खिताब है और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह बहुत खास है। मैंने बस यह समझने की कोशिश की कि प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के लिए क्या सबसे अच्छा काम करता है, अपना सर्वश्रेष्ठ संभव टेनिस खेलने की कोशिश की। यही कुंजी थी। यह मेरी तरफ से बहुत ही उच्च स्तरीय टूर्नामेंट था। कई बार, मैं इससे बेहतर नहीं खेल सकता था, इसलिए मैं बहुत खुश हूँ। विश्व नंबर

एक सिनर ने फिर से फ्रिट्ज़ को सीधे सेटों में हराया, जैसा कि उन्होंने सितंबर में ग्रुप स्टेज और यूएस ओपन फाइनल में किया था, इस साल हार्ड कोर्ट पर अपने रिकॉर्ड को 50-3 तक सुधारा।

सिनर फाइनल्स जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं, उन्होंने ऐसा एटीपी की साल के अंत की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बनने के कुछ दिनों बाद किया है। सीजन की उनकी टूर-लीडिंग 70वीं जीत ने उन्हें 1986 में इवान लेंडल के बाद से एक भी सेट गंवाए बिना टूर्नामेंट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बना दिया। सिनर ने कहा, मैंने पिछले साल की तुलना में खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की, ताकि इस फाइनल को जीतने की कुंजी मिल सके। मैं इस दबाव को संभालने और इतालवी दर्शकों के साथ इस सफलता को साझा करने के लिए बहुत खुश हूं। 1999 में पीट सम्प्रास के बाद से इस इवेंट का पहला अमेरिकी चैंपियन बनने की अपनी कोशिश में फ्रिट्ज़ पीछे रह गए। सिनर के साथ पांच मुकाबलों में चौथी बार हारने वाले फ्रिट्ज़ ने कहा, अच्छे परिणामों के साथ, यह मेरे लिए एक शानदार सप्ताह रहा है। मैं सिनर और उनकी टीम को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि वह अविश्वसनीय टेनिस खेलते हैं, वास्तव में अविश्वसनीय। पिछले वर्ष नोवाक जोकोविच` फाइनल में हारने के बाद सिनर ने अपने पिछले 27 मैचों में से 26 में जीत हासिल की है। सिनर अब मालागा जाएंगे, जहां उन्हें इटली को डेविस कप खिताब की सफलतापूर्वक रक्षा करने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए मुख्य कोच बने रहेंगे जेसन गिलेस्पी : पीसीबी

एजेंसी

नई दिल्ली। जेसन गिलेस्पी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उस दौरे से आगे किसी भी अनुबंध के लिए उनकी पुष्टि नहीं की है, गिलेस्पी का पीसीबी के साथ 2026 तक का अनुबंध है।

पिछले कुछ दिनों में, कई स्थानीय रिपोर्टों ने संकेत दिया कि गिलेस्पी का पाकिस्तान क्रिकेट के साथ समय सीमित है, और आकिब जावेद को उनकी जगह लेने के लिए तैयार किया गया है। पिछले महीने गैरी कर्स्टन के इस्तीफा देने के बाद से व्हाइट-बॉल कोचिंग की भूमिका खाली है, और आकिब उनकी जगह लेने के लिए सबसे आगे हैं, पाकिस्तान का जिम्बाब्वे का टी20 और एकदिनी दौरा अगले रविवार से शुरू हो रहा है।

हालांकि, पीसीबी ने इस बात से इनकार किया है कि गिलेस्पी की नौकरी पर तत्काल कोई खतरा मंडरा रहा है। पीसीबी की ओर से एक्स पर जारी बयान में कहा गया है, जैसा कि पहले बताया गया था, जेसन गिलेस्पी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो रेड-बॉल मैचों के लिए पाकिस्तान टीम के कोच बने रहेंगे। पीसीबी ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि गिलेस्पी उन दो टेस्ट मैचों के बाद किसी और सीरीज के लिए मुख्य कोच होंगे या नहीं। पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैचों के तुरंत बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। इस सप्ताह की शुरुआत में, पीसीबी ने गिलेस्पी को चैंपियंस ट्रॉफी के समापन तक व्हाइट-बॉल कोच के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना के बारे में बताया। हालाँकि, बढ़ी हुई ज़िम्मेदारी उनके वित्तीय मुआवजे में समान वृद्धि के साथ नहीं आई, जिसे गिलेस्पी द्वारा ठुकराए जाने का कारण माना जाता है। नतीजतन, पीसीबी ने कर्स्टन की जगह किसी स्थानीय नियुक्ति पर अपना ध्यान केंद्रित किया।उन्होंने शुरू में अजहर महमूद को पदोन्नत करने या सकलैन मुश्ताक को नियुक्त करने की संभावना पर विचार किया, जिन्होंने 2021-22 में कोच के रूप में काम किया। हालाँकि, दोनों में से कोई भी पीसीबी के सलाहकार मंडल के भीतर से पर्याप्त समर्थन प्राप्त नहीं कर पाया, जिसके कारण आकिब को यह पद दिया गया। यह समझा जाता है कि उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक भूमिका निभाने के लिए कहा जाएगा, जिसके बाद पीसीबी पुनर्मुल्यांकन करेगा। गिलेस्पी की अगली तत्काल प्रतिबद्धता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टी20 मैच है, जिसके लिए उन्होंने अंतरिम कोच के रूप में कार्यभार संभाला था। पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज, एकमात्र अन्य प्रतिबद्धता जिसके लिए पीसीबी ने अभी तक औपचारिक रूप से उनकी पुष्टि नहीं की है, 26 दिसंबर से शुरू होगी। हालांकि गिलेस्पी ने तत्काल अपनी नौकरी बरकरार रखी है, लेकिन कोच और बोर्ड के बीच संबंध बिल्कुल भी सहज नहीं रहे हैं। अपने कार्यकाल के तीन टेस्ट मैचों के बाद, आकिब को पीसीबी ने एक संशोधित चयन समिति के हिस्से के रूप में नियुक्त किया, जिसमें गिलेस्पी की शक्तियों में काफी कमी की गई।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराया

एजेंसी

पल्लेकेले। महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे (तीन-तीन) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कुसल मेंडिस (नाबाद 74) और महीश तीक्षणा (नाबाद 27) की जूझारू पारियों के दम पर श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हरा दिया हैं। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 46 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। अविष्का फर्नांडो (छह), पथुम निसंका (28) और कामिंडु मेंडिस (शून्य) पर आउट हुये। कुसल मेंडिस एक छोर थामे रहे। इसके बाद कप्तान चरित असलंका (13) और सदीरा समराविक्रमा (आठ) के 93 के स्कोर पर आउट होने के बाद श्रीलंका की पारी संकट में थी। ऐसे समय में पिछल्लू बल्लेबाजों जनित लियानगे (22), दुनित वेल्लालगे (18) और महीश तीक्षणा 44 गेंदों में (नाबाद

27) ने कुसल मेंडिस का बखूबी साथ निभाया और टीम को जीत की ओर लगे। कुसल मेंडिस ने 102 गेंदों में (नाबाद 74) रनों की पारी खेली। श्रीलंका ने 46 ओवर में सात विकेट पर 210 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल ने चार विकेट लिये। मिचेल सैंटनर, ग्लेन फिलिप्स और नेथन स्मिथ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। टिम रॉबिंसन (चार) और हेनरी निकल्स (आठ) रन बनाकर आउट हुये। 16वें ओवर में जेफ्री वैंडरसे ने विल यंग (26) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। ऐसे संकट के समय मार्क चैपमैन ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 24वें ओवर में चरित असलंका ने ग्लेन फिलिप्स (15) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मिचेल हे ने चैपमैन के साथ पांचवें विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 37वें ओवर में ए फर्नांडो ने मार्क चैपमैन (76) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौट गये। मिचेल हे ने (45) रनों की पारी खेली और 46वें ओवर में आउट होने वाले वह आखिरी बल्लेबाज थे। श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.1 ओवर में 209 पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे ने तीन-तीन विकेट लिये। असिता फर्नांडो को दो विकेट मिले। दुनित वेल्लालगे और चरित असलंका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड

सोमी अली

पर जानलेवा हमला, दर्द में तड़प रही हैं एक्ट्रेस

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड रह चुकीं सोमी अली अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस खुलकर सलमान और अपने रिश्तों पर बात भी करती हैं. इसी बीच खबर आ रही है कि सोमी अली पर जानलेवा हमला हुआ है. सोमी ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वो मानव तस्करी की शिकार महिला को बचाने की कोशिश कर रही थीं. इस दौरान उनपर हमला हुआ और उनके हाथ में फ्रैचर हो गया. इतना ही नहीं उन्हें कई चोटें भी आई हैं.सोमी अली खुद को सोशल एक्टिविस्ट भी बताती हैं. 48 साल की सोमी का कहना है कि वो मानव तस्करी के पीड़ितों को बचाने के लिए पुलिस के साथ मिलकर काम करती हैं. सोमी ने कहा कि उन्हें कार से बार आने की इजाजत नहीं थीं, जब तक पीड़ित को घर से बाहर न निकाल दिया जाए. लेकिन उनका एक्सपीरियस इस मामले में तोड़ा अलग था. क्योंकि वो बाहर कुछ लोगों के साथ तस्करों का इंतजार कर रही थीं.

मैं बहुत दर्द में हूं और बिस्तर पर पड़ी हूं - सोमी अली

एक्ट्रेस की मानें तो मानव तस्करी के शिकार को बचाने की कोशिश करते दौरान तस्करों ने उनका हाथ मरोड़ दिया. इसके चलते उन्हें हाथ में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया.

सोमी ने आगे कहा, जब मैं पीड़िता को बचाने के लिए अपनी कार ने निकली तो अचानक तस्कर आ गए, उनमें से एक ने मेरा बायां हाथ पकड़ लिया और उसे इस तरह से मोड़ दिया कि मैं दर्द में चीखने लगी. भगवान का शुक्र है कि इससे मुझे सिर्फ हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ, लेकिन मैं बहुत दर्द में हूं और बिस्तर पर पड़ी हूं.

डॉक्टर ने दी बेडरेस्ट की सलाह

एक्ट्रेस की मानें तो उन्हें पूरी तरह से ठीक होने में 6 हफ्ते ये 8 हफ्ते तक लग सकते हैं. उनकी कलाई काफी सूज गई है. डॉक्टर ने उन्हें कुछ वक्त तक हाथ पर प्लास्टर लगाए रखने को कहा है. वो किसी से हाथ तक नहीं मिला पा रही हैं.

आमिर खान ने अपनी कमबैक फिल्म के बारे में बहुत कुछ बता दिया, ऐसा होगा 'सितारे जमीन पर' का कॉन्सेप्ट

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद से आमिर खान सिल्वर स्क्रीन से दूर चल रहे हैं. उसके बाद वो किसी भी फिल्म में नजर नहीं आए हैं. हालांकि, उन्होंने अपनी वापसी की पूरी तैयारी कर ली है. लंबे समय से 'सितारे जमीन पर' नाम की फिल्म पर काम चल रहा है. अब खुद आमिर ने इस फिल्म की थीम पर बात की है.'सितारे जमीन पर' साल 2007 में रिलीज हुई 'तारे जमीन पर का सीक्वल है.' दोनों फिल्मों की तुलना करते हुए आमिर ने इस सवाल का जवाब दिया है कि ये किस तरह की फिल्म होने वाली है. चलिए जानते हैं कि आमिर ने क्या कुछ कहा है.

आमिर खान ने क्या बताया ?

हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत करते हुए आमिर खान ने कहा, ये एक खूबसूरत कहानी है. 'तारे जमीन पर' एक इमोशनल फिल्म थी, जिसने लोगों को रुलाया था. 'सितारे जमीन पर' उसके अपोजिट है. ये फिल्म आपको हंसाएगी. दोनों फिल्मों की थीम एक जैसी है. बस इमोशनल फील अलग है.आगे उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कई मायनों में ये फिल्म 'तारे जमीन पर' से आगे है, क्योंकि तारे जमीन पर में, जो ईशान का कैरेक्टर था, जो चैलेंजेस का सामना कर रहा था, मेरा कैरेक्टर उसकी मदद करता है. हालांकि, इस बार 10 ऐसे लोग हैं, जो चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और वो मेरी मदद करते हैं. मतलब ये फिल्म उस फिल्म के बिल्कुल उल्टी है. आमिर खान ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ये फिल्म अच्छा करेगी और लोग इसे पसंद करेंगे.

कब रिलीज होगी 'सितारे जमीन पर' ?

आर.एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी 'सितारे जमीन पर' पहले इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी. हालांकि, फिर इसे अगले साल के लिए पोस्टपोन कर दिया गया. अभी फाइनल रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है. आमिर के साथ इस फिल्म में रितेश देशमुख की पत्नी जेनेलिया भी नजर आने वाली हैं.

सूर्या-प्रभास का बिगड़ेगा गेम! Chhava के बाद Vicky Kaushal के हाथ लगी बड़ी माइथोलॉजिकल फिल्म

बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री के मोस्ट प्रॉमिसिंग एक्टर में से एक बनकर सामने आए हैं. आज उन्हें फिल्ममेकर आंख मूंदकर ही रोल्स दे देते हैं और इसका असर भी पॉजिटिव ही होता है. पिछले एक दशक में विकी ने अपनी शानदार एक्टिंग स्किल्स से सभी का दिल जीत लिया है. चाहें मसाला फिल्म हो या फिर सीरियस, या फिर बायोपिक, वे मेकर्स की टॉप च्वाइस में रहते हैं और एक अच्छे किरदार को प्ले करने के लिए उनके ऊपर ज्यादा भरोसा किया जा रहा है. इसका उदाहरण है उनकी अपकमिंग फिल्म. एक्टर पहले ही छावा फिल्म का हिस्सा हैं और अब उनके हाथ एक और माइथोलॉजिकल फिल्म लगी है.

तीसरी फिल्म के लिए साथ आएंगे विकी कौशल-दिनेश विजान

सोर्स की मानें तो जरा हटके जरा बचके और छावा फिल्म के बाद अब दिनेश विजान और विकी कौशल एक बार फिर से साथ आ रहे हैं. लेकिन इस बार दोनों जिस प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे वो और भी बड़ा होगा और उस प्रोजेक्ट में विकी भी अपने करियर का अब तक का सबसे पावरफुल रोल प्ले करेंगे. ये फिल्म माइथोलॉजिकल बैकड्रॉप पर होगी और इसे बहुत बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा. इस फीचर फिल्म में विकी कौशल का कैरेक्टर काफी स्ट्रॉन्ग होने वाला है. फिल्म की पटकथा को देखते हुए इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अगले साल जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा. मोदक फिल्म्स और विकी कौशल के लिए ये एक ऐसी फिल्म होगी जिससे फैंस को भी काफी उम्मीदें होंगी. फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले की तैयारी के लिए 6-8 महीने का समय लगेगा.

अभी किन फिल्मों का हिस्सा हैं विकी कौशल

मौजूदा समय में विकी कौशल के पास दो ऐसी फिल्में हैं जो सिनेमाघरों में रिलीज होंगी. उनकी फिल्म छावा की रिलीज डेट अभी आई नहीं है. लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म साल 2025 के पहले 4 महीने के अंदर रिलीज की जा सकती है. इसके अलावा विकी कौशल एक और बड़ी फिल्म का हिस्सा हैं. वे लव एंड वॉर फिल्म में नजर आएंगे. इस फिल्म की खास बात ये है कि इसमें वे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अपोजिट नजर आएंगी. फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं और इस फिल्म की शूटिंग नवंबर के महीने में ही शुरू होनी है. इन दोनों फिल्मों में काम के बाद से एक्टर की इस फिल्म पर काम शुरू होगा. ऐसे में विकी इस फिल्म के साथ ही साउथ के कई ऐसे स्टार्स के लिए चुनौती बन सकते हैं जो मैथोलॉजिकल किरदारों में अपनी धाक जमा चुके हैं.

इंतजार खत्म! पटना में लॉन्च हुआ

अल्लू अर्जुन

और रश्मिका मंदाना की 'पुष्पा 2' का ट्रेलर

बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट हुआ. इस दौरान पटना के गांधी मैदान में हज़ारों की तादाद में फैन्स जमा हुए. हैदराबाद से फिल्म एक्टर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना 'पुष्पा- द रूल' का ट्रेलर लॉन्च करने के लिए खुद पटना पहुंचे और फैन्स के सामने इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया. 'पुष्पा 2' का ट्रेलर उम्मीद के मुताबिक 'फायर' जैसा ही है. पर इस बार पुष्पा फायर नहीं बल्कि वाइल्ड फायर बनकर वापस आया है.पुष्पा 2 के ट्रेलर की शुरुआत में अल्लू अर्जुन अपने पुराने अंदाज़ में दिखाई देते हैं. उनकी चाल ढाल और अंदाज़ वही पुराना है. मगर इस फिल्म का फ्लेवर और एक्शन लेवल पहली वाली पुष्पा से डेफिनेटली नेक्स्ट लेवल का है. ट्रेलर में कुछ दमदार डायलॉग भी हैं, जैसे 'पुष्पा, ढाई अक्षर, नाम छोटा है, लेकिन साउंड बहुत बड़ा है.

दमदार डायलॉग, ज़ोरदार एक्शन

ट्रेलर में दमदार डायलॉग के अलावा ज़ोरदार एक्शन और हाई ऑक्टेन सीन भी हैं. इसके अलावा इसमें पुष्पा अपनी पत्नी श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना के साथ रोमांस करता भी दिखाई दे रहा है. ट्रेलर में फहद फासिल की एंट्री भी काफी दमदार लगी है. ट्रेलर में दिखाया गया है कि पुष्पा एक बात को लेकर साफ है कि उसका हक का पैसा कोई नहीं मार सकता. इस बार पुष्पा नेशनल नहीं रहा, बल्कि वो इंटरनेशनल हो गया है और अपने हक के पैसों के लिए सात समंदर पार करने को भी तैयार है. ट्रेलर और इसको लेकर जैसा क्रेज़ गांधी मैदान में दिखा, उससे साफ है कि 5 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर अल्लू अर्जुन तबाही लाने को तैयार हैं.

गांधी मैदान में उमड़ा जनसैलाब

ट्रेलर लॉन्च इवेंट पटना के गांधी मैदान में हुआ. इस दौरान गांधी मैदान में उम्मीद से ज्यादा फैन्स उमड़ पड़े. वहां फैन्स का ऐसा जनसैलाब उमड़ा की लोगों की आंखे ठहर गईं. लाखों लोग अल्लू अर्जुन की एक झलक के लिए वहां बेताब नज़र आए. किसी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शायद ही इससे पहले कभी इतनी भारी भीड़ देखी गई हो.पुष्पा द रूल साल 2021 में आई पुष्पा- द राइज का सीक्वल है. इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है. पहले पार्ट के लिए जब अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला तो इस फिल्म की चर्चा और ज्यादा होने लगी थी. पहले पार्ट ने हिंदी में भी बंपर कमाई की थी. माना जा रहा है कि पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली है.